खबरों के 67 साल, खबरे लगातार, ई पेपर - www.deshbandhump. com

पत्र नहीं मित्र

संपर्क करें :→ jabdesh1@yahoo.com

आज नागपंचमी

देशबन्धु

जबलपुर, सोमवार 21 अगस्त 2023 | वर्ष –67 | अंक –286 | पृष्ठ –12 | मूल्य – 3.00 रु.

- शिक्षा से खौफजदा... 04
- जातिगत जनगणना ... 04
- कौन हैं विलियम लाई जिनके अमेरिका जाने... 09
- अमेरिका ने एक दिन में 21 भारतीय छात्र... 09
- मशरूम खेती की संपूर्ण जानकारी 11
- फायदे का सौदा है जैस्मिन फूल की खेती 11
- हॉकी इंडिया ने सीनियर.. 10
- यह रजत था मेरे ... 10

सार संक्षेप

हिमाचल में आपदा के गहरे जख्म, 5 दिन में 78 मौतें

केंद्र ने मंजूर किए 200 करोड़

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश ने ऐसा कहर बरपाया है कि पिछले 5 दिनों में 78 लोग काल के ग्रास में समा गए। हजारों लोगों के घर भूस्खलन की भेंट चढ़ गए। अभी भी मौसम विभाग ने आगामी पांच दिन अलर्ट रहने को कहा है। प्रदेश में एनडीआरएफ की टीम जगह–जगह मुस्तैद है और आपदा के शिकार लोगों की मदद कर रही है। आपदा के जख्म झेल रहे हिमाचल प्रदेश को केंद्र सरकार की तरफ से मदद मिली है। सरकार ने एनडीआरएफ कोष से 200 करोड़ की राशि जारी की है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य आपदा निधि के तहत 360 करोड़ से अधिक की राशि की मंजूरी दी थी। केंद्र एनडीआरएफ कोष से पिछले बकाए की राशि 189 करोड़ रुपए 7 अगस्त को ही जारी कर चुका है। पिछले पांच दिनों में ही 78 लोग मारे जा चुके हैं। हिमाचल सरकार का अनुमान है कि इस साल मानसूनी बारिश ने प्रदेश को कम से कम 1000 करोड़ का नुकसान पहुंचाया है। उन्होंने केंद्र से आर्थिक मदद मांगी थी। जिस पर गृह मंत्रालय (एमएचए) ने वर्तमान मॉनसून सीज़न के दौरान प्रभावित लोगों को राहत उपाय करने में मदद करने के लिए हिमाचल प्रदेश सरकार को राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) से 200 करोड़ रुपये की अग्रिम राशि जारी की है।

सूचना

सुधि पाठकों के लिए देशबन्धु अखबार का ई–पेपर

epaper.deshbandhump.com

वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

बिरादरी कीबात

चूहा-सुनती हो-देश के गृहमंत्री कह रहे हैं कि जिसे मकान मिला है वह 200 के बिजली बिल माफी पर वोट नहीं देगा।

चुहिया- हां प्रिये- रेवड़ी जिसकी बड़ी होती है, वजन भी उसी तरफ जाता देखा गया है।

भोपाल पहुंचे अमित शाह की मीडिया से बातचीत

जिसे मोदी जी ने मकान दिया व 200 के बिजली बिल माफी पर वोट नहीं करेगा

भोपाल, देशबन्धु। *मध्यप्रदेश प्रवास पर पहुंचे केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भोपाल में एक पत्रवार्ता में कई सवालों के जवाब दिये और जहां केन्द्र और राज्य की योजनाओं को व्यापक लोकहितकारी बताया वहीं विपक्ष पर जमकर निशाना साधा।*

सवाल–*ये मानें कि आप चुनाव को विकास के मुद्दे पर ही लेकर आएंगे?*

जवाब– *हम तो यही चाहते हैं विकास के मुद्दे पर चुनाव हो । कांग्रेस की परंपरा थी चुनाव को जातिवाद, परिवारवाद और तुष्टिकरण के आधार पर घसीट कर ले जाना। मोदी जी ने नई परंपरा डाली पॉलिट्कस ऑफ परफोर्मेंस। धारा 370 को भी समाप्त किया है। राम मंदिर का निर्माण भी तेजी से हो रहा है। यहां महाकाल लोक भी बना है। हम जरूर चाहेंगे कि चुनाव डेवलपमेंट और गरीब कल्याण के मुद्दे पर हों।*

सवाल– *15 महीने की कमलनाथ सरकार का जिक्र किया? क्या इनका काम भाजपा के लिए चुनौती है? भाजपा आरोप पत्र लाएगी?*

जवाब– *आरोप तो मैंने लगा ही दिये हैं कांग्रेस को जवाब देना चाहिये।*

सवाल *–क्या ये सही है कि चुनाव जीतने के बाद शिवराज जी ही मुख्यमंत्री रहेंगे।*

जवाब *–अभी शिवराज जी मुख्यमंत्री ही हैं। पार्टी का काम पार्टी करेगी*

सवाल– *अभी जो टिकट वितरित हुए उसमें परिवार वाद है ?*

जवाब– *परिवारवाद जहर है, जब पार्टियां परिवार की मिल्कियत बनती हैं। तो डेमोक्रेसी के अंदर नीचे से जो लोग आते हैं उनके लिया क्या स्थान होता है। अटल जी किसके बेटे थे , मोदी जी किसके बेटे थे, राजनाथ जी किसके बेटे थे। मैं पार्टी का अध्यक्ष बना, मेरे परिवार का कोई राजनीतिक बैक ग्राउंड नहीं था, नड्डा जी पार्टी के अध्यक्ष बने कोई राजनीतिक बैक ग्राउंड नहीं था, शिवराज जी का बैकग्राउंड क्या है। कांग्रेस के एजेंडे को घुमा फिराकर भ्रांति खड़ी मत कीजिये परिवार से बहुत स्पष्ट है पार्टी की मलकियत सत्ता की मलकियत एक परिवार में हाथ में रहना इसको परिवारवाद कहते हैं।परिवारवाद की जब हम बात करते हैं तो पार्टी की मिल्कियत की बात करते हैं। आप क्या कह सकते हैं कि मध्यप्रदेश की मिल्कियत कोई* ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

केंद्रीय गृह मंत्री ने जारी किया प्रदेश सरकार का गरीब कल्याण रिपोर्ट कार्ड

भाजपा की सरकार ने बनाया बीमारू मध्यप्रदेश को बेमिसाल राज्य : शाह

मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद मिली प्रदेश के विकास को नई गतिः शिवराज

भोपाल, देशबन्धु। 1956 में मध्यप्रदेश के गठन के बाद से 2003 तक ज्यादातर समय कांग्रेस की ही सरकारें रही हैं। इन सरकारों ने प्रदेश को बीमारू राज्य बना दिया। मध्यप्रदेश देश के उन राज्यों में शामिल था, जो देश के विकास में बाधक थे।

2003 में प्रदेश में उमा भारती के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनी। बाद में बाबूलाल गौर और शिवराजसिंह चौहान ने उस सरकार का नेतृत्व किया। भाजपा की सरकार ने प्रदेश को 20 सालों में बीमारू से बेमिसाल राज्य बनाया, बंटाढार से बुलंदियों पर पहुंचाया, पिछड़े से अग्रणी बनाया, समृद्ध और खुशहाल राज्य बनाया। मि. बंटाढार और कमलनाथ इस बात का जवाब दें कि 53 सालों में उनकी सरकारों ने प्रदेश के लिए क्या किया? क्यों प्रदेश की जनता के साथ अन्याय किया? क्यों मध्यप्रदेश का काफिला लूटा? यह बात केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को प्रदेश सरकार के 20 सालों के गरीब कल्याण रिपोर्ट कॉर्ड को जारी करते हुए कही।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने भी संबोधित किया। इस दौरान मंच पर प्रदेश शासन के गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा मौजूद थे।

श्री शाह ने कहा कि 2003 से पहले मध्यप्रदेश बीमारू राज्य हुआ करता था। 2003 में आई भाजपा की सरकार ने प्रदेश को बीमारू राज्य के कलंक से मुक्ति दिलाई। 2003 से 2023 तक के 20 साल प्रदेश में गरीबी से मुक्ति का स्वर्णकाल रहे हैं और इन सालों में आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश की नींव डाली गई। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनी और प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रही डबल इंजर सरकार : शर्मा

कहा- किसान- आदिवासियों की दसवीं गारंटी अगली बार बताएंगे

मप्र के लिए केजरीवाल ने दीं नौ गारंटी

सतना, देशबन्धु। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल रविवार को पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार भगवंत मान के साथ सतना पहुंचे।

यहां आयोजित कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम में उन्होंने मप्र के लिए 10 गारंटी गिनाईं। इनमें नौ की घोषणा करने के बाद किसानों और आदिवासियों के हित की दसवीं गारंटी की घोषणा अगली बार करने की बात कही। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा, आम आदमी पार्टी नेताओं की पार्टी नहीं है। 75 साल में एक भी पार्टी ऐसी नहीं आई जिसने चुनाव के पहले कहा हो आपके बच्चों के लिए स्कूल खुलवाएंगे।

भगवंत मान बोले– संकल्प पत्र नहीं गारंटी है

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने मप्र के मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि मामा ने अपने भांजे- भांजियों को बहुत धोखा दिया है, अब उस पर भरोसा मत करना। अब आपका बेटा, भाई, चाचा आ गया है। अब अपने चाचा पर भरोसा करना। साथ ही कहा है कि केजरीवाल सिर कटा देगा लेकिन एक एक गारंटी पूरी होगी। चुनाव ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

चांद के और करीब पहुंचा चंद्रयान-3

नई दिल्ली, देशबन्धु। चंद्रयान 3 चांद की तरफ काफी तेजी से अपने कदम बढ़ा रहा है। 23 अगस्त की सॉफ्ट लैंडिंग से पहले एक और बड़े पड़ाव को पार कर लिया गया है। विक्रम लैंडर ने अंतिम डीबूस्टिंग भी पूरी कर ली है। यानी कि वो चांद की और ज्यादा निचली कक्षा में प्रवेश कर चुका है।

विक्रम अब सिर्फ चांद से 23 किलोमीटर की दूरी पर है। अब 23 अगस्त को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान की लैंडिंग होने जा रही है।

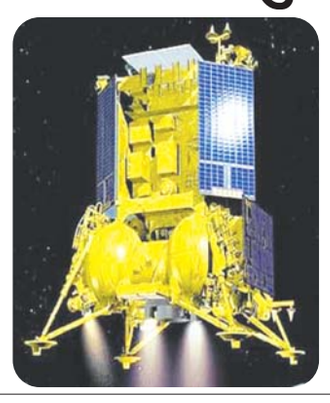

इस समय इसरो का सारा जोर इस बात पर है कि विक्रम की रफ्तार को नियंत्रण में रखा जाए। पिछली बार जब चंद्रयान 2 फेल हुआ था, उसका बड़ा कारण ये था कि विक्रम की चांद की सतह पर हार्ड लैंडिंग हुई थी यानी कि वो क्रैश कर गया था। अब डीबूस्टिंग कर धीरे-धीरे रफ्तार को कम किया गया है, इसी वजह से दूरी सिर्फ 23 किलोमीटर की रह गई है।

रूस का सपना टूटा

क्रैश हुआ लूना–25

रूस का लूना–25 मिशन चांद पर क्रैश हो गया है। रूसी स्पेस एजेंसी रोस्कॉस्मॉस ने इसकी जानकारी दी है। गौरतलब है कि लूना–25 अंतरिक्ष यान में एक दिन पहले तकनीकी खराबी आ गई थी। रूस के अंतरिक्ष निगम रोस्कोस्मोस ने कहा कि रूस का लूना–25 अंतरिक्ष यान अनियंत्रित कक्षा में घूमने के बाद चंद्रमा से टकराकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। रोस्कोस्मोस ने एक दिन पहले बताया कि लैंडिंग से पहले ऑर्बिट बदलते वक्त आसामान्य स्थिति आ गई, जिस वजह से लूना–25 ठीक ढंग से ऑर्बिट बदल नहीं सका।

कांग्रेस ने किया नई कार्य समिति का ऐलान

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी की बहुप्रतीक्षित सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति का गठन कर दिया है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आज यहां बताया कि समिति में 39 सदस्यों के साथ ही 18 स्थायी आमंत्रित सदस्य, 14 प्रभारी, नौ विशेष आमंत्रित सदस्य तथा चार पार्टी की विभिन्न संगठनों की अध्यक्ष शामिल हैं जिन्हें पदेन सदस्य के रूप में कार्यसमिति में जगह दी गई है।

सचिन पायलट से लेकर शशि थरूर तक शामिल

उन्होंने बताया कि समिति में 39 प्रमुख सदस्य हैं जिनमें श्री खड़गे के अलावा पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, एके एंटोनी, आधीर रंजन चौधरी शामिल हैं। कांग्रेस महासचिव के अनुसार समिति के अन्य सदस्यों में अंबिका सोनी, मीरा कुमार, दिग्विजय सिंह, पी चिदंबरम, तारीक अनवर, लाल थनवला, अशोक चौहाण, मुकुल वासनिक, आनंद शर्मा, चरणजीत सिंह चन्नी, प्रियंका गांधी वाड्रा, अजय माकन, कुमारी सैलजा, गैखनगम, एन रघुवीर रेड्डी, शशि थरूर, ताम्रध्वज साहू, अभिषेक मनु सिंघवी, सलमान खुर्शीद, जयराम रमेश, दीपक बावरिया, सचिन पायलट, रणदीप सिंह सुरजेवाला, जितेंद्र सिंह , जगदीश ठाकुर, जीए मीर, अविनाश पांडे, दीपा दास मुंशी, केसी वेणुगोपाल, महेंद्रजीत सिंह मालवीय, गौरव गोगोई, सैयद नासिर हुसैन और कमलेश्वर पटेल शामिल हैं। ➤➤शेष पृष्ठ 2 पर

राहुल का बड़ा दावा-चीन की सेना लद्दाख में घुसी

लद्दाख, (एजेंसियां)। लद्दाख दौरे पर आए कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रविवार को दावा किया कि चीन ने यहां के लोगों की जमीन छीन ली है। उन्होंने कहा, चिंता की बात यह है कि चीन ने जमीन छीन ली है और लोग प्रभावित हो रहे हैं। लोग कह रहे हैं कि चीनी सेना (भारतीय क्षेत्र में) घुस आई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए गांधी ने कहा, 'प्रधानमंत्री ने कहा था कि एक इंच जमीन नहीं खोई है, लेकिन लद्दाख में यह सच नहीं है।' केरल के वायनाड से कांग्रेस सांसद ने यह भी कहा कि केंद्र शासित प्रदेश के लोग बेरोजगारी और मुद्रास्फीति सहित विभिन्न मुद्दों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, लद्दाख में लोगों की बहुत सारी शिकायतें हैं। लोग उन्हें दिए गए दर्जे से खुश नहीं हैं, उन्हें प्रतिनिधित्व की जरूरत है। लोग कह रहे हैं कि प्रतिनिधित्व होना चाहिए, इसे नौकरशाही के माध्यम से नहीं चलाया जाना चाहिए।

कांग्रेस नेता ने आगे कहा, सभी लोग कह रहे हैं कि बेरोजगारी और महंगाई है। अपनी भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र करते हुए गांधी ने कहा, भारत जोड़ो यात्रा के दौरान, मुझे लद्दाख आना था, लेकिन कुछ कारणों से मैं यहां नहीं आ सका। इसलिए, मैं उनकी परेशानियों को सुनने के लिए यहां आया हूं। कांग्रेस सांसद ने तमिलनाडु के कन्याकुमारी से जम्मू-कश्मीर तक भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी।

बोले- यहां के लोगों ने शिकायत की

भाजपा ने किया पलटवार

नई दिल्ली। भाजपा ने रविवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के उस बयान पर पलटवार किया है। भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम आपसे क्या उम्मीद कर सकते हैं? जवाहरलाल नेहरू के समय में चीन ने 1962 के युद्ध से पहले और बाद में (भारत की) कितनी जमीन पर कब्जा किया था, क्या आपको राहुल गांधी जी याद है? वह दौरे से पहले एजेंडा तय करते हैं।

A.P.N. C.B.S.E. SENIOR SECONDARY SCHOOL
Affiliation No.: 1031302
School No.: 51319
An English Medium Co-educational School
ADMISSIONS OPEN
Class: Nursery 12th
(Science, Commerce & Humanities)
Call us: 0761-2676370, 9826587200
Sadar, Jabalpur Cantt, Web: www.apncbseschool.com
E-mail: apncbseschool@gmail.com

अब फेमटो सेकेण्ड लेजर - विक्टस से
मोतियाबिंद ऑपरेशन
मध्य भारत का सबसे आधुनिक
नया युग
आधुनिक नेत्र चिकित्सा ब्लेड फ्री, दर्द रहित, बिना इंजेक्शन, बिना पट्टी, बिना भर्ती, कुछ ही मिनटों में उपचार वापस अपने काम पर
डॉ पवन स्थापक-सीधा संपर्क/ जांच एवं ऑपरेशन मोबाईल-9754601010, 9516244894
जनज्योति सुपर स्पेशिलटी आई हॉस्पिटल, गोलबाजार, जबलपुर

विज्ञान सूर्य मिशन के लिए अगले कुछ दिनों में भरी जायेगी उड़ान

सात तरह के वैज्ञानिक पेलोड लेकर जाएगा 'आदित्य-एल 1'

चेन्नई, (एजेंसियां)। अगले कुछ दिनों में अंतरिक्ष की उड़ान भरने वाला भारत का पहला सौर अन्वेषण मिशन 'आदित्य-एल1 उपग्रह' सूर्य का व्यवस्थित अध्ययन करने के लिए सात वैज्ञानिक पेलोड ले जाएगा। खास बात यह है कि यह सभी पेलोड देश की ही विभिन्न प्रयोगशालाओं में विकसित किए गए हैं।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान केन्द्र (इसरो) ने कहा कि आदित्य-एल1 मिशन सूर्य का व्यवस्थित अध्ययन करने के लिए सात वैज्ञानिक पेलोड का एक सूट ले जायेगा।

इनमें सौर कोरोना और कोरोनल मास इजेक्शन की गतिशीलता का अध्ययन करने के लिए विजिबल एमिशन लाइन कोरोनाग्राफ (वीईएलसी), अल्ट्रा-वायलेट (यूवी) के निकट सौर प्रकाशमंडल और क्रोमोस्फीयर की तस्वीरें लेने तथा यूवी के निकट सौर विकिरण भिन्नता को भी मापने के लिए सौर अल्ट्रा-वायलेट इमेजिंग टेलीस्कोप (एसयूआईटी) पेलोड है। जबकि सौर पवन और उनका ऊर्जा वितरण का अध्ययन करने के लिए आदित्य सोलर विंड पार्टिकल एक्सपेरिमेंट (एएसपीईएक्स) और प्लाज़्मा एनालाइज़र पैकेज फॉर आदित्य (पीएपीए)पेलोड हैं। इसी तरह ऊर्जा रेंज में सूर्य से आने वाली एक्स-रे फ्लेयर्स का अध्ययन करने के लिए सोलर लो एनर्जी एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (एसओएलइएक्सउस) और हाई एनर्जी एल-1 ऑर्बिटिंग एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर विस्तृत एक्स-रे हैं। अंतरग्रहीय चुंबकीय क्षेत्र को मापने के लिए सक्षम मैग्नेटोमीटर पेलोड लगा है। आदित्य-एल1 के सभी वैज्ञानिक पेलोड देश में विभिन्न प्रयोगशालाओं द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित किए गए हैं।

वीईएलसी उपकरण भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान, बैंगलोर में विकसित किया गया है, एसयूआईटी उपकरण इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स, पुणे में ,जबकि भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद ने एएसपीईएक्स उपकरण बनाया है जबकि अंतरिक्ष भौतिकी प्रयोगशाला, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र ने पीएपीए पेलोड विकसित किया है। सभी पेलोड इसरो के विभिन्न केंद्रों के निकट सहयोग से विकसित किए गए हैं।

अन्य आकाशगंगाओं के बारे में मिलेगी जानकारी

इसरो ने कहा कि सूर्य सबसे निकटतम तारा है और इसलिए अन्य तारों की तुलना में इसका अधिक विस्तार से अध्ययन किया जा सकता है। उसने कहा, सूर्य का अध्ययन करके हम अपनी आकाशगंगा के तारों के साथ-साथ विभिन्न अन्य आकाशगंगाओं के तारों के बारे में भी बहुत कुछ जान सकते हैं। इसरो ने कहा, सूर्य एक बहुत ही गतिशील तारा है और जितना हमें दिखाई देता है उससे कहीं अधिक फैला हुआ है।

देश-विदेश

डीआरडीओ का ड्रोन हुआ दुर्घटनाग्रस्त

बेंगलुरु। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की ओर से विकसित किया जा रहा एक तापस ड्रोन कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले के एक गांव में परीक्षण उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना के दृश्य सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं जहां ग्रामीण एक कृषि क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त ड्रोन को देखते हुए दिखाई दे रहे हैं। रक्षा अधिकारियों के मुताबिक फिलहाल डीआरडीओ रक्षा मंत्रालय से दुर्घटना के बारे में जानकारी ले रहा है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है।

पाकिस्तान में धधकी चलती बस

20 जिंदा जले

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में भीषण सड़क हादसा हुआ है। रविवार सुबह प्रांत के पिंडी भट्टियां शहर में एक बस में आग लग गई। इस बस में लगी आग में 20 लोगों की मौत हो गई है, जबकि । लोग घायल हुए हैं। बताया गया है कि हादसे का शिकार हुई बस में 40 से ज्यादा लोग सवार थे। बस के जलने की एक तस्वीर भी सामने आई है, जिसमें आग निकलते हुए देखा जा सकता है।

जिस बस में आग लगी है, वो राजधानी इस्लामाबाद से कराची जा रही थी। रेस्क्यू में जुटे अधिकारियों का कहना है कि ये हादसा तब हुआ, जब बस पिंडी भट्टियां के पास पहुंची। यहां पहुंचने पर बस में अचानक आग लग गई। बस में से आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठ रही थीं। आग इतनी ज्यादा भयानक थी कि पूरी की पूरी बस जलकर खाक हो गई है। पुलिस का कहना है कि बस अपनी रफ्तार से गुजर रही थी, तभी इसकी टक्कर एक पिक-अप वैन से हो गई। इस वैन में बड़ी मात्रा में डीजल भरा हुआ था। यही वजह थी कि टक्कर के तुरंत बाद बस में आग लग गई।

इससे पहले, खैबर पख्तूनख्वा के उत्तरी वजीरिस्तान के शव्वाल तहसील में भी एक बड़ा हादसा हुआ। यहां एक वैन में धमाका हुआ, जिसकी वजह से 11 मजदूरों को अपनी जान गंवानी पड़ी। इस हादसे में दो मजदूर घायल भी हुए। मिली जानकारी के मुताबिक, ये धमाका शव्वाल तहसील में गुल मीरकोट के पास हुआ। यहां से सैन्य काफिला गुजर रहा था, तभी आईईडी ब्लास्ट हुआ, जिसकी चपेट में निर्दोष मजदूर भी आ गए।

खैबर पख्तूनख्वा में धमाके में 11 मजदूरों की मौत

50 मीटर गहरी खाई में गिरी बस, 8 की मौत

गंगोत्री नेशनल हाईवे पर हादसा, 27 घायल,10 की हालत नाजुक

गंगोत्री, (एजेंसियां)। उत्तराखंड के गंगोत्री नेशनल हाईवे पर गंगनानी के पास रविवार शाम को एक बस खाई में गिर गई। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। 27 लोगों को रेस्क्यू कर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिसमें से 10 की हालत गंभीर है। बस में 32-33 पैसेंजर्स सवार थे।

उत्तरकाशी ने बताया कि बस 50 मीटर गहरी खाई में गिरी है। रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। बताया जा रहा है बस में गुजरात के लोग सवार थे। ये गंगोत्री धाम की यात्रा करके लौट रहे थे। गंगनानी के पास ड्राइवर ने बस पर कंट्रोल खो दिया। इससे बस क्रैश बैरियर को तोड़ते हुए 50 मीटर गहरी खाई में लुढ़कने के बाद पेड़ों के बीच जाकर अटक गई।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ट्वीट कर हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने लिखा- हादसे में कुछ लोगों की जान जाने और कुछ के घायल होने की खबर मिली है।

रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। ईश्वर हादसे में जान गंवाने वाले लोगों की आत्मा को शांति दे। सभी घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

प्रयागराज के मुस्लिम बोर्डिंग हॉस्टल में छापेमारी, कमरे से बड़ी मात्रा में मिले बम और असलहे, 11 छात्रों पर मुकदमा

प्रयागरा। मुस्लिम बोर्डिंग हाउस (छात्रावास) में शक्रवार रात बमबाजी से सनसनी फैल गई। हॉस्टल में रहने वाले एक छात्र पर दबंगों ने बम और असलहे से हमला किया। वहां अराजकता का माहौल बन गया। कर्नलगंज पुलिस ने आधी रात को वहां छापामारी की तो भारी मात्रा में देसी बम और असलहे मिले। पुलिस ने बम निरोधक दस्ते की मदद से बमों को निष्क्रिय कराया। इस मामले में कर्नलगंज पुलिस ने दो मुकदमे दर्ज किए हैं। फरार आरोपियों की तलाश चल रही है। मुस्लिम बोर्डिंग छात्रावास के कमरा नंबर 11 में रहने वाले आसिफ इकबाल ने आलमीन अहमद, सरफराज, अरबाज, समीर, मुब्बाशिर हारून, इंतखाब उल मुख्तार, खालिद नोमान, ओबादा, ओबैद, मोहम्मद अशफाक और कासिम रहमान के खिलाफ जानलेवा हमला और बमबाजी समेत अन्य धाराओं में कर्नलगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

जिसे मोदी जी.....

परिवार की है। आप मुझे बताइए, समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव गुट) ... मैं नेताओं के नाम नहीं लेना चाहता। परिवारवाद का मतलब है सरकार और शासन में एक ही परिवार के व्यक्ति आएंगे। कहीं इक्का-दुक्का किसी के परिवार को योग्यता के आधार पर टिकट दिया, ये परिवारवाद का मुद्दा डाइल्यूट करना है।

सवाल *- हाल ही में दो राज्यो में इन्हीं मुद्दों पर आपकी सरकार नहीं बनी, क्या गारंटी है कि मप्र में आपकी सरकार बनेगी।*

जवाब *- आप सिर्फ दो राज्यों की ही बात क्यूँ करते हैं, हमारी मणिपुर से लेकर कई राज्यों में सरकार बनी हैं।*

सवाल *- आपने कई मुफ्त की घोषणाएं कीं, इन्हें कैसे लागू करेंगे, बजट का क्या प्रावधान है, ऐसा क्या करेंगे कि प्रदेश की जनता पर प्रभाव नहीं पड़े?*

जवाब*-हमने ये घोषणाएं चुनाव के समय नहीं कीं। हर घर में शौचायल 2015 में आई, 2020 में हर घर नल आई, हमारी योजनाएं और चुनाव का संबंध नहीं है। रही बात गरीब को रेवड़ी बांटने वाली बात की तो गरीब को भी समझ है कि मोदी जी ने एक लाख का घर दिया और कोई 200 रुपए का बिल माफ करेगा तो वह एक लाख का घर भूलकर 200 रुपए बिल माफी पर वोट नहीं करेगा। हमारा विश्वास गरीब को गरीबी से बाहर निकालना और उसकी आय बढ़ाना है।*

सवाल *- 2018 के चुनाव में भाजपा का वोट प्रतिशत बढ़ा लेकिन सीटें घटीं , अब क्या बदलाव आया है कि आप चुनाव जीत जाएंगे।*

जबाव *- 2018 का चुनाव जातिवाद के जहर की परछाईं में हुआ था। जनता ने हमारा और कांग्रेस का 15 माह का शासन देख लिया है। हमें पूरा विश्वास है कि इस बार जनता हमें चुनेगी और हम पूर्ण बहुमत के साथ मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी।*

सवाल*- दिग्विजय का आरोप है कि एमपी में नूंह की तरह भाजपा दंगों की प्लानिंग कर रही है?*

जवाब*- दिग्विजय सिंह का ऐसा ही स्वभाव है। जो आदमी के मन में होता है, ऐसी ही बात मुंह से निकलती है। एक महीने बाद दिग्विजय को पूछ लेना कि दंगा क्यों नहीं हुआ।*

सवाल *- आपने कांग्रेस व कमलनाथ व दिग्विजय सिंह के घोटालों की सूची दी है। केंद्र में आपकी सरकार है, तो क्या कारण है कि आप इन पर शीघ्रता से कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।*

जबाव- मैने कभी राजनीति के आधार पर एक्शन नहीं लिए। एजेंसी जांच कर रही हैं। जांच में समय लगता है। ये वही एजेंसियां हैं जिनकी कार्रवाई पर कार्रवाई पर विपक्ष-कांग्रेस हायतौबा मचा रही है।

अगर ये कमलनाथ जी का स्पांसर सवाल है तो जान लें कि इससे नुकसान भी हो सकता है, जांच की गति तेज भी हो सकती है।

भाजपा की सरकार ने.....

की दिल खोलकर मदद की। डबल इंजन वाली सरकार ने प्रदेश में विकास के नए प्रतिमान गढ़े। न सिर्फ सड़क, बिजली और पानी की समस्या दूर हुई, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सुशासन और विकास के सभी मापदंडों पर प्रदेश को आगे बढ़ाया। प्रदेश की जनता ने भी दिल खोलकर वोट दिये। 2019 में 29 में से 28 सीटें भाजपा को दीं और 2024 में जो एक सीट की कमी रह गई है, वो भी जनता पूरी कर देगी। उन्होंने कहा कि आने वाला चुनाव प्रदेश को विकसित और सर्वोच्च राज्य बनाने तथा गरीबी से संपूर्ण मुक्ति दिलाने वाला चुनाव है और मुझे पूरा विश्वास है कि प्रदेश की 9 करोड़ जनता का आशीर्वाद हमें मिलेगा। शाह ने कहा- 14 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं और अब संपूर्ण विकास पर काम हो रहा है।

कांग्रेस शासन के घोटाले गिनाए- श्री शाह ने कांग्रेस पर भ्रष्टाचार और घोटालों का आरोप लगाया, साथ ही कुछ घोटाले भी गिराए। उन्होंने कहा कि इस्तीफा देते समय कोई मुख्यमंत्री काम नहीं करता, लेकिन करप्शननाथ ने अपने इस्तीफे से 15 मिनट पहले मोबाइल घोटाले से संबंधित दस्तावेजों पर साइन किए। करप्शन नाथ ने 350 करोड़ का मोजर बेयर घोटाला किया और 2400 करोड़ के अगस्ता वेस्टलैंड घोटाले से उनका संबंध है। करप्शन नाथ ने 600 करोड़ का इफ्को घोटाला, कर्जमाफी में 25000 करोड़ का हेरफेर किया। उस सरकार ने 800 ट्रांसफर करके नया तबादला उद्योग शुरू कर दिया था। श्री शाह ने कहा कि कमलनाथ को अपनी सरकार के डेढ़ सालों में हुए घोटालों का भी जवाब देना चाहिए।

कांग्रेस में हिम्मत है तो 53 सालों का हिसाब दे- श्री शाह ने पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और कमलनाथ पर जमकर निशाना साधा। साथ ही यह चुनौती भी दी कि कांग्रेस प्रदेश में अपने 53 सालों का हिसाब दे।

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा कि 2003 से पहले मध्यप्रदेश बीमारू राज्यों में शामिल था और यहां डकैतों, नक्सलियों का आतंक था। हमारी सरकार ने प्रदेश को बीमारू राज्य के ठप्पे से मुक्ति दिलाई। वर्ष 2002-03 में प्रदेश की अर्थव्यवस्था का आकार 71000 करोड़ रुपये हुआ करता था, वह अब 13.5 लाख करोड़ के पार हो गया है। देश की जीडीपी में पहले प्रदेश का योगदान सिर्फ 3.6 प्रतिशत था, जो अब 4.8 प्रतिशत हो गया है। हमने प्रदेश में सड़कों का जाल बिछाया है और सिंचाई के क्षेत्र में तो चमत्कार हो गया है। श्री चौहान ने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद प्रदेश की प्रगति को नई दिशा और गति मिली है। डबल इंजन वाली सरकार ने विकास के नए प्रतिमान गढ़ दिए हैं। पहले जहां एक पंचायत को गिनती के ही आवास मिला करते थे, वहीं अब हर पंचायत औसत 122-23 प्रधानमंत्री आवास मिल रहे हैं। महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में प्रदेश में अभूतपूर्व काम हुआ है। प्रदेश की विकास दर 16 प्रतिशत से ऊपर है, लेकिन हम इससे संतुष्ट नहीं हैं।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि भाजपा की डबल इंजन वाली सरकार देश और प्रदेश को लगातार विकास के रास्ते पर आगे बढ़ा रही है।

म.प्र. के लिये.... आने पर सारे लोग एक दूसरे को गालियां देते हैं, उल्टा सीधा बोलते हैं। हमें गालियां नहीं देनीं। गाली देने से राष्ट्र का निर्माण नहीं होता। हम देश लूटने नहीं, राष्ट्र निर्माण करने आए हैं, पैसा कमाने नहीं आए। केजरीवाल ने दी 10 गारंटियों में 300 यूनिट तक बिजली फ्री देंगे। नवंबर तक के सारे पुराने बिल भी माफ होंगे। शिक्षा की गारंटी में मप्र के सभी सरकारी स्कूल को शानदार बनाएंगे। कच्चे टीचरों को पक्का किया जाएगा। स्वास्थ्य की गारंटी में जांच-इलाज, दवा फ्री करेंगे। 20 लाख का आपरेशन भी मुफ्त होगा। रोजगार की गारंटी है, बेरोजगार को जब तक नौकरी नहीं मिलती तब तक 3 हजार रुपए महीना देंगे। भ्रष्टाचार खत्म करेंगे। इसके साथ ही अन्य वादे भी किये हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार भगवंत मान ने कहा कि हमारी गारंटी की किताब दूसरी पार्टियों की तरह का कोई पत्र, संकल्प पत्र या मेनिफेस्टो नहीं, बल्कि केजरीवाल की गारंटी है।

कांग्रेस ने किया नई.... श्री वेणुगोपाल ने बताया कि कार्य समिति में वरिष्ठ नेता वीरप्पा मोइली, हरीश रावत, पवन कुमार बंसल, मोहन प्रकाश, रमेश चेन्निथला, बीके हरिप्रसाद, प्रतिभा सिंह, मनीष तिवारी, तारिक हामिद कारा, दीपेंद्र सिंह हुड्डा, गिरीश चडोनकर, सुब्बी रमारेड्डी, के राजू,चंद्रकांत हंडोरे, मीनाक्षी नटराजन, फूलोदेवी नेताम,डीआर नरसिम्हा और सुदीप रॉय बर्मन, डॉ ए चेल्ला कुमार, भक्त चरण दास, डा अजय कुमार, हरीश चौधरी, राजीव शुक्ला, माणिक टैगोर, सुखविंदर सिंह रंधावा, माणिक राव ठाकरे, रजनी पटेल, कन्हैया कुमार, गुरदीप सिंह सप्पल, सचिन राव, मनीष चैतरथ तथा देवेंद्र यादव को शामिल किया गया है। विशेष आमंत्रित सदस्यों में पल्लमराजू, पवन कुमार खेड़ा, गणेश गोदियाल, के सुरेश, यशोमती ठाकुर, सुप्रिया श्रीनेत, प्रणीति शिंदे, अलका लांबा और वी चंद रेड्डी शामिल हैं।

पार्टी ने अपने चारों संगठनों युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास वीबी, एनएसयूआई के अध्यक्ष नीरज कुंदन, महिला कांग्रेस की प्रमुख नित्ता डिसूजा तथा सेवा दल के प्रमुख लालजी देसाई को समिति का पदेन सदस्य बनाया है।

चीन दिखा रहा अड़ियल रवैया

तीन साल बाद भी देपसांग व दमचोक में गश्त की 'अनुमति' नहीं

- चीनी सेना अभी भी इन दो स्थानों पर जमी हुई
-19वें दौर की वार्ता में नहीं निकल सका हल

-सुरेश एस डुग्गर-

जम्मू, (देशबन्धु)। हालांकि चीन के साथ लद्दाख के मुद्दे पर हुई 19वें दौर की वार्ता का खुशनुमा पहलू यह रहा था कि दोनों पक्ष अगले दौर की बातचीत के लिए राजी हो गए थे। पर इस दौर की बातचीत में गतिरोध तभी आया था जब चीनी सेना भारतीय सेना को देपसांग और दमचोक में गश्त की 'अनुमति' देने को तैयार नहीं हुई थी क्योंकि चीनी सेना पैंगांग झील और हाट स्प्रिंग्स की तरह ही इन इलाकों में बफर जोन बनाना चाहती है।

जानकारी क `लिए चीनी सेना की मांग का मतलब है कि भारतीय भूमि के अंदर ही वह इलाका बनाना होगा जहां दोनों सेनाएं गश्त नहीं करेंगी।

दरअसल चीनी सेना अभी भी इन दो स्थानों पर जमी हुई है। भारतीय जवान भी शून्य से 40 डिग्री के तापमान में आमने सामने हैं। विवाद के चलते भारतीय सेना इन इलाकों में गश्त नहीं कर पा रही है।

यह गश्त वर्ष 2020 में उस समय रोक दी गई थी जब चीनी सेना ने लद्दाख के मोर्चे पर एलएसी के हजारों किमी इलाकों में 'बढ़त' हासिल करते हुए रातों रात अपने करीब एक लाख जवानों को सैनिक साजो सामान के साथ तैनात कर दिया था। वैसे हाट स्प्रिंग्स में अभी भी दोनों पक्षों ने बहुत ही कम सैनिक तैनात कर रखे हैं पर उनकी वापसी का मुद्दा 18वें दौर की बातचीत में आंशिक तौर पर सुलझ पाया था।

सूत्रों के अनुसार, हाट स्प्रिंग्स में, इनकी संख्या 100 से 200 के बीच है। पर इतना जरूर था कि गलवान में हुई झड़प के बाद जुलाई 2020 में जब दोनों पक्षों में बातचीत हुई तो हाटस्प्रिंग्स, जिसे पैट्रोल प्वाइंट 15 भी कहा जाता है, दोनों पक्षों ने अपने 2 से 3 हजार सैनिकों को पीछे हटा लिया था। पर भारतीय पक्ष गश्त आरंभ नहीं कर पाया। सिर्फ हाट स्प्रिंग्स अर्थात पीपी 15 ही नहीं बल्कि अन्य कई ऐसे इलाके भी हैं जहां फिलहाल भारतीय पक्ष तीन सालों से गश्त नहीं कर पा रहा है। इसके पीछे का कारण पहले चीनी सेना की आपत्ति थी फिर दोनों पक्षों में होने वाली 'सहमति' थी जिसके तहत उन इलाकों को बफर जोन्स बना दिया गया था जहां से दोनों पक्ष सैनिक हटाने को राजी हुए और बाद में वे मई 2020 के स्थानों पर लौट गए थे। इनमें गलवान वैली, गोगरा हाइट्स, पैंगांग झील का उत्तरी तट तथा कैलाश रेंज भी शामिल हैं।

मुंबई में 15 करोड़ की कोकीन के साथ दो गिरफ्तार

मुंबई। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने मुंबई में 1496 ग्राम कोकीन की तस्करी करने के आरोप में एक भारतीय यात्री को गिरफ्तार किया है। इस कोकिन की कीमत मार्केट में 15 करोड़ रुपए बातई जा रही है।

एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी है। बाद में, कोकीन प्राप्त करने वाली युगांडा देश की महिला को भी पकड़ लिया गया।

NOTICE

IN THE COURT OF HON'BLE D.K. GUDADHE, MEMBER MACT- 3, 4th FLOOR, ROOM NO. 416, DISTRICT COURT, NAGPUR.

Claim Petition No. 719/20
Process No. 5849 F.F. 28/08/2023

Petitioner : Shamu *-versus-*
Respondent : Anita

To,
Mrs. Anita Sudhir Pandey, R/o Ward No. 4, Jheelpura, Chhindwara (M.P.)

Whereas the above named petitioners in above petition have filed their Claim Petition U/ sec. 166 of Motor Vehicle Act for **Rs. 1,00,000/-** & U/sec.140 of Motor Vehicle Act for **Rs. 50,000/-**

You are hereby noticed to appear in this Court of **Hon'ble D.K. Gudadhe, Member M.A.C.T.- 3, Nagpur,** in person or by a pleader duly instructed on Dated **28/08/2023**, At 11.00 A.M. to show cause in the said above noted claim Petition failing wherein the said Petition will be heard and determined exparte in your absence. Given under my hand and the seal of the Court this **04th** day of **October, 2022.**

Seal Registrar (Judl.) M.A.C.T. Nagpur

NOTICE

IN THE COURT OF HON'BLE D.K. GUDADHE, MEMBER MACT- 3, 4th FLOOR, ROOM NO. 416, DISTRICT COURT, NAGPUR.

Claim Petition No. 720/20
Process No. 5851 F.F. 28/08/2023

Petitioner : Parthavi *-versus-*
Respondent : Anita

To,
Mrs. Anita Sudhir Pandey, R/o Ward No. 4, Jheelpura, Chhindwara (M.P.)

Whereas the above named petitioners in above petition have filed their Claim Petition U/ sec. 166 of Motor Vehicle Act for **Rs. 1,00,000/-** & U/sec.140 of Motor Vehicle Act for **Rs. 50,000/-**

You are hereby noticed to appear in this Court of **Hon'ble D.K. Gudadhe, Member M.A.C.T.- 3, Nagpur,** in person or by a pleader duly instructed on Dated **28/08/2023**, At 11.00 A.M. to show cause in the said above noted claim Petition failing wherein the said Petition will be heard and determined exparte in your absence. Given under my hand and the seal of the Court this **04th** day of **October, 2022.**

Seal Registrar (Judl.) M.A.C.T. Nagpur

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

कार्यालय नगरपालिका परिषद गोटेगांव, जिला नरसिंहपुर (म. प्र.)

(Email: cmogotegaon@mpurban.gov.in)

पत्र क्र. -1827/ ई टेण्डर / 2023-24 गोटेगांव, दिनांक 18/08/2023

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

सं. क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनाक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ई.एम.डी.	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2023_UAD_294219_1 19.08.2023	शास्त्री वार्ड में बसंती बाई के मकान से कंछेदी के मकान तक सी.सी. रोड निर्माण कार्य।	02 माह 527604.00	2000.00 5300.00	06.09.2023
2	2023_UAD_294220_1 19.08.2023	नगर पालिका गेट से विद्युत मंडल कार्यालय के सामने तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य (द्वितीय आमंत्रण)	02 माह 548752.00	2000.00 5500.00	06.09.2023

नोट- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन http://www.mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

सभापति लोक निर्माण शाखा नगर पालिका परिषद गोटेगांव | अध्यक्ष नगर पालिका परिषद गोटेगांव | मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद गोटेगांव

कार्यालय नगर परिषद मझौली जिला जबलपुर (म.प्र.)

(email id - cmomanjholi@mpurban.gov.in tel.07624-244444)

ई-निविदा सूचना

क्र. 890/लो.नि.शा./न.परि./2023 मझौली, दिनांक 18/08/2023

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है ।

निविदा क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5
2023_UAD_297969_1 दि. 19/08/2023	वार्ड क्र. 05 में सामुदायिक भवन / रंगमंच निर्माण कार्य	03 माह 4,89,226/-	2,000/- 4,900/-	06/09/2023
2023_UAD_297970_1 दि. 19/08/2023	वार्ड क्र. 09 में श्रीवास्तव जी से मथुरा साहू तक आर. सी. सी नाली निर्माण कार्य	03 माह 4,21,672/-	2,000/- 4,300/-	06/09/2023

शर्तें- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders.gov.in की वेबसाईड पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद मझौली

निविदा आमंत्रण सूचना (ई-पद्धति)

मध्य प्रदेश शासन, नर्मदा घाटी विकास विभाग, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण
कार्यालय मुख्य अभियंता
अपर नर्मदा जोन जबलपुर (म.प्र.)

Phone No. - 0761-2673450 Fax No. - 0761-2672373 E-mail ceunz.2010@rediffmail.com

निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम आमंत्रण)

मध्य प्रदेश पी.डब्ल्यू.डी. विभाग में केन्द्रीयकृत प्रणाली के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदारों एवं अपंजीकृत ख्याति प्राप्त फर्में जो पंजीकरण मापदण्डों को पूरा करती हैं, से निम्नलिखित कार्यों हेतु ऑनलाईन प्रतिशत दरों में निविदा आमंत्रित की जाती है-

सं. क्र.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	धरोहर राशि (रुपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7
1.	293/सा./345/ मु.अ./2023-24 दिनांक 17/08/2023	बरगी व्यपवर्तन परियोजना की मझौली शाखा नहर के सर्विस बैंक की आर.डी. 0.00 कि.मी. से आर.डी. 27.27 कि.मी. के मध्य डब्ल्यू. बी. एम. सड़क का निर्माण कार्य।	रु. 639.34 लाख (रू. छः सौ उनतालीस लाख चौतीस हजार मात्र) एम.पी.आर.आर. डी.ए., एस.एस.आर. 05/11/2019 पर लागू)	रु. 640000/- (रू. छ. लाख चालीस हजार मात्र)	रु. 20000/- (रू. बीस हजार मात्र)	18 माह वर्षाकाल छोड़कर

1. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये https://www.mptenders.gov.in. का अवलोकन करें।
2. निविदा प्रपत्र डेबिट कार्ड या इन्टरनेट एकाउंट से भुगतान करने के उपरांत केवल ऑनलाइन निविदा क्रय की जा सकती है।
3. ऑनलाईन निविदा प्रपत्र क्रय करने का दिनांक एवं समय- दिनांक 06.09.2023 17.30 बजे तक।
4. निविदा में यदि कोई संशोधन किया जाता है तो वह केवल वेबसाईट पर दर्शाया जायेगा। समाचार पत्र में नहीं।

दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरुरी है।

G-18580/23

(डी.एल. वर्मा) मुख्य अभियंता अपर नर्मदा जोन, जबलपुर

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार श्री जितेश श्रीवास्तव पिता श्री एम.बी. श्रीवास्तव निवासी- घमापुर, जिला जबलपुर वालों से अधिकृत होकर आम जनता को सूचित करता हूँ कि मेरे पक्षकार व अन्य खसरा नं. 367/1 का भाग, पुराना प्लाट नं. 18 व 336 का भाग, गनेशगंज डायवर्शन शीट नं. 128 नामांतराण उपरांत डायवर्सन प्लाट नं. 336/1/3 जबलपुर कुल रकबा 535 वर्गफुट के भूमि स्वामी व मालिक काबिज है व निरंतर कब्जे में है। जो कि उनके द्वारा रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 22/09/2017 के मार्फत क्रय की थी। यह कि मेरे पक्षकार की ऊपर वर्णित भूमि से लगी भूमि श्रीमती कमला देवी की है जिसका नामांतरण प्रकरण दिनांक 17/05/2003 को निरस्त हो चुका है, जिसके पश्चात् श्रीमति कमला देवी व प्रणव सिंह के द्वारा मेरे पक्षकार की संपत्ति को अपनी संपत्ति में मिली बताकर फर्जी अनुबंध का हवाला देकर विक्रय कर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है जो कि विधि विरूद्ध है।

अत: आम जनता से निवेदन है कि श्रीमति कमला देवी व प्रनव सिंह से कोई लेन देन क्रय विक्रय ना करें अन्यथा मेरा पक्षकार जवाबदार नहीं होगा सूचनार्थ हेतु प्रकाशित।

जबलपुर, दिनांक .....

एस.के. मल्लासे (एडवोकेट)
म.प्र. उच्च न्यायालय
कार्या-475, नरसिंग वार्ड, गेलेक्सी होटल के पास मदन महल जबलपुर (म.प्र.)
र.नं. 996 मो.नं. 9926349977

देश-प्रदेश

उवाच

आपके निशान मेरा रास्ता है

नईदिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी इस दिनों केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के दौरे पर हैं। रविवार को उन्होंने अपने पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी जयंती पर याद करते हुए ट्वीट किया। राहुल गांधी ने ट्विटर पर एक भावुक वीडियो शेयर करते हुए लिखा, पापा, आपकी आंखों में भारत के लिए जो सपने थे, इन अनमोल यादों से छलकते हैं। आपके निशान मेरा रास्ता हैं। हर हिंदुस्तानी के संघर्षों और सपनों को समझ रहा हूं, भारत मां की आवाज सुन रहा हूं।

भाजपा की वृहद प्रदेश कार्यसमिति बैठक संपन्न, शाह ने कहा-

150 सीटें जीतकर कांग्रेस को करें परास्त

ग्वालियर, देशबन्धु। मध्यप्रदेश का कार्यकर्ता देवदुर्लभ और अनुभवी कार्यकर्ता है। यहां के कार्यकर्ता के पास लंबा अनुभव है। मध्यप्रदेश के कार्यकर्ता ने चुनाव जीते भी हैं और जिताए भी हैं। आज हम जिस पद पर भी हैं, भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता ही हैं। इसलिए यह चुनाव भाजपा के भविष्य का चुनाव है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाकर करोड़ों गरीबों के जीवन में जनसंघ के दीप के उजियारे को प्रदीप्त करने का चुनाव है। हम सभी को मिलकर चुनाव अभियान में जुटना है।

भारतमाता को परम वैभव पर पहुंचाने के लिए इस चुनाव में हमें 150 सीटें जीतकर कांग्रेस को परास्त करना होगा। यह बात केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को ग्वालियर के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आयोजित भारतीय जनता पार्टी की वृहद प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित करते हुए कही। श्री शाह ने इस अवसर पर पार्टी के नए सदस्यता अभियान की शुरुआत भी की।

श्री शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का विजय अभियान अभी समाप्त नहीं हुआ है। जिस दिन पूरी दुनिया भारत माता के जयकारे लगाएगी, उस दिन यह लक्ष्य पूरा होगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के कार्यकर्ता चुनाव जीतने के लिए बने हैं, क्योंकि विजय आपका स्वभाव है, आपका पराक्रम है और विजय ही आपका लक्ष्य है। हमें लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास करना होगा। मैं गारंटी के साथ आपसे कहता हूं कि 30 साल तक मध्यप्रदेश में पंचायत से पार्लियामेंट तक भाजपा का भगवा परचम लहराता रहेगा।

भाजपा के नए सदस्यता अभियान का शुभारंभ

छिंदवाड़ा से करें विजय संकल्प अभियान की शुरुआत

श्री शाह ने कहा कि मध्यप्रदेश में सबसे अधिक चुनाव जीतने का रिकॉर्ड है। पंचायत से लेकर जिला व विधानसभा चुनाव जीतने का अनुभव है। 2019 में 29 में से 28 जिताने वाला कार्यकर्ता मेरे सामने बैठा है। इसलिए संकल्प लें कि लोकसभा चुनाव में इस बार सबसे पहले छिंदवाड़ा की सीट जीतकर विजय संकल्प अभियान की शुरूआत करेंगे।

इस संकल्प को अगर हमें सिद्ध करना है तो 2023 में डेढ़ सौ से अधिक सीटें जीतकर भाजपा का भगवा एक बार फिर मध्यप्रदेश में लहराना होगा। हमें चुनाव सरकार बनाने के लिए नहीं जीतना है, बल्कि इसलिए जीतना है ताकि बंढाटार और कमलनाथ की सालों तक चुनाव के बारे में सोचने की हिम्मत न हो। उन्होंने कहा कि हम विजय के अधिकारी हैं, हमें चुनाव लड़ना और लड़ाना आता है। हमारा उद्देश्य पवित्र है, हमारे संकल्प में स्व का भाव नहीं है, हमारा संकल्प गरीब कल्याण है। हमें 150 सीटें जीतने के लिए चुनाव लड़ना है। इतना बड़ा चुनाव लड़ना है तो जोश से नहीं होश से काम करना है। मतदाता सूची के हर पेज से 50 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल करने का चुनाव लड़ना है।

नहीं चलेंगे जातिवाद, तुष्टिकरण और परिवारवाद

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि 2018 में चुनाव हम नहीं हारे थे, एक लाख वोट हमें अधिक मिले थे। इस बार जातिवाद, तुष्टिकरण, परिवारवाद सामने आएगा, लेकिन यह सब चलने वाला नहीं है क्योंकि प्रदेश की जनता कांग्रेस को अच्छी तरीके से जान गई है। इस बार राष्ट्रवाद की विजय होगी। हर पेज प्रमुख के साथ बैठकर 50 प्रतिशत वोट हासिल करने का संकल्प दिलाना है। यहां से हमें यही संकल्प लेकर जाना है। हमारी विजय बहुत जरूरी है। बैठक को राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक एवं केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, केन्द्रीय मंत्री एवं प्रदेश चुनाव प्रभारी भूपेन्द्र यादव, सह प्रभारी अश्विनी वैष्णव, रामशंकर कठारिया, केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, डॉ. वीरेन्द्र खटीक, प्रहलाद पटेल, फग्गन सिंह कुलस्ते, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव, प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने भी संबोधित किया। बैठक में राजनैतिक प्रस्ताव भी पारित किया गया।

भाजपा सरकार के रिपोर्ट कार्ड पर कांग्रेस ने उठाए सवाल, कहा-

महंगाई, बेरोजगारी और बढ़ते अत्याचारों पर सरकार खामोश

भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस ने केन्द्रीय मंत्री अमित शाह द्वारा राज्य सरकार का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किए जाने पर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने कहा है कि शिवराज सरकार का रिपोर्ट कार्ड केन्द्रीय गृहमंत्री क्यों जारी कर रहे हैं।

वरिष्ठ पार्टी नेता एवं राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने आज यहां मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। इस सरकार ने अपने रिपोर्ट कार्ड में उन तमाम ज्वलंत समस्याओं महंगाई, बेरोजगारी, बिगड़ती कानून व्यवस्था और बढ़ते हत्याचारों का कोई जिक्र नहीं किया है, जिससे प्रदेश को दो-चार होना पड़ रहा है। इन मुद्दों पर सरकार खामोशी है। उन्होंने कटाक्ष किया कि फेल विद्यार्थी का रिपोर्ट कार्ड कौन देखता है। पूर्व मंत्री तरुण भनोत ने राज्य में अर्थ व्यवस्था की स्थिति बेहतर बताए जाने को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश पर लगभग चार लाख करोड़ रुपये कर्ज है। यह पैसा भ्रष्टाचार में जा रहा है। श्री भनोत ने कहा कि पिछले चार माह से निराश्रित पेंशन और संविदा शिक्षकों को वेतन नहीं मिला है। अपने हिस्से की 40 प्रतिशत राशि नहीं देने के कारण केंद्र ने कई योजनाओं में राशि देनी बंद कर दी है।

पूर्व मंत्री जीतू पटवारी ने कहा कि भाजपा कह रही है कि प्रदेश में किसान समृद्ध हो गया है, जबकि प्रदेश किसानों की खुदकुशी के मामले में देश में दूसरे नंबर पर है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने रिपोर्ट कार्ड में यह नहीं बताया कि राज्य में एक करोड़ से अधिक युवा बेरोजगार हैं।

मुख्यमंत्री आज 5 हजार 580 नवनियुक्त शिक्षकों को देंगे नियुक्ति बधाई पत्र

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 21 अगस्त को नवनियुक्त शिक्षकों को नियुक्ति बधाई पत्र देंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसरण एवं प्रदेश के परिप्रेक्ष्य में नवनियुक्त शिक्षकों को उनके प्रशिक्षण कार्यक्रम में संबोधित कर अध्यापन में उत्कृष्टता एवं शिक्षा में नवीन आयाम स्थापित करने के लिए प्रेरित भी करेंगे।

नवनियुक्त शिक्षकों का प्रशिक्षण-सह-उन्मुखीकरण कार्यक्रम भोपाल के भेल (बरखेड़ा) स्थित सीएम राइज शासकीय महात्मा गांधी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पूर्वान्ह 11 बजे होगा। इसमें सत्र 2023-24 में नवनियुक्त 5 हजार 580 शिक्षकों को नियुक्ति बधाई पत्र दिये जायेंगे। कार्यक्रम में मंत्री जनजातीय कार्य विभाग सुश्री मीना सिंह एवं स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) राज्य मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में विभिन्न जिलों के नवनियुक्त शिक्षक सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम का वर्चुअल प्रसारण भी किया जायेगा।

मजदूरों के हित में सर्वाधिक योजनाएँ अमल में लाने वाला राज्य बना मध्यप्रदेश

भोपाल, देशबन्धु। मजदूरों के लिए मुख्यमंत्री जन-कल्याण संबल योजना सहित 22 प्रकार की सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के संचालन के साथ मध्यप्रदेश मजदूर परिवारों के हित में सर्वाधिक योजनाएँ अमल में लाने वाला राज्य बन गया है। इन योजनाओं का लाभ देने के लिए श्रम सेवा पोर्टल काम कर रहा है।

मुख्यमंत्री जन-कल्याण (संबल) योजना में पिछले डेढ़ दशक में 5 लाख 25 हजार मजदूरों को 4917 करोड़ रुपये की सहायता दी गई है। अब तक एक करोड़ 61 लाख मजदूरों का पंजीयन किया गया है। कोविड संक्रमण के कठिन समय में श्रमिक परिवारों को इन योजनाओं से भरपूर मदद मिली थी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशों पर श्रमिक बन्धुओं के लिए प्रदेश में सर्वाधिक योजनाएँ चलाई जा रही हैं। इनमें अनुग्रह सहायता, स्थाई एवं अस्थाई रूप से अपंग होने पर सहायता, मध्यप्रदेश श्रम कल्याण बोर्ड के अंतर्गत श्रमिकों को शैक्षणिक छात्रवृत्ति योजना, शिक्षा पुरस्कार योजना, रियायती मूल्य पर कॉपी वितरण योजना, कन्या विवाह सहायता योजना, कल्याणी सहायता योजना, मुख्यमंत्री जन-कल्याण प्रसूति सहायता योजना, कक्षा दसवीं और 12 वीं के लिए सुपर-5000 योजना, सायकिल और उपकरण खरीदने के लिए अनुदान योजना, उत्तम श्रमिक पुरस्कार योजना, श्रमिक साहित्य पुरस्कार योजना, अनुग्रह सहायता योजना जैसी योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

वित्तीय वर्ष 2022 में श्रम कल्याण मंडल की विभिन्न योजनाओं में 6646 श्रमिकों को 4 करोड़ 30 लाख 67 हजार रुपए की सहायता दी गई। चालू वित्त वर्ष में अब तक मंडल की विभिन्न योजनाओं में 2043 मजदूरों को एक करोड़ 41 लाख 18 हजार रुपए की सहायता दी गई है। इन योजनाओं के प्रारंभ से अब तक 5 लाख 86 हजार मजदूरों को रू. 35 करोड़ 77 लाख की सहायता दी गई। मध्यप्रदेश स्लेट पेंसिल कर्मकार कल्याण मंडल के माध्यम से 2008-09 से 2022-23 तक 17 हजार 274 श्रमिकों को 8 करोड़ 55 लाख रूपये की सहायता दी गई।

स्नेह यात्रा में आत्मीयता से मिट रहे हैं असमानता के भाव

भोपाल,देशबन्धु। समाज को सद्भावना, प्रेम और समता से जोड़ने वाली स्नेह यात्रा का आज पाँचवां दिन है। 16 अगस्त से प्रारंभ हुई यह यात्रा प्रदेश के 52 जिलों में पूज्य संतों के नेतृत्व में 26 अगस्त तक चलेगी। समाज के सभी वर्गों में आत्मीयता के भाव से असमानता के भाव मिट रहे हैं। सेवा बस्तियों में प्रवास के समय संत सानिध्य से वैसे तो सभी छोटे-बड़े आनन्दित होते हैं पर मातृशक्ति की आस्था देखते ही बनती है। बस्ती में पहुँचने पर संतजनों के पाँव पखारना, करतल ध्वनि और संकीर्तन से स्वागत और पुष्प-वर्षा से सभी का मन आनंदित हो उठता है। मातृशक्ति की आस्था स्नेह यात्रा को और भी गरिमामय बना रही है।

भारतीय परम्परा में आस्था और आध्यात्म की दृष्टि से श्रावण मास का विशेष महत्व है। इस माह में पूजा अनुष्ठानों से देव-स्थलों की चहल-पहल देखते ही बनती है। सेवा बस्तियों में संतजन स्वयं प्रवास कर रहे हैं, जिससे स्नेह यात्रा श्रावण मास को और अधिक महत्वपूर्ण बना रही है। संत, समाज और सावन की ये त्रिवेणी गाँव-गाँव में आस्था और उल्लास की झाँकी प्रस्तुत कर रही है। कलश यात्राएँ निकाली जा रही हैं। पुष्प वर्षा से संतों का स्वागत हो रहा है। जिसके पास जो है वह संतों के चरणों में समर्पित करने हेतु तत्पर हैं। स्नेह यात्रा प्रात और सायंकालीन सत्रों में लगभग 5-5 बस्तियों में प्रवास करती है। दोपहर और शाम को संकीर्तन और सहभोज होता है।

लोक सभा चुनाव के लिए भाजपा ने तैयारी तेज की

65 से ज्यादा सांसदों के कट सकते हैं टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। अगले साल होने वाले लोक सभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। विपक्षी एकता और एकजुटता की संभावनाओं के बीच भाजपा देशभर में अपने वर्तमान सांसदों का रिपोर्ट कार्ड तैयार कर फिर से चुनाव जीत सकने वाले सांसदों की लिस्ट को अंतिम रूप देने में जुटी है। दरअसल, 2019 के पिछले लोक सभा चुनाव में भाजपा को 303 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। वर्तमान में लोक सभा में भाजपा के पास 301 सांसद हैं, लेकिन सूत्रों की मानें तो इनमें से 65 से ज्यादा सांसदों की रिपोर्ट कार्ड बहुत अच्छी नहीं है। ऐसे में एंटी-इनकंबेंसी से बचने के लिए भाजपा इन सीटों पर अपने उम्मीदवार बदलने यानी वर्तमान सांसदों का टिकट काटने पर गंभीरता से विचार कर रही है। इनमें से कुछ सांसदों का संसदीय क्षेत्र भी बदला जा सकता है। मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर भाजपा ने इसी वर्ष 30 मई से 30 जून तक देशभर में एक विशेष जनसंपर्क अभियान चलाया था, जिसमें पार्टी के सभी सांसदों को जुट जाने को कहा गया था। पार्टी के कई सांसदों ने इस कार्यक्रम में पूरे मन से भाग नहीं लिया, जिसकी वजह से भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को वर्चुअली बैठक कर उन सांसदों को फटकार भी लगानी पड़ी थी। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी भाजपा संसदीय दल की बैठक में कई बार सांसदों को फटकार लगाते हुए यह कह चुके हैं कि या तो वो अपना रवैया बदलें या फिर बदले जाने के लिए तैयार रहें। पिछले कुछ महीनों के दौरान देश भर में पार्टी संगठन द्वारा टिफिन बैठक सहित, कई अन्य महत्वपूर्ण अभियान चलाए गए, उसमें भी कई सांसद पार्टी की उम्मीद के मुताबिक भीड़ नहीं जुटा पाए थे।

2019 के लोक सभा चुनाव में विपक्ष के हाई प्रोफाइल नेताओं को हराने वाले कई सांसदों को भी इस बार अपने-अपने संसदीय क्षेत्र में जाकर लोगों से संपर्क करने और स्थानीय संगठन के नेताओं से बेहतर समन्वय स्थापित करने को कहा गया है। संदेश बिल्कुल साफ है कि अगर उनकी रिपोर्ट कार्ड में सुधार नहीं हुआ तो पार्टी उनका टिकट काटने में भी संकोच नहीं करेगी।

उत्तर प्रदेश से जिन सांसदों पर टिकट कटने की तलवार लटक रही है, उसमें कई ऐसे सांसद भी हैं जो वर्तमान में केंद्र सरकार में मंत्री हैं। सूत्रों की मानें तो भाजपा ने चुनाव जीत सकने वाले कई ऐसे नेताओं की भी अलग से एक लिस्ट बनाई है जो वर्तमान में उत्तर प्रदेश में विधायक हैं और उनमें से कई योगी सरकार में मंत्री हैं या योगी सरकार में पहले मंत्री रह चुके हैं। यूपी की कई सीटों पर पार्टी अपने वर्तमान सांसदों का टिकट काटकर इन्हें चुनावी मैदान में उतार सकती है।

बयान से चर्चा में रहने वाले का टिकट भी मुश्किल में

बिहार की बात करें तो पार्टी अपने बयानों से चर्चा में रहने वाले एक वर्तमान केंद्रीय मंत्री का टिकट भी 2024 के लोक सभा चुनाव में काट सकती है। हालांकि वह अपना संसदीय क्षेत्र बदलने की गुहार आलाकमान से लगा रहे हैं।

बिहार से टिकट कटने वाले सांसदों की लिस्ट में तीन पूर्व केंद्रीय मंत्री भी शामिल हैं। दिल्ली में पार्टी अपने एक पूर्व दिवंगत केंद्रीय मंत्री के परिवार के सदस्य को लोक सभा चुनाव में उतार सकती है। दिल्ली के एक लोक सभा सांसद को पार्टी दूसरे राज्य से चुनावी मैदान में उतारने की तैयारी कर रही है तो वहीं दो अन्य सांसदों के टिकट काटने की भी तैयारी चल रही है। हरियाणा में पार्टी इस बार 5 सीटों पर उम्मीदवार बदलने की तैयारी कर रही है। तो वहीं इसके साथ ही भाजपा मध्य प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, असम, झारखंड, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, हिमाचल और यहां तक कि अपने सबसे मजबूत गढ़ गुजरात में भी कई वर्तमान सांसदों का टिकट काटने जा रही है।

पिता को याद कर भावुक हुई प्रियंका

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को अपने पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी 79वीं जयंती पर याद किया। इस मौके पर प्रियंका ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी शेयर किया है।

सोशल मीडिया एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक वीडियो शेयर करते हुए राज कपूर की फिल्म अनाड़ी का एक गाना किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार अपने पिता को समर्पित किया। कांग्रेस नेता ने गाने के बोल शेयर करते हुए लिखा, ये पंक्तियां मुझे हमेशा आपकी याद दिलाती हैं और आज जब भी मैं यह गाना सुनती हूं, तो मेरी आंखों में आंसू आ जाते हैं।

नीमच में विधान सभा प्रमुख सचिव का हुआ आत्मीय स्वागत

समाज सेवा जीवन का उत्कृष्ट कार्य : सिंह

भोपाल, देशबन्धु। प्रमुख सचिव म.प्र.विधान सभा अवधेश प्रताप सिंह 21 अगस्त से उदयपुर में आयोजित राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ के भारत प्रक्षेत्र सम्मेलन में भाग लेने जाते समय आज अल्प प्रवास पर नीमच पहुँचे,जहां उनका समाजसेवी संगठन रोटरी डायमंड क्लब नीमच के पदाधिकारियों एवं ज़िला प्रशासन द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। प्रमुख सचिव श्री सिंह जो स्वयं अनेक समाजसेवी संस्थाओं से जुड़े हुए हैं,ने कहा कि समाज सेवा उत्कृष्ट कार्य है इससे जीवन में सन्तुष्टता व शांति आती है तथा जो हमें जीवन में हासिल हुआ उसमे से कुछ सेवा द्वारा समाज के ज़रूरतमंदों को लौटाने का अवसर प्राप्त होता है। इस अवसर पर नीमच रोटरी क्लब अध्यक्ष रो.सौरभ शर्मा,पूर्व अध्यक्ष आशीष गर्ग,राहुल खंडेलवाल, निवर्तमान अध्यक्ष दीपक एयरेन,रो.मनीष गर्ग,पूजा गर्ग,पूनम गर्ग सहित समाजसेवी उपस्थित थे।श्री सिह यहाँ से साँवरिया प्राकट्य मंदिर में दर्शन करते हुए उदयपुर पहुँचेंगे।

जंतर-मंतर पर नूंह हिंसा पर पंचायत की अनुमति रद्द

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने रविवार को जंतर-मंतर पर नूंह हिंसा पर आयोजित पंचायत को आगे बढ़ाने की अनुमति रद्द कर दी, क्योंकि कुछ व्यक्तियों ने अपने भाषणों के दौरान कथित तौर पर विवादास्पद टिप्पणियां की थीं।

हरियाणा के नूंह में हुई हिंसा पर चर्चा के लिए अखिल भारतीय सनातन महासंघ की ओर से पंचायत का आयोजन किया गया था। बिट्टू बजरंगी के बारे में भी चर्चा होनी थी, जिस पर 31 जुलाई को हिंसा के दौरान भीड़ को उकसाने का आरोप है।

पालतू कुत्ते को पीटने से रोका तो पत्नी और दो बच्चे की तलवार से मारकर हत्या, कातिल ने भी की खुदकुशी

उज्जैन। उज्जैन जिले में पालतू कुत्ते को लेकर हुए झगड़े के बाद 45 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और दो बच्चों की कथित तौर पर तलवार से हमलाकर हत्या कर दी और फिर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना शनिवार देर रात जिला मुख्यालय से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित बड़नगर इलाके के एक घर में हुई।

अनुविभागीय पुलिस अधिकारी महेंद्र सिंह परमार ने कहा कि शुरुआती जांच के अनुसार दिलीप पवार ने शनिवार रात करीब एक बजे अपने पालतू कुत्ते को पीटना शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि उनकी 40 साल की पत्नी गंगा, उनके 14 साल के बेटे योगेन्द्र और 17 साल की बेटी नेहा ने हस्तक्षेप किया और पवार से पालतू जानवर को अकेला छोड़ने के लिए कहा। अधिकारी ने कहा, इसके बाद गुस्से में आकर पवार ने कथित तौर पर अपनी पत्नी और दो बच्चों की तलवार से हमला कर हत्या कर दी। उनके अन्य दो बच्चे जान बचाने के लिए घर से बाहर भाग गए।

परमार ने बताया कि कुछ देर बाद दिलीप पवार ने किसी धारदार हथियार से कथित तौर पर खुद पर हमला कर अपने घर में ही आत्महत्या कर ली। पुलिस अधिकारी ने कहा, शुरुआती जांच के अनुसार, दिलीप पवार शराब पीने का आदी था। अभी हम विश्वास के साथ यह नहीं कह सकते कि जब उसने अपनी पत्नी और दो बच्चों की हत्या की तब वह नशे में था या नहीं। मामले में जांच जारी है। उन्होंने कहा कि हालांकि, कुछ महीनों से आरोपी के पास कोई नौकरी नहीं थी। जांच अधिकारी ने कहा कि उसके पास एक मालवाहक वाहन था जिससे वह अपनी जीविका चलाता था, लेकिन उसने कुछ समय पहले इसे बेच दिया। परमार ने कहा, रविवार सुबह करीब पांच बजे सूचना मिलने के बाद हम पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने बताया कि फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (स्वस्रु) की टीम भी मौके पर पहुंची है। सबूतों को इकट्ठा किया जा रहा है और पड़ोसियों से भी पूछताछ की जा रही है।

नीट के खिलाफ द्रमुक की भूख हड़ताल शुरू

चेन्नई। द्रमुक युवा विंग ने एमबीबीएस में प्रवेश के लिए नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (एनईईटी- नीट) को रद्द करने की मांग को लेकर रविवार को राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में एक दिवसीय भूख हड़ताल शुरू की। चेन्नई के वल्लुवर कोट्टम में विधायक उदयनिधि स्टालिन के साथ द्रमुक के वरिष्ठ नेताओं और कैबिनेट मंत्रियों एस. दुरईमुरुगन, एम. सुब्रमण्यम, पी.के. शेखर बाबू, पार्टी के सांसद, विधायक और चेन्नई की महापौर आर. प्रिया ने विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया।

जबलपुर, सोमवार 21 अगस्त 2023
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

शिक्षा से खौफ़ज़दा सरकार

21वीं सदी में इससे अधिक कुछ भी हास्यास्पद और दुखद एक साथ नहीं हो सकता कि किसी को यह कहने के लिये नौकरी से निकाल दिया जाये कि 'शिक्षित जनप्रतिनिधियों को वोट देना चाहिये।' ओपन प्लेटफॉर्म पर कार्यरत एडटेक कंपनी अनएकेडमी ने अपने उस टीचर को बर्खास्त कर दिया है, जिसने अपनी एक क्लास के दौरान चुनावों में पढ़े-लिखे उम्मीदवारों को वोट देने की सलाह दी थी। करण सांगवान नामक इस टीचर को बर्खास्त करने की पुष्टि करते हुए अनएकेडमी के को-फाउंडर रोमन सैनी ने ट्वीट कर लिखा कि 'सांगवान ने कंपनी की आचार संहिता को तोड़ा है इसलिए उन्हें हटाना पड़ा है।' माना जाता है कि सांगवान को केन्द्र सरकार की कथित नाराजगी के बाद नौकरी से हटाया गया है। अपने वीडियो में पढ़े-लिखे नेताओं को वोट देने की अपील के बाद करण सांगवान सोशल मीडिया के सभी माध्यमों पर जबर्दस्त ट्रेंड करने लगे थे। वैसे तो शिक्षित व्यक्ति को वोट देने की अपील से किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिये क्योंकि इसमें तो कोई शक ही नहीं कि कुछ अपवादों को छोड़ दिया जाये तो अशिक्षित व्यक्ति के मुकाबले पढ़ा-लिखा व्यक्ति किसी भी क्षेत्र में समाज के लिये उपयोगी होता है। वैसे सांगवान का मामला यह साबित करने के लिये पर्याप्त है कि वर्तमान सरकार ने एक ऐसे भारत का निर्माण कर दिया है जिसमें साक्षरता को अवगुण की तरह लिया जा रहा है जबकि दुनिया भर में उच्च शिक्षा के प्रति रुझान बढ़ रहा है। देश में बढ़ती विवेकहीनता, अतार्किकता और अवैज्ञानिकता का कारण इस अकेले दृष्टांत से भी समझा जा सकता है।

सांगवान की बर्खास्तगी का कारण इसलिये सरकार की नाराजगी को माना जा रहा है क्योंकि स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शैक्षणिक योग्यता पर अक्सर सवाल उठते हैं। भारतीय जनता पार्टी के कुछ और भी नेता व मंत्री भी ऐसे हैं जिनकी शैक्षणिक योग्यता पर संदेह व्यक्त किया जाता है। सांगवान की बर्खास्तगी राजनैतिक व सामाजिक हलकों में मज़ाक का विषय बन गया है। लोगों को लग रहा है कि सांगवान की विद्यार्थियों को दी गई सलाह इसलिये भाजपा को बुरी लग गई क्योंकि उसे लगता है कि यह उसके ही खिलाफ कहा गया है। कांग्रेस के प्रवक्ता पवन खेड़ा ने तो बाकायदे प्रेस कांफ्रेंस बुलाकर कहा कि 'आखिर यह बात (सांगवान की) सिर्फ भाजपा को ही क्यों बुरी लगी जबकि अन्य किसी को भी इससे आपत्ति नहीं हुई।' आपत्ति का कोई कारण भी नहीं बनता क्योंकि स्वस्थ व मजबूत लोकतंत्र का आधार ही गुणवत्तापूर्ण जनप्रतिनिधियों का चुनाव है। कार्टून तो इस आशय के भी तैर रहे हैं कि 'आज पढ़े-लिखों को चुनने की बात हो रही है। कल को यदि ईमानदार लोगों को चुनने की मांग होने लगे तो मुश्किल हो जायेगी।' दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी सांगवान की बात को जायज बतलाया है। इसे कोई गलत कह भी नहीं सकता। सम्भवतः इस सरकार के द्वारा जिस प्रकार से विश्वविद्यालयों ही नहीं समस्त तरह की शिक्षाओं, विवेक और ज्ञान के खिलाफ वातावरण बनाया गया है यह उसी का परिणाम कहा जा सकता है। पिछले कुछ समय से बताया जा रहा है कि पढ़ना-लिखना व्यर्थ है। समाज का काम इसके बिना भी बखूबी चल सकता है। ऐसी अवधारणा विकसित करने का फायदा यह होता है कि सरकार शिक्षा के विकास पर मेहनत और खर्च करने से बच जाती है। शिक्षा को एक अनुपयोगी काम बतला देने से सरकार और गैर अलोकतांत्रिक व निरंकुश राजनैतिक दलों-नेताओं को कई लाभ होते हैं। सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि अशिक्षित लोगों की भीड़ निर्मित कर उन्हें मनचाही दिशा में हांका जा सकता है और किसी भी तरह के विचारों से उन्हें बरगलाया जा सकता है। आज सड़कों पर हिंसा व नफ़रत से भरे नौजवानों के जो हुजूम देखे जा रहे हैं वे शिक्षा से विरक्त जनसमुदाय ही हैं। यह दीगर बात है कि शिक्षा को व्यर्थ बतलाने वाले नेता स्वयं अपने बच्चों को खूब पढ़ाने-लिखाने में रुचि रखते हैं। उनके बच्चे देश-विदेश के अच्छे संस्थानों से पढ़-लिखकर निकलते हैं।

जनप्रतिनिधियों का पढ़ा-लिखा होना बेमतलब साबित करने वाले माहौल में ही योग्य नेताओं (जवाहरलाल नेहरू से लेकर नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह तक) के बारे में यह कहना लोगों को प्रभावित करता है कि उच्च शिक्षण का कोई फायदा नहीं है। 'हार्वर्ड बनाम हार्ड वर्क' का यह सिद्धांत दिया जाता है कि देश का भला उच्च शिक्षा से नहीं वरन कड़ी मेहनत से होगा। यह अलग बात है कि गुणवत्तापूर्ण अध्ययन के लिये विख्यात संस्थानों में दाखिला लेना और उनमें विद्यार्जन करना किसी भी तरह से कम मेहनत का काम नहीं है। दूसरी तरफ, आज के वातावरण में अकेली मेहनत काम की नहीं जब तक कि व्यक्ति कुशाग्र बुद्धि व शिक्षित न हो।

सांगवान से मोदी सरकार की नाराज़गी का कारण यही हो सकता है कि उन्हीं के कार्यकाल के दौरान भारतीय समाज में ज्ञान का तिरस्कार और उसके प्रति घृणा फैलाने का काम हुआ है। देश के अच्छे विश्वविद्यालयों पर बमबारी करने की सलाह देना, वहां के स्वतंत्र चेता व सरकार विरोधी छात्रों को टुकड़े-टुकड़े गैंग बतलाकर उन्हें देश विरोधियों की शरणस्थली बतलाना आदि इसी वैचारिक प्रक्रिया का हिस्सा है। अज्ञानता और विवेकहीनता पर गर्व की भावना शिक्षा के प्रति गहन अरुचि का परिणाम है जो थाली-ताली पीटने को महामारी उन्मूलन का उपाय मानने और देश की आजादी को 99 वर्षों की लीज़ पर बतलाने में संकोच नहीं करती। बाकी, विश्व गुरु बनने की चाहत तो अपनी जगह पर बनी हुई है ही।

जातिगत जनगणना ही करेगी हिन्दू- मुसलमान राजनीति का मुकाबला!

जातिगत जनगणना एक ऐसा मुद्दा है जिससे भाजपा सबसे ज्यादा घबराई हुई है। कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दल एक बार इसकी मांग उठाने के बाद फिर चुप हो गए हैं। इसकी शुरूआत राहुल गांधी ने कर्नाटक चुनाव में की थी। और देश में एक माहौल बना और राजनीतिक रूप से कर्नाटक में कांग्रेस को फायदा हुआ वह जीती। लेकिन उसके बाद कांग्रेस इसे भूल गई है। राजस्थान में कांग्रेस सरकार ने कहा कि वह जातिगत जनगणना करवाएगी मगर अभी तक उसकी कोई शुरूआत नहीं की है।

कांग्रेस को और नए बने विपक्षी गठबंधन इंडिया को समझ लेना चाहिए कि किसी मुद्दे को आधे अधूरे मन से उठाने से कोई फायदा नहीं होता है। उल्टे नुकसान की संभावनाएं ज्यादा रहती हैं। क्योंकि विरोधी तो आपके खिलाफ हो ही जाते हैं। लेकिन उससे सहमत लोग आपकी दुविधा की वजह से पूरी तरह आपके साथ नहीं आते हैं।

31 अगस्त और एक सितम्बर को मुबंई में होने वाली 26 विपक्षी दलों की तीसरी बैठक में संयोजक का चुनाव और 11 सदस्यीय संचालन समिति की घोषणा का तो एक औपचारिक महत्व है। असली बात वह माहौल बनाना है जिससे जनता हिन्दू-मुसलमान के जाल से निकलकर बाहर आए। पिछले 9 साल में जो हिन्दू- मुसलमान का नशा करवाया गया है उसका तोड़ जातिगत जनगणना ही है। कमंडल का जवाब मंडल की तरह।

मुबंई में अगर इंडिया ने जातिगणना जनगणना का मुद्दा उठा दिया और सरकार बनने की दशा में इसका आदेश सबसे पहले निकालने की घोषणा कर दी तो फिर भाजपा का कोई हिन्दू-मुस्लिम अजेंडा नहीं चल पाएगा। सीधा प्रस्ताव पास करना है कि इंडिया की सरकार बनने पर कैबिनेट की पहली बैठक में जातिगत जनगणना करवाने का आदेश पारित किया जाएगा।

देखिए इस प्रस्ताव के पास होते ही कैसे माहौल बदलता है। साम्प्रदायिकता का सारा नशा काफूर हो जाएगा। पिछड़े दलित आदिवासी को जैसे ही अपने अधिकार मालूम होंगे वह अपने और अपने बच्चों के भविष्य के लिए खड़ा हो जाएगा। आज तो उसे बेरोजगारी, महंगाई, सरकारी शिक्षा, सरकारी चिकित्सा खत्म होने का कोई अहसास ही नहीं है। वह तो नफरत की आग में जल रहा है। मणिपुर इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। नफरत और विभाजन की आग जलते साढ़े तीन महीने हो गए। प्रधानमंत्री नहीं गए तो नहीं गए।

आग कैसे बुझेगी? इस पर कोई बात नहीं। मीडिया तो पूछ भी नहीं सकता है। एक परम गोदी एंकर ने टमाटर पर ही पूछ लिया तो उसे जेल की याद दिला दी गई। माहौल ऐसा है कि सारे सवाल राहुल के लिए ही हैं। झूठे, महाझूठे सब। लोकसभा के सारे कैमरे खंगाल लिए मगर उस फ्लाइंग किस का कोई फ्लाइंग हिस्सा भी नहीं मिला। क्या आरोप लगाने वाली मंत्री पर कोई कार्रवाई नहीं होना चाहिए। उसी प्रोग्राम में जिसमें टमाटर के भाव और जेल की यादें दिलाई गईं फ्लाइंग किस का मुद्दा फिर उठा। मंत्री ने यह कहकर बचाव किया कि पत्र मैंने नहीं लिखा। मगर लोकसभा में बोला

शकील अख्तर

बिहार अभी भी कई मामलों में लीड कर रहा है। इस तरह से झूठी खबरों के खिलाफ तो कर ही रहा है। जातिगत जनगणना में भी उसी ने पहल की थी। हाईकोर्ट से रोक लगी मगर फिर नीतीश कुमार और तेजस्वी की सरकार ने उसके खिलाफ लड़ कर उसे हटवाया और जातिगत जनगणना का काम फिर शुरू हो गया।

तो उन्होंने ही था। फिर साबित करने की जिम्मेदारी भी उन्हीं की है। और सदन के बाहर टीवी प्रोग्राम में उस आरोप को फिर से दोहराया ही।

मजेदार है टीवी गाली भी खा रहा है और प्रचार भी उनका ही कर रहा है। हिन्दू-मुसलमान का भरपूर जहर इसी एंकर ने फैलाया और उसी को जेल की याद दिलाई जा रही है।

खैर यह मीडिया तो आखिरी आखिरी तक अपनी वफादरी निभाएगा। इसका इलाज तो जनता ही करेगी। जब हिन्दू-मुसलमान की तरह जातिगत जनगणना को भी यह गलत तरीके से पेश करेगा तो उससे जब पिछड़े का नुकसान होगा तो वह सीधे इस मीडिया से बात करेगा। बिहार में यह मीडिया उस तरह उपद्रव नहीं कर पाता है जिस तरह शेष हिन्दी प्रदेशों में कर रहा है। वहां तमिलनाडु की एक गलत खबर दिखाने पर बिहार सरकार और तमिलनाडु सरकार ने एक पत्रकार पर जिस तरह कड़ी कार्रवाई की उससे पूरे बिहार में सही संदेश गया कि झूठी खबर दिखाने का नतीजा बहुत बुरा होगा।

बिहार अभी भी कई मामलों में लीड कर रहा है। इस तरह से झूठी खबरों के खिलाफ तो कर ही रहा है। जातिगत जनगणना में भी उसी ने पहल की थी। हाईकोर्ट से रोक लगी मगर फिर नीतीश कुमार और तेजस्वी की सरकार ने उसके खिलाफ लड़ कर उसे हटवाया और जातिगत जनगणना का काम फिर शुरू हो गया।

बिहार की तरह ही हिन्दी भाषी क्षेत्र के दूसरे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में भी इसकी मांग तेज हो गई है। मगर वहां की भाजपा सरकार ने इसे करवाने से मना कर दिया। अब वहां की दो बड़ी पार्टियों सपा और बसपा को देखना है कि अगर वे इस मांग को जोरदार तरीके से नहीं उठाते हैं तो उनके पिछड़े और दलित समर्थकों पर क्या प्रभाव पड़ता है। क्या यूपी का ओबीसी नहीं चाहता कि सरकारी क्षेत्रों में उसे अपनी आबादी के हिसाब से हिस्सेदारी मिले? दलित नहीं चाहता कि उसका आरक्षण जो लगातार कम किया जा रहा है वह वापस पूरा मिले और निजी क्षेत्र में उसे आरक्षण दिया जाए। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने खुलकर प्राइवेट सेक्टर में आरक्षण की मांग की है। जबकि सार्वजनिक क्षेत्रों में तो हालत यह है कि एक तो उन्हें खत्म ही किया जा रहा है दूसरे जो हैं वहां आरक्षण वाले पद भरे ही नहीं जा रहे हैं। केन्द्र और राज्य सरकारों का भी यही हाल है। अकेले रेल्वे में ही तीन लाख से ज्यादा पद खाली पड़े हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का कहना है कि सरकारी विभागों में तीस लाख से ज्यादा पद खाली हैं।

मगर अब यह कोई मुद्दा ही नहीं रहा। जब सेना में ठेके पर भर्ती होने लगे तो बाकी विभागों का तो महत्व ही क्या? इस बात को इस तरह समझ लीजिए कि अगर कांग्रेस या लालू प्रसाद यादव, ममता बनर्जी इस तरह का फैसला लेते तो क्या होता? सीधे-सीधे उन पर देश बेचने का आरोप लगा दिया जाता। मीडिया उनकी लींचिंग का माहौल तैयार कर देता।

राहुल ने इसी लिए एक सिम्पल नारा दिया था। जितनी आबादी उतना हक। देखन में छोटन लगे घाव करे गंभीर! अगर कांग्रेस और विपक्षी दलों का गठबंधन इंडिया इस नारे को ठीक से उठा ले तो हिन्दू-मुसलमान गुब्बारे की सारी हवा निकल जाएगी।

गरीब को अपना अधिकार क्यों नहीं चाहिए। अभी राहुल रामेश्वर के साथ मुलाकात में न्याय स्कीम की बात कर रहे थे। राहुल अगर 2024 में जीत जाएंगे तो इसे जरूर लागू करेंगे। हर गरीब को छह हजार रुपया महीना। 72 हजार रुपए साल का देना। मगर समस्या यह है कि राहुल के आसपास के लोग ही उन्हें काटने में लगे रहते हैं।

आपको एक आश्चर्यजनक बात बताएं। सबको मालूम है कि टीवी राहुल को नहीं दिखाता है। पूरी भारत जोड़ो यात्रा गायब कर दी। लेकिन कांग्रेस तो महान है। जब राहुल का रामेश्वर से मिलने का वीडियो आया तो उसे जिसने पूरा दिखाया उससे कांग्रेस कहने लगी कि आप अपने चैनल से इसे हटाओ। है ना आश्चर्य। और घोर आश्चर्य इसमें यह है कि उस वीडियो का पूरा लिंक राहुल ने खुद अपने ट्वीट में दिया था।

अब पार्टी में राहुल से बड़ा कौन है यह कांग्रेस ही जाने। राहुल का वीडियो दिखाने पर आपत्ति क्यों? इसका जवाब किसी के पास नहीं है। कांग्रेस किस तरह अपनी पार्टी चलाती है यह वह जाने! मगर अब राहुल पार्टी पॉलिटिक्स से ऊपर उठकर जनता के नेता बन गए हैं। कांग्रेस में जी-23 बनी थी। 23 वरिष्ठ नेताओं का गुट। जो राहुल को पार्टी से बाहर करना चाहता था। मगर राहुल को यात्रा से मिले भारी जन समर्थन से वह घबरा गया। चुप बैठ गया। मगर अब राहुल के नजदीक के लोग उनका कद कम करने में लग गए हैं। कांग्रेसी नेता को हमेशा अपने शिकंजे में रखना चाहते हैं। इन्दिरा गांधी नहीं रहीं। शुरू में उनके लिए भी बहुत कोशिश हुई। उन्हें पार्टी तोड़ना पड़ी। मगर राजीव, सोनिया पर कांग्रेसियों ने अपना कब्जा बना कर रखा। ऐसा ही राहुल पर चाहते हैं। अब यह राहुल पर है कि वे इन्दिरा बन कर खुद लोगों से मिलना जुलना शुरू करते हैं या राजीव और सोनिया की तरह कांग्रेसियों की आंख कान से ही सब देखते सुनते हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

चंद्रबाबू नायडू ने खो दी भाजपा से सौदेबाजी की ताकत

■ सुशील कुट्टी

तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू की 2024 में राष्ट्रीय राजनीति में भूमिका है या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वह एनडीए में हैं या नहीं। नायडू इस बात पर जोर देते हैं कि उनकी एक भूमिका होगी और अगर टीडीपी के भाजपा के साथ हाथ मिलाने की बात सच है, तो उनकी एक निश्चित भूमिका हो सकती है।

चाहे जो हो, 2024 अभी भी बहुत आगे है, भले ही जिस गति से एक के बाद एक शुक्रवार बीते जा रहे हैं और भाजपा-तेदेपा गठबंधन जोर नहीं पकड़ रहा है, वह एक और कहानी बताता है। तथ्य यह है कि जब नरेंद्र मोदी खुद को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री घोषित कर चुके हैं तो नायडू की भूमिका क्या होगी।

चंद्रबाबू नायडू मोदी के लिए किसी भी अन्य राजनेता से अलग नहीं हैं। क्या कोई भी राजनेता यानी मोदी की पार्टी भाजपा सहित किसी भी पार्टी का कोई राजनेता, खड़ा होकर मोदी को याद दिला सकता है कि वह जब चाहें तब खुद को प्रधानमंत्री घोषित नहीं कर सकते। इसके बजाय, जो हम देखते हैं वह स्वीकृति है- पूर्ण स्वीकृति। फिर यहां चंद्रबाबू भी कह रहे हैं कि वह 2024 में अपनी भूमिका के बारे में 'स्पष्ट' हैं।

आंध्र प्रदेश अभी भी राज्य के विभाजन से उबर नहीं पाया है। जहां जगनमोहन रेड्डी नतीजे से खुश दिख रहे हैं, वहीं चंद्रबाबू नायडू अपने कंधों पर एक बड़ी जिम्मेदारी लेकर चल रहे हैं। नायडू 'अमरावती' को आंध्र प्रदेश की राजधानी बनाने पर अड़े हैं जबकि जगनमोहन रेड्डी विशाखापत्तनम को राजधानी बनाना चाहते हैं। यह एक कड़ा गतिरोध है। क्या भाजपा का कोई विचार है?

वैकल्पिक रूप से, तेदेपा को आंध्र प्रदेश विधानसभा जीतने का लक्ष्य रखना चाहिए, जिसके लिए चुनाव 2024 में भी निर्धारित हैं। नायडू सबसे ज्यादा खुश होंगे अगर वह वाईएसआरसीपी के जगन रेड्डी को हटा दें। मुख्यमंत्री रेड्डी आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री की कुर्सी से चिपके हुए हैं और आंध्र प्रदेश के एक समय के अति-शक्तिशाली मुख्यमंत्री चंद्रबाबू अब इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते। चंद्रबाबू उस दिन का सपना देखता है जब तेदेपा आंध्र प्रदेश में सत्ता में लौटेगी और आंध्र प्रदेश के लिए उसने जो योजनाएं बनाई हैं वे सभी सच होंगी।

पिछले कई महीनों, हफ्तों और दिनों से भाजपा के तेदेपा से हाथ मिलाने की चर्चा चल रही है। प्रधानमंत्री की पार्टी ने अफवाहों को जीवित रखा है और तेदेपा के राजग में शामिल होने और वाईएसआरसीपी के लोकसभा और राज्यसभा में सहायक भूमिका के लिए समझौता करने की चर्चा जारी है। पिछली बार सुना था, नायडू अपने पद से डिगे नहीं थे। न तो जगन रेड्डी और न ही जेपी नड्डा। सभी लोग अपनी-अपनी बात पर अड़े रहे। इतना ही नहीं, जब नायडू से उनकी योजनाओं के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'राजग में शामिल होने के बारे में बात करने का यह सही समय नहीं है। मैं इस बारे में सही समय पर बात करूंगा।' नायडू का 'सही समय' अतीत में है, जो उनके भविष्य के लिए अच्छा संकेत नहीं है।

चंद्रबाबू नायडू यह भी भूल जाते हैं कि वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के संस्थापकों में से एक थे, जिसे केंद्र द्वारा आंध्र प्रदेश को 'विशेष दर्जा' देने से इंकार करने के बाद उन्होंने गुस्से में छोड़ दिया था। अब, कई मौके गंवाने के बाद, नायडू इस बात पर जोर दे रहे हैं कि उनकी 'प्राथमिकता' आंध्र प्रदेश है- उनका 'बड़ा एजेंडा'।

चंद्रबाबू नायडू एक शानदार राजधानी के साथ आंध्र प्रदेश के पुनर्निर्माण के लिए जी रहे हैं, लेकिन देखने से लगता है कि उनका यह सपना एक सपना और उनकी मरणासन्न इच्छा बनकर रह जायेगा क्योंकि मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी अभी चंद्रबाबू नायडू के सपनों को साकार करने की जल्दबाजी में नहीं हैं। जहां तक भाजपा का सवाल है, वह नर्सरी कविताएं भी गा सकती है।

भाजपा की आंध्र प्रदेश इकाई की कमान एनटीआर की बेटी जी पुरंदेश्वरी को देने से रत्ती भर भी फर्क नहीं पड़ा है। अभिनेता पवन कल्याण की जन सेना पार्टी के साथ भाजपा का गठबंधन अब तक की एक मात्र उपलब्धि है। फिर पवन कल्याण कोई झुलसी हुई धरती का चुनाव जीतने की नीति वाले हनुमान नहीं हैं जो उन्हें भाजपा का आदर्श बना देंगे। शेष भारत के लिए, आंध्र प्रदेश एक ऐसा राज्य है जिस पर लोगों का ध्यान नहीं जाता। यह ऐसा है जैसे आंध्र प्रदेश में चुनाव कोई खास महत्व नहीं रखते। पड़ोसी तेलंगाना सारा ध्यान खींच लेता है और सारी ऑक्सीजन सोख लेता है।

आंध्र प्रदेश अभी भी राज्य के विभाजन से उबर नहीं पाया है। जहां जगनमोहन रेड्डी नतीजे से खुश दिख रहे हैं, वहीं चंद्रबाबू नायडू अपने कंधों पर एक बड़ी जिम्मेदारी लेकर चल रहे हैं। नायडू 'अमरावती' को आंध्र प्रदेश की राजधानी बनाने पर अड़े हैं जबकि जगनमोहन रेड्डी विशाखापत्तनम को राजधानी बनाना चाहते हैं। यह एक कड़ा गतिरोध है। क्या भाजपा का कोई विचार है?

जून 2014 में आंध्र प्रदेश को दो भागों में विभाजित कर दिया गया- आंध्र प्रदेश और तेलंगाना। आंध्र प्रदेश को 10 वर्षों में एक नई राजधानी ढूंढनी थी, जो नहीं हुई। आंध्र प्रदेश में 2024 में विधानसभा और संसदीय दोनों क्षेत्रों में चुनाव होने हैं। कोई खास उत्साह नहीं है और तीनों प्रमुख पार्टियां केवल उदासीनता दिखा रही हैं। कांग्रेस बेहोश है। मतदाता हतप्रभ हैं।

भाजपा चाहती है कि तेदेपा और राज्य में सत्तारूढ़ वाईएसआरसीपी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनकी कुर्सी पर टिके रहने में मदद करें। जमीनी काम हो चुका है और अब सब कुछ भाजपा पर निर्भर है। भाजपा की आंध्र प्रदेश में बहुत कम उपस्थिति है और लगातार तीसरी बार भारत पर शासन करने की मोदी की महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए एक मजबूत क्षेत्रीय सहयोगी की आवश्यकता है।

आज नागपंचमी

प्रकृति संरक्षण से जुड़ा है नागपंचमी का पर्व

हमारी प्राचीन परंपरा के चलते ही नाग को देवता मानने की आस्था ने ही सांपों को संरक्षण से जोड़ा था। श्रावण मास में पड़ने वाली शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी के रूप में जाना जाता है। इस दिन नागों की पूजा कर हिंदू धर्मावलंबी उनसे अपने जीवन की रक्षा हेतु प्रार्थना करते हैं।

पर्यावरण संतुलन में मददगार होने और फसलों की रक्षा करने के कारण ही नाग को आदिकाल से देवता के रूप में पूजा जाता रहा है। भगवान विष्णु की शैय्या और शिव शंकर के गले का हार होने के कारण नाग लोगों की आस्था से जुड़ा जीव बन गया है। यही कारण है कि नाग पंचमी का पर्व धार्मिक आस्था एवं विश्वास के सहारे हमारी बेहतरी की कामना का प्रतीक बन गया है। यह पर्व हमें जीव-जंतुओं के प्रति समभाव , हिंसक प्राणियों के प्रति दया भाव के साथ ही अहिंसा के अभय दान की प्रेरणा देता है। नाग पंचमी का पर्व हमें पर्यावरण से जोड़ता है। हमारी संस्कृति ने उन सभी जीवों, वनस्पतियों तथा वस्तुओं को सम्मान दिया है जो हमारे अस्तित्व को बचाने में सहायक हैं। नाग को देवताओं की श्रेणी में रखा गया है। हिंदू धर्म-ग्रंथों के अनुसार नाग महर्षि कश्यप और उनकी पत्नी कदरू की संतान हैं। पुराणों के अनुसार सूर्य के रथ में बारह सर्प (नाग) विराजमान हैं। यही नाग प्रत्येक माह रथ के वाहक बनते हैं। हमारे धर्म ग्रंथ में आए कथानकों के अनुसार शेषनाग ही रामावतार में लक्ष्मण और कृष्णावतार में बलराम के रूप में अवतरित हुए थे।

मोहनजोदड़ो, हड़प्पा और सिंधु घाटी की सभ्यता के अवशेष इस बात के साक्षी हैं कि नागों के पूजन की परंपरा आदिकाल से चली आ रही है। मिस्र की सभ्यता भी अत्यंत प्राचीन है जहां आज भी शेख हरेदी नामक पर्वत पर सांपों की पूजा की जाती है। पड़ोसी राष्ट्र नेपाल में नाग पंचमी का उत्सव सपेरों के त्यौहार के रूप में मनाया जाता है। देखा जा रहा है कि पर्वतीय प्रदेशों में नाग पूजा का प्रचलन अधिक है। सुप्रसिद्ध संस्कृत कवि कल्हण ने राज तरंगिणी ग्रंथ में कश्मीर की धरती का दिव्य सपेरों से संबंध बताया है। अनंतनाग नामक स्थान इस बात का ऐतिहासिक प्रमाण है। यह मान्यता भी है कि नाग पंचमी के दिन भगवान श्री कृष्ण द्वारा कालिया मर्दन लीला हुई थी। इसी तरह भविष्य पुराण में कथानक है कि देवासुर संग्राम में हुए समुद्र मंथन से उच्चश्रवा नामक अश्व (घोड़ा) निकला था। उसे देखकर नाग माता कदरू ने अपनी सौत विनीता से कहा इस घोड़े का रंग सफेद है, परंतु बाल काले दिखाई पड़ते हैं। इस बात को लेकर दोनों में विवाद बढ़ गया। पुत्र नागों द्वारा विरोध करने पर कदरू ने क्रोधित होकर उन्हें राजा जन्मेजय द्वारा किए जाने वाले सर्प यज्ञ के दौरान भस्म हो जाने का श्राप दे डाला। तब ब्रह्माजी के वरदान से आस्तिक मुनि ने सर्प यज्ञ को रोककर नागों के प्राणों की रक्षा की। मान्यता है कि ब्रह्मा जी द्वारा पंचमी के दिन वरदान दिए जाने और पंचमी के दिन ही आस्तिक मुनि द्वारा नागों की रक्षा किए जाने के कारण पंचमी तिथि नागों को समर्पित कर दी गई।

नागपंचमी पर मुख्यतः पांच पौराणिक नागों की पूजा होती है- अनंत, वासुकी, तक्षक, कर्कोटक एवं पिंगल। असंख्य फन वाले अनंत शेषनाग की शैय्या पर भगवान विष्णु विश्राम करते हैं। वासुकी नाग को मंदराचल में लपेटकर समुद्र मंथन हुआ था। तक्षक के डसने से राजा परीक्षित की मृत्यु हुई थी। नागवंशी कर्कोटक के छल से रुष्ट होकर नारद जी ने उसे श्राप दिया था। हिंदू व बौद्ध साहित्य में पिंगल को कलिंग में छिपे खजाने का संरक्षक माना गया है।

डॉ सूर्यकांत मिश्रा

आपके पत्र

तासीर टमाटर की

वर्तमान में देश में कई चर्चित मुद्दे हैं जिनमें टमाटर की बढ़ी कीमत भी एक प्रमुख है। बढ़ी हुई कीमतों से यह हमारे भोजन की थाली से तो दूर हुआ ही है, परंतु इसकी लूट की भी कई घटनाएं हुईं हैं। प्रमुख सब्जी के रूप में प्रचलित टमाटर की खोज 15वीं सदी में हुई थी। एक मान्यता के अनुसार टमाटर 700 ईसा पूर्व भी मौजूद था। मैक्सिको के आदिवासी अपनी भाषा में इसे 'टोमेटो' कहते थे। आदिवासियों का शब्द 'टोमेटो' अंग्रेजी में ऐसे ही स्वीकार कर लिया गया।

दक्षिणी अमेरिका के पेरू में पहली बार टमाटर की खेती की गयी थी। टमाटर की खोज के समय यह स्पष्ट नहीं था कि यह विषैला है या खाने योग्य। यूरोप में टमाटर 15वीं सदी में ही पहुंच गया था, परंतु वहां लोग इसे 200 वर्षो तक खाने से डरते रहे एवं इसे 'पाइजन-एपल' कहा गया। इसका कारण यह था कि कई लोग टमाटर खाकर मर जाते थे। बाद में अध्ययन करने पर पाया गया कि मौत का कारण टमाटर नहीं, अपितु सीसे (लेड) की परत वाली प्लेट थी जिसमें रखकर टमाटर खाये जाते थे। 'ऐपीडी साइट' का कारण मानते रहे। बाद में हुए कुछ अध्ययनों से पता चला कि इसका फल तो खाने योग्य है, परंतु इसकी पत्तियां एवं तना विषैला हो सकते हैं। फल को खाने योग्य माने जाने के बाद इसकी लोकप्रियता काफी बढ़ी। इटली एवं स्पेन के लोगों ने इसकी खेती शुरू की एवं इसका नाम 'गोल्डन-एपल' रखा गया। फ्रांस में टमाटर को 'लव-एपल' कहा गया।

26 सितम्बर, 1820 को सेलम के कर्नल राबर्ट जॉनसन द्वारा दो-ढाई हजार लोगों के सामने टोकनी भर टमाटर खाने एवं कुछ नहीं होने पर अमेरिकी लोगों ने इसे फल व सब्जी के रूप में मान्य किया। अमेरिका के ही एक व्यापारी ने 1893 में यह दावा किया कि टमाटर एक फल है इसलिए इस पर सब्जी-कर नहीं लिया जाए। वहां के उच्च न्यायालय ने इस दावे पर निर्णय दिया कि टमाटर ज्यादातर सब्जी के रूप में प्रयोग किया जाता है, अतः यह कर योग्य है। वर्तमान में टमाटर आलू एवं प्याज के समान ही लोकप्रिय है एवं विश्व की 10 लोकप्रिय सब्जियों में 06 वें स्थान पर है।

वनस्पति विज्ञान में इस शाकीय पौधे को 'लाइकोपर्सिकम एस्कुलेंटम' कहते हैं जो 'सोलोनेसी कुल' का सदस्य है। यह विटामिन ए व सी के साथ पोटेशियम, कैल्शियम तथा फास्फोरस का भी अच्छा स्रोत है। फल को लाल रंग देने वाला रसायन 'लायकोपीन' कैंसर तथा हृदय रोग की रोकथाम में भी कारगर बताया गया है। पके फलों से इस रसायन को हमारा शरीर आसानी से अवशोषित कर लेता है। इसके अन्य औषधीय गुणों को जानने के लिए अनुसंधान किये जा रहे हैं। स्पेन के ब्यूनाल में एक-दूसरे पर टमाटर फेंकने और उसके रस में भीगने का एक वार्षिक त्यौहार 'ला-टामेटिया' मनाया जाता है। इसे मनाने हेतु लगभग एक लाख किलो टमाटर का उपयोग किया जाता है।

हमारे देश में यह 16वीं सदी के प्रारंभ में पुर्तगालियों द्वारा लाया गया था। उस समय लोग इसे 'विलायती बैंगन' कहते थे। वर्तमान में इसकी खेती ज्यादातर राज्यों में की जाती है, उनमें प्रमुख हैं-महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश एवं कर्नाटक। हमारे देश के अलावा चीन, तुर्की, ईरान, स्पेन एवं ब्राजील में भी यह काफी उगाया जाता है। इसकी बढ़ती लोकप्रियता के कारण कृषि वैज्ञानिकों ने इसकी कई किस्में तैयार की हैं। इन किस्मों में आकार, स्वाद एवं रंग में काफी भिन्नता है।

छोटी चेरी तथा ग्रेप किस्मों के टमाटर छोटे होने के कारण पूरे खाये जाते हैं। 'भारतीय बागवानी अनुसंधान संस्था' के वैज्ञानिकों ने ऐसी किस्म तैयार की है जिसके एक पौधे पर 19-20 किलो टमाटर लगते हैं। कर्नाटक में कुछ वर्षों पूर्व इसकी खेती प्रारंभ की गयी थी। 'उत्तराखंड राज्य जैव-विविधता परिषद' के वैज्ञानिक इसकी एक झाड़ी समान विदेशी प्रजाति 'टमरै-लो' को भी उगाने का प्रयास कर रहे हैं।

- डॉ. ओ.पी. जोशी

बिजली विभाग के कर्मचारी शासन के आदेश की उड़ा रहे धज्जियां

जबलपुर, देशबन्धु। प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में दिनों दिन अनुशासन हीनता बढ़ती ही जा रही है। शासन के मापदंडों के अनुसार अपनी संपत्ति का विवरण और उपयोग किए जाने वाले मकान अथवा भूमि वाहन खरीदे जाने वाली व सोना-चांदी आदि की जानकारी विभाग को दी जानी चाहिए। जनवरी माह के दौरान राज्य शासन सभी अधिकारियों से उनके द्वारा उपयोग की जाने वाली संपत्ति को उल्लेखित कराना चाहता है, परंतु ऐसा देखा जा रहा है कि पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क अधिकतर अधिकारी इन नियमों की अनदेखी कर रहे हैं।

बिजली विभाग के मुख्यालय शक्ति भवन और मैदानी अधिकारियों द्वारा अपनी संपत्ति को लेकर स्पष्ट नहीं कर रहे हैं। जिन अधिकारियों ने मजबूरी वश कर दिया है। उन लोगों ने भी स्पष्ट नहीं किया है। कि अपनी भूमि पैतृक संपत्ति की कितनी है और स्वंय के द्वारा कितनी एकड़ भूमि की खरीदी की है। वहीं उनकी पत्नी व परिवार के पास क्या उल्लेख संपत्ति का है, इस बात का किसी भी प्रकार का विवरण उन्होंने नहीं दिया है। कुछ अधिकारी ऐसे हैं जिन्होंने अपनी सर्विस अभी अभी शुरू की है, ऐसे कर्मियों की संपत्ति अभी ठीक दिख रही है।

शक्ति भवन में पदस्थ और मैदानी अधिकारी अभी भी वास्तविक संपत्ति का विवरण देने में हीला हवाली कर रहे हैं। इस बात की चर्चा शक्ति भवन से लेकर फील्ड अधिकारियों के बीच जोरों से चल रही है। इस प्रकार का आचरण करने वालों को इस प्रकार की लापरवाही मंहगी पड़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।

यह सभी जानकारी जनवरी 2024 तक भेजना अनिवार्य है।

मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कई अधिकारियों से इस संबंध में चर्चा की गई परंतु वह सभी गोलमाल जवाब देते रहे। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के शीर्ष प्रबंधन इस संबंध में क्या प्रभावी कार्यवाही करेंगे यह विचारणीय प्रश्न है।

रक्षाबंधन पर्व के नजदीक आते ही सज गये राखी बाजार

जबलपुर, देशबन्धु। भाई बहन के पवित्र रिश्ते का पर्व रक्षाबंधन को आने में अब कुछ दिन ही शेष रह गये हैं, इसको देखते हुए शहर के मुख्य बाजारों में रंग बिरंगी राखियों की दुकानें सज गयी हैं यही नहीं दूर निवास कर रहे भाईयों के लिए उनकी बहनों ने राखियों की खरीददारी शुरू कर दी है। हालाकि महंगाई के चलते इस बार बाजार में रौनक कम दिख रही है लेकिन माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में बाजार की रौनक बढ़ सकती है।

राखी बाजार में डायमंड या मोती के सजावट वाली राखियों की खास मांग है वहीं सराफा बाजार में सोने चांदी की राखियां भी बिकना शुरू हो गई हैं। दूसरी तरफ बाजार में टेडीबीयर और चाकलेट लगी राखियों की भी मांग देखी जा रही है , इन राखियों को खासकर बच्चों के लिए अधिक पसंद किया जा रहा है। इस बार इसी विशेष धीम के बजाए फैंसी राखियां अधिक पसंद की जा रही है। इस बार स्टोन जड़ित राखियों पारम्परिक राखियों में रेशम की डोर वाली राखियों से बाजार सजा हुआ है। माना जा रहा है कि इस बार महंगाई के चलते सोने चांदी से बनी राखियों की मांग कम रह सकती है। दूसरी तरफ रूमाल की कीमतों में भी इस बार 15 से 20 फीसदी का ईजाफा बताया जा रहा है। थोक राखी बाजार में फैंसी राखियों की कीमत 65 रूपये से लेकर 200 रूपये नग तक बताई जा रही है। जबकि रूमाल की कीमत बढ़कर 70 रूपये से 120 रूपये नग तक हो गई है।

पर्व के चलते कपड़ा व रेडीमेड वस्त्र बाजार में भी ग्राहकों की भीड़ बढ़ने लगी है। दूसरी तरफ मिष्ठान विक्रेताओं ने भी पर्व की नजदीकी को देखते हुए मिठाई व नमकीन निर्माण की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की जन्म जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित

जबलपुर, देशबन्धु। आधुनिक भारत के निर्माता संचार क्रांति के जनक पंचायती राज के माध्यम से सत्ता के विकेंद्रीकरण के प्रणेता भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की जन्म जयंती पर शहर (जिला) कांग्रेस कमेटी के द्वारा नौदरा ब्रिज स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में विधायक विनय सक्सेना, पार्षद गुड्डू नबी, अख्तर अंसारी, संतोष पंडा, बलमिंदर मान, भगत राम, शिव अग्रवाल, डिक्की जान, मुकेश राठौर, सतीश तिवारी, झल्लेलाल जैन, अनुराग गढ़वाल, विवेक अवस्थी, चमन पासी, टीकाराम कोष्ठा, लखन चौबे, आशुतोष ठाकुर, उमेश पटेल राकेश चक्रवर्ती, महेश मिश्रा, भानु सिंह, भाग्यश्री गोस्वामी, विष्णु बिनोदिया, पंकज निगम, श्याम सोलंकी, रंबल विश्वकर्मा, नरेश सोनकर, सोनू दुबे, सुशीला कनौजिया, विनय नेमा, शिव सोनी राजेश चौबे, रमेश बेन, दीपक चौधरी,विजय, सतीश बर्मन, अरूण, आदि पार्टीजनों ने दिल से अपने प्रिय नेता को याद किया।

एपीएन का 101 वां नागपंचमी महोत्सव

जबलपुर, देशबन्धु। महाकौशल क्षेत्र की अग्रणी अति प्राचीन ऐतिहासिक शैक्षणिक संस्था एपीएन का 101वां नागपंचमी महोत्सव एव सम्मान समारोह दिनांक 21अगस्त दिन सोमवार को प्रात: 11 बजे से विद्यालय प्रांगण में नगर निगम के महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू के मुख्य आतिथ्य मे एव क्षत्रीय महासभा के प्रदेश अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह ठाकुर की अध्यक्षता मे आयोजित किया जा रहा है कार्यक्रम के सन्दर्भ मे जानकारी देते हुए संस्था अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव ने बताया कि ए पी एन विद्यालय का यह 101वां नागपंचमी महोत्सव है अत: इसे पूर्ण भव्यता के साथ आयोजित करते हुए नगर के खलीफाओं एव पहलवानों का अभिनन्दन संस्था द्वारा किया जा रहा है। महाविद्यालय रजिस्ट्रार मानवेन्द्र सिंह, विद्यालय प्राचार्य अजय वर्मा ,महेश मोरे ,डा सोनल खरे निधि शुक्ला ,सिद्दिका उस्मानी, अनिल सिंह , इनायत अली आदि ने उपस्थिति का आग्रह किया है

स्काउट कार्यालय में मनाया सद्भावना दिवस

जबलपुर, देशबन्धु। पश्चिम मध्य रेल भारत स्काउट एवं गाइड जबलपुर मंडल द्वारा सद्भावना दिवस प्रदीप कुमार अपर मंडल रेल प्रबंधक सुबोध विश्वकर्मा वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी सुश्री वर्षा सहायक परिचालन अधिकारी, नितेश कुमार सोने मंडल वाणिज्य प्रबंधक अरविंद पांडे सहायक कार्मिक अधिकारी के कुशल मार्गदर्शन में स्काउट कार्यालय में सर्वप्रथम सभी बच्चों ने शपथ ली और उनके जीवन के बारे में सभी बच्चों का अवगत कराया गया इस दिवस पर जिला सचिव स्काउट अनिल चौबे सहायक सचिव संजीव तिवारी विमलेश तिवारी मोहम्मद शरीफ राहुल कश्यप विनीता धाकड सरिता नागवंशी आदि शामिल हुए

मूंग का भुगतान रूका, किसानों में रोष

जबलपुर, देशबन्धु। किसानों के राष्ट्रीय संगठन भारत कृषक समाज ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाई है कि किसानो का मूंग खरीदी का जो भुगतान जांच के चलते रूका हुआ है, वह शीघ्र कराया जाये। इस सम्बंध में भारत कृषक समाज के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के.के. अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को पत्र के माध्यम से आग्रह किया है कि मूंग खरीदी में जो गड़बड़ी और फर्जीवाड़ा हुआ है, उसमें अभी उच्च अधिकारियों द्वारा जांच की पड़ताल का सिलसिला जारी है।

भारत कृषक समाज ने मुख्यमंत्री से शीघ्र भुगतान की लगाई गुहार

जांच चलते किसानों के भुगतान रोक दिये गये हैं जिससे किसान परेशान एवं घबराए हुए हैं, वे भविष्य के प्रति चिंतित हैं इस सम्मिलित भ्रष्टाचार का खामियाजा किसान को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से इस प्रकरण की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच के साथ दोषियों पर कड़ी कार्यवाही करने के साथ किसानों के भुगतान पर रोक न लगाये जाने की मांग की है।

उन्होंने यह मांग भी की है कि किसानों ने बड़े भरोसे के साथ सरकार को अपनी उपज बेची है, उन्हें परिवार के भरण पोषण और आगामी कृषि कार्यों के लिए पैसों की जरूरत है। इतने दिनों से भुगतान प्राप्त न होने से उनके सब्र का बांध भी टूट रहा है, उनमें आक्रोश भी देखा जा रहा है जो चिंता का विषय है। अत: किसानों के मूंग खरीदी का भुगतान शीघ्र किया जाए।

समाज में जात-पात एवं ऊंच-नीच का कोई स्थान नहीं- स्वामी अखिलेश्वरानंद

जबलपुर, देशबन्धु। सामाजिक समरसता का संदेश देने महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरी के नेतृत्व में 16 अगस्त से जबलपुर जिले में जन अभियान परिषद के संयोजन में निकाली जा रही स्नेह यात्रा, रविवार को पांचवे दिन कुंडम विकासखंड के ग्राम अमझर से प्रारंभ हुई और इस यात्रा ने ग्राम आमाखोह से विकासखंड पनागर में प्रवेश किया। ग्राम आमाखोह में स्नेह यात्रा का ग्रामीणों ने कलश लेकर एवं पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया।

पांचवे दिन की स्नेह यात्रा के प्रत्येक पड़ाव पर संवाद के कार्यक्रम आयोजित किये गये। पिपरिया में आयोजित संवाद के कार्यक्रम में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए स्वामी अखिलेश्वरानंद ने कहा कि समाज में जात- पात एवं उंच-नीच का कोई स्थान नहीं है। कोई जाति छोटी बड़ी नहीं होती हम सब एक ही है। सामाजिक समरसता में व्यक्ति और समाज की अहम भूमिका होती है।

स्नेह यात्रा के दौरान आयोजित जन संवाद के कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, नागरिक एवं श्रद्धालुगण उपस्थित थे। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं एवं पुरुषों के मध्य महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरी ने कहा कि व्यक्ति कभी भी जाति बिरादरी के कारण महान नहीं होता। वह तो अपने गुण और कर्मों से महान होता है।

स्वामी अखिलेश्वरानंद ने अनेक प्रसंगों का उदाहरण देते हुए भारतीय संस्कृति की विशेषताओं का उल्लेख किया तथा संतों, महात्माओं एवं श्रेष्ठ महापुरुषों का स्मरण करते हुए उनके द्वारा किये गये समाज सुधार के कार्यों को रेखांकित किया।

जन संवाद के इन कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सामाजिक चिंतन पर आधारित प्रदेश में स्नेह यात्रा के उद्देश्य भी बताये गये। स्नेह यात्रा पिपरिया से होते हुए सोनपुर, वीरनेर, सुंदरपुर, रिठौरी पहुंची जहां आमजन को संबोधित किया गया। यात्रा में स्वामी अखिलेश्वरानंद ने कहा कि वे समरसता का भाव जगाने पहुंचे हैं। इस दौरान गौ पालन के महत्व को भी बताया गया। स्नेह यात्रा के पांचवे दिन का अंतिम पड़ाव पनागर था जहां स्वामी अखिलेश्वरानंद जी ने रात्रिकालीन जन संवाद के कार्यक्रम को संबोधित किया।

हरियाली तीज पर सखी मेले का आयोजन

जबलपुर, देशबन्धु। मेरी पहचान नारी शक्ति ओम शिवा महिला मंडल और अखिल भारतीय कायस्थ महासभा महिला शाखा के संयुक्त प्रयासों हरियाली तीज के अवसर पर सखी मेला का आयोजन किया जाता है। यह चौथा वर्ष है जब हर्षोल्लास से हरे परिधानों व अलंकरणों से सुसज्जित होकर आधारताल व जबलपुर के विभिन्न क्षेत्रों से सखीयां नर्मदा सेलिब्रेशन में आयोजित मेले में सहभागिताकर उत्सव में शिरकत करीं। कार्यक्रम के विशेष अतिथि के रुप में प्रथम नागरिक महापौर जगत बहादुर अन्नू कि धर्म पत्नि यामिनी अन्नू उपस्थित रही। यामिनी जी नें सखी मेले का भरपूर आनंद लेते हुऐ और अपने उद्बोधन में कहा कि इस तरह के आयोजन महिलाओं के उत्थान व सक्रियता को बढ़ाने के साथ उन को जागरूक करने के लिए होते रहना चाहिए।

कार्यक्रम का प्रारंभ देवकी श्रीवास्तव द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना के साथ किया गया तत्पश्चात मधुर भजनों के साथ विभिन्न गीत सखीयों द्वारा प्रस्तुत किये । साथ ही एकल व सामुह नृत्यों की प्रास्तुति ने भव्य आयोजन ने तो सभी को मोह लिया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए अलका मधुसूदन पटेल ने जहा विज्ञान और सामाजिक प्रश्नों आधारित क्विज टेस्ट किया, वही मोनिका वर्मा ने फनी क्रेश्चन पूछे। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजिका दीप्ति श्रीवास्तव ने बताया अधारताल में ये लगातार चौथा आयोजन है जो उत्तरोत्तर जागृति की राह की ओर अग्रसर है। हरियाली क्वीन का बहुत शालीन आयोजन हुआ। जिसमें खुशबू श्रीवास्तव प्रथम ,नीलू विश्वकर्मा द्वितीय व पूनम यादव ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गायत्री परिवार की इंदु रॉय द्वारा महिलाओं को पुंसवन संस्कार संबंधित जानकारी प्रदान की गई, पुरस्कार वितरण पश्चात महिलाओं ने तंबोला से भी अपना मनोरंजन किया। कार्यक्रम का समापन अंत में प्रसाद वितरण हुआ।

इस भव्य व सराहनीय आयोजन में गायत्री विश्वकर्मा,छाया श्रीवास्तव स्वाती मिश्रा,कविता सिंग,शिखा भटनागर,सुनिता वर्मा ,अंजली वर्मा,भारती वर्मा अलकाजी मनजीत जी,रेशुजी,पूजा, मनीषा, शारदा, सविता शर्मा, मोयना विश्वास, नंदनीसोनी ,नीतू नामदेव ,स्वाती तिवारी,सपना, नेहा,रेखा श्रीवास्तव ने बढ़चढ़कर हरियाली तीज मनाई।

अंत में आभार प्रदर्शन उमा श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम के दौरान सावन मास का वातावरण देखने को मिला।

मशीन वाले बाबा दरगाह, अक़ीदतमंदो का जमावड़ा

जबलपुर, देशबन्धु। घंटाघर समीपस्थ हज़रत सआदत हुसैन नक्शबंदी मशीन वाले बाबा की दरगाह मे उर्स के मौके पर अक़ीदतमंदो का जमावड़ा शुरू हो गया है। दूर- दराज से आये अक़ीदतमंद हज़रात नजरो न्याज़ पेश कर रहे हैं। नमाज असर खादिमाने दरगाह द्वारा मज़ारे अकदस मे चादर शरीफ पेश की जाएगी एवं नज़रों न्याज़ पेश की जाएगी जिसके बाद तबर्रुक तक़सीम किया जायेगा। रात 10 बजे महफ़िलें मिलाद शरीफ का एहतेमाम किया गया है। बाद नमाज़ फज़र अलसुबह कुल शरीफ की रश्म अदा की जाएगी। खादिमे दरगाह हाजी मुहम्मद शफी ने अक़ीदत मंदो से उर्स मे शिरकत कर मशीन वाले बाबा का फैज़ हासिल करने की गुजारिश की है।

शिव लिंग ध्यान का प्रतीक है रुद्राभिषेक का सैंतालीसवां दिवस

जबलपुर, देशबन्धु। चैतन्य महाप्रभुनर्मदा संकीर्तन मंडल के द्वारा सावन माह में प्रतिदिन निःशुल्क महारुद्राभिषेक का आयोजन किया जा रहा है ।

सावन के सैंतालीसवां दिन भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक पंडित मोहित तिवारी के सानिध्य में सुबह 7 बजे से वैदिक मंत्रों के साथ यादव कॉलोनी शिव मंदिर में संपन्न हुआ, शिव लिंग ध्यान का प्रतीक है वह ध्यान की आख़री गहरी अवस्था का प्रतीक है । पंड़ित मोहित ने कहे सावन मास रुद्रा अभिसेक संयोजक एव संकीर्तन मंडल सचिव श्याम मनोहर पटेल ने बताया कि महाआरती के पश्चात भोजन प्रसादी का आयोजन हुआ किसी भी प्रकार का चंदा नहीं लिया जाता है। शंकर नगर शिव मंदिर में किया जायेगा, सुबह 7 बजे से अभिषेक संकीर्तन किया जाएगा। संकीर्तन आचार्य सुरेश विश्वकर्मा, मनोज गुलाबबानी, नितिन चौबे, सत्यप्रकाश नामदेव शिवमराव सिंदे आदि ने भक्तों से उपस्थिति का आग्रह किया गया है।

पार्थिव शिवलिंग निर्माण, महारुद्राभिषेक का चतुर्थ दिवस , उमड़ी भक्तों की भीड़

जबलपुर, देशबन्धु। श्रावण मास के पवित्र अवसर गृहस्थ संत पं तरुण चौबे महाराज के सानिध्य में कचनार महादेव मंदिर कचनार सिटी विजय नगर में हो रहे पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं महारुद्राभिषेक के आयोजन में चतुर्थ दिवस बड़ी संख्या में शिव भक्तों नेभगवान भूतभावन महादेव का पूजन किया एवं सभी के सुख समृद्धि एवं उन्नति की कामना की।

आयोजन संयोजक पंकज दुबे ने बताया शिवलिंग निर्माण एवँ महारुद्राभिषेक 17 अगस्त से 21 अगस्त तक प्रतिदिन प्रात: 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित है और 22 अगस्त को प्रात: 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक कन्या भोज एवं भंडारे का आयोजन किया गया है। आयोजन में पूर्व विधायक शरद जैन, लेखराज सिंह मुन्ना भैया कार्यक्रम संयोजक पंकज दुबे, सह संयोजक अभिनव यादव एवँ कार्यक्रम प्रभारी पुष्पराज पांडे, डॉ भावना तिवारी, श्रीराम शुक्ला, रूपराम पटेल, श्वेता सिंह, नूपुर लखेरा, सारिका राय, रोहित जैन,अतुल जैन दानी, शिरीष सिंघई, महेंद्र रघुवंशी, शैलेन्द्र दीक्षित, श्रीकान्त साहू, शिखा विराग पौराणिक, संतोष दुबे नीरज चौकसे, सतेंद्र सिंह, रजनीश दुबे, मुन्ना जायसवाल, संदीप पटेल सहित जय मातेश्वरी भक्त परिवार एवँ माँ आशीष दुर्गोत्सव समिति के सदस्यों ने पार्थिव शिवलिंग निर्माण कर महारुद्राभिषेक किया।

श्री गुप्तेश्वर महादेव का हंस रुप श्रृंगार

जबलपुर, देशबन्धु। श्री रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग के उपलिंग, स्वयंभू सिद्धपीठ भगवान श्री गुप्तेश्वर महादेव जी की संध्या आरती में श्री गुप्तेश्वर पीठाधीश्वर डॉक्टर स्वामी मुकुंद दास जी महाराज के सानिध्य में हंस श्रृंगार किया गया। गुप्तेश्वर महादेव को श्रृंगारित किया गया । पूजन अर्चन आरती मे सुचिता सिंह, वसंत मिश्रा, कमलेश जायसवाल, शयन आरती मंडल के बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त उपस्थित रहे।

आगा चौक दरगाह से निकला चादर जुलूस

जबलपुर, देशबन्धु। आगा चौक समीपस्थ हज़रत शाह मीरजा मुर्तुजा हुसैन कादरी रहमतुल्ला अलेह के उर्स के मौके पर आगा दरगाह में दोपहर 2 बजे कुरान ख़्वानी का एहतेमाम किया गया। जिसके उपरांत चादर शरीफ का जुलूस निकाला गया। जो गश्त करते हुए रानीताल स्टेडियम के सामने बारादरी से होते हुए आगा चौक दरगाह पहुँचा जहाँ परंपरानुसार मज़ार शरीफ पर चादर पोशी व गुल पोशी की गई। बाद नमाज़ मगरिब महफ़िलें समा का आयोजन किया गया जिसमे दरबारी कव्वाल ने एक से बढ़कर एक सूफियाना कलाम पेश किए जिसमे समाईन ने दिल खोलकर नजराना पेश किया। रात्रि 9 बजे आगा मुहम्मद साहब की दरगाह के सज्जादानशीन हज़रत किब्ला शाह मिरजा हसन निज़ामी ने इंटरनेट (स्काइप) के माध्यम से अपने बयान फरमाये देर रात्रि तक चले बयान के बाद उर्स शरीफ का समापन हुआ। मुतवल्ली सैय्यद लियाकत अली, सेकेट्री मो. रफीक खान, सैय्यद साबिर अली, सैय्यद मुबाशिर अली ने उर्स शरीफ मे शरीक हुए हज़रात का शुक्रिया अदा किया।

पानदरीबा गौरी शंकर मंदिर: नागपंचमी पर्व एवं चौरसिया दिवस पर्व मनाया जायेगा

जबलपुर, देशबन्धु। नागपंचमी पर्व हर साल सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी पर शिव जी के साथ ही नाग देवता की भी विशेष पूजा की जाती है। इसी तारतम्य में नागपंचमी पर्व एवं चौरसिया दिवस के पावन पर्व पर सोमवार 21 अगस्त को सुबह 9 बजे पानदरीबा स्थित गौरी शंकर मंदिर में पूजन- अर्चन, आरती, ध्वजारोहण के साथ ही प्रसाद वितरण होगा। सभी समाज जनों से कार्यक्रम में उपस्थिति की अपील चौरसिया समाज के अध्यक्ष प्रमोद चौरसिया, प्रकाश चौरसिया, योगेश चौरसिया, हरीश चौरसिया, अखिल चौरसिया, ऋषि चौरसिया, महिला मंडल अध्यक्ष रीता चौरसिया, नवयुवक मंडल के अध्यक्ष राहुल चौरसिया, संदीप चौरसिया एवं जबलपुर पान व्यापारी संघ ने की है।

दैनिक राशिफल

सोमवार 21 अगस्त 2023 का पंचांग विक्रम संवत् 2080, शक संवत 1945 हिजरी 1444। श्रावण शुक्ल पक्ष की पंचमी। नक्षत्र-चित्रा।

मेष -आपको शारीरिक और मानसिक रूप से ताजगी का अनुभव होगा। घर का वातावरण आनंददायी रहेगा। आर्थिक लाभ के साथ-साथ व्यवसाय और नौकरी में संतोष का अनुभव करेंगे। सामाजिक दृष्टि से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृषभ -आज आकस्मिक खर्च होने की आशंका है। विद्यार्थियों का पढ़ने-लिखने में ध्यान रहेगा। दोपहर के बाद घर-परिवार के लोगों के साथ आनंददायक समय गुजरेगा। कहीं बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मिथुन -आज आपको जमीन, मकान या वाहन आदि के कामकाज में बहुत सावधानी बरतना होगी। परिजनों के साथ बिना कारण तनाव बढ़ेगा। संतान के विषय में आपको चिंता होगी। विद्यार्थियों का विद्याभ्यास में बाधा आएगी।

कर्क -आज का दिन आध्यात्मिक सिद्धि प्राप्त करने के लिए अच्छा है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रखेगा। आज आप कुछ अधिक ही संवेदनशीलता का अनुभव करेंगे।

सिंह -आज आप मधुरवाणी से किसी काम को आसानी से सफल बना पाएंगे। परिवार के लोगों के साथ आनंद से समय बिताएंगे। दोपहर के बाद भी किसी काम में बिना सोचे समझे निर्णय ना लें। आपको अपनों से लाभ होगा।

कन्या -आज का आपका दिन शुभ फलदायी है। अपनी वाणी से आप लाभदायी और प्रेम भरे सम्बंध स्थापित कर सकेंगे। आपकी वैचारिक समृद्धि अन्य जनों को प्रभावित कर सकेगी। व्यापार के लिए आज का दिन लाभदायी होगा।

तुला -आकस्मिक खर्च हो सकता है, इसमें आपको सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। शारीरिक और मानसिक अस्वस्थता के कारण मित्रों के साथ विवाद होने की आशंका बनी रहेगी। कोर्ट-कचहरी के काम से आज संभलकर चलें।

वृश्चिक -आप को अनेक क्षेत्र में लाभ और यश प्राप्त होगा। धन प्राप्ति के लिए योग अच्छा है। मित्रों के पीछे धन खर्च होगा। परिजनों या दोस्तों के साथ बाहर घूमने जाने का अवसर मिलेगा।

धनु -आज का आपका दिन लाभकारी है। पारिवारिक और प्रोफेशनल दोनों ही क्षेत्रों में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आनंद का वातावरण आप को खुश रखेगा। शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। व्यापार में लाभ भी होगा।

मकर -आज का दिन पूरी तरह से शुभ फलदायी है। इंपोर्ट-एक्सपोर्ट का काम करने वाले लोगों को फायदा होगा। किसी दोस्त या रिश्तेदार से मिले अच्छे समाचार से आपका मन प्रफुल्लित होगा। धार्मिक यात्रा की संभावना है।

कुंभ -आज मन पर किसी बात की खुशी बनी रहेगी। लोगों से गुस्से में बात ना करें। परिजनों के साथ वाद-विवाद में न पड़ें। दोपहर के बाद स्वजनों तथा मित्रों के साथ आप का समय अच्छा गुजार सकेंगे। धार्मिक यात्रा हो सकती है।

मीन -आज का दिन दैनिक कामों में आपको शांति देगा। किसी मनोरंजक स्थल पर मित्रों या परिजनों के साथ जाना हो सकता है। व्यापार में भागीदारों के साथ व्यवहार अच्छा रहेगा, परंतु दोपहर के बाद आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा।

सांस्कृतिक रैली, पोस्टर प्रदर्शनी, पुस्तक प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र रहे

जबलपुर, देशबन्धु। हरिशंकर परसाई के जन्मशती अवसर पर आयोजित अखिल भरतीय प्रगतिशील लेखक संघ के 18वें राष्ट्रीय सम्मेलन पर देशभर से जुटे लेखकों ने लोकतंत्र, समानता, भाईचारा को लेकर आवाज बुलंद की। उद्घाटन वक्तव्य देते हुए पद्मश्री सईदा हमीद ने हरिशंकर परसाई जी को याद करते हुए कहा कि उनकी रचनाएं आजकल के समय से टकराती हैं। बताया गया कि चाचा अहमद अब्बास ने उन्हें प्रगतिशील विचारों से भरा था। अखबारों में प्रकाशित लिन्चिंग, अलगावबाद की खबरों का उदाहरण देते हुए कहा कि यह देश के सौहार्द्र पर हमला है। उन्होने मणिपुर का उल्लेख कर आगाह करते हुए सम्मेलन से रोशन दुनिया के लिए चिंगारी पैदा होने की उम्मीद व्यक्त की।

देश के प्रख्यात रंगकर्मी प्रसन्ना ने श्रम के महत्व पर बल देते हुए कहा कि लोकतंत्र पर खतरे को देखते हुए हम सब यहां पर इकट्ठे हुए हैं। सिर्फ़ सोचने या अच्छी बात करने से समाज नहीं बदलेगा। कबीर, रैदास ने जो किया था हमें वह करना होगा।

पंजाब से आई लेखिका नवशरण कौर ने कहा कि आप सबको देखकर खुशी हो रही है कि हम बहुत सारे लोग हैं जो जनवादी सोच रखने वाले हैं। जनवादी लेखक संघ के बालेंदु परसाई व जन संस्कृति मंच के राष्ट्रीय सचिव मनोज ने प्रगतिशील लेखक संघ के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए सम्मेलन की सफ़लता के लिए शुभकामनाएं व्यक्त की। शुरुआत पोस्टर प्रदर्शनी व पुस्तकों के विमोचन के साथ हुई। इप्टा अशोकनगर के साथियों ने जनगीतों की प्रस्तुती दी व छत्तीसगढ़ नाचा गम्मत के कलाकार निसार अली ने अपने साथियों के साथ परसाई की व्यंग्य रचना टार्च बेंचने वाला की नाट्य प्रस्तुति दी। विवेचना रंगमंडल के कलाकारों ने नाटक निठल्ले को डायरी का मंचन किया।

पधारे क्यूबा के राजदूत अलेक्जेंड्रा ने सम्मेलन को लेकर अपने देश की तरफ़ से शुभकामनाएं व्यक्त की। इस अवसर पर मंच पर अखिल भारतीय प्रगतिशील लेखक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष विभूति नारायण राय, महासचिव सुखदेव सिंह सिरसा, सेवाराम त्रिपाठी, कुंदन सिंह परिहार, हिमांशु राय आदि उपस्थित रहे। संचालन तरुण गुहा नियोगी ने किया। कार्यक्रम में अधिवेशन की स्मारिका सहित अनेक पुस्तकों का विमोचन भी किया गया।

जगदीश मंदिर गढ़ाफाटक जन्माष्टमी शोभायात्रा में निकालेगा सजीव झांकिया

जबलपुर, देशबन्धु। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर सनातन धर्म महासभा जबलपुर के तत्वावधान में नरसिंह पीठाधीश्वर डॉक्टर स्वामी नरसिंह दास जी महाराज के सानिध्य में आगामी 7 सितंबर को दोपहर 2 बजे पुराने बस स्टैंड से निकलने वाली विशाल शोभायात्रा की तैयारियों के लिए विराट बैठक का आयोजन जगदीश मंदिर गढ़ाफाटक में किया। सत्येन्द्र शर्मा, राजेश द्विवेदी मथुरा चौबे ने कहा कि एक एक पैसा लेकर पालकी में श्रीकृष्ण की झांकी बनाकर प्रारंभ हुई शोभायात्रा विराट स्वरूप ले चुकी है। सनातन धर्म महासभा के अध्यक्ष श्याम साहनी, शरद काबरा, प्रवेश खेड़ा, विध्येश भापकर ने कहा सनातन धर्म महासभा संस्कारधानी मंदिरों का समूह है।बैठक में सुरेन्द्र पुरी, दिलीप पुरी, नंदकुमार यादव,नवीन पांडे, राकेश उपाध्याय, अमित दुबे, रमेश रैकवार, मनोज दुबे, दीपू दुबे, मुकेश मालवीय, संचालन सत्येन्द्र शर्मा आभार धन्यवाद ज्ञापन प्रेम पुरी गोस्वामी पप्पन मिश्रा ने किया।

मुख्य महाप्रबंधक के साथ पत्रोपाधि अभियंता संघ की गहन मंत्रणा

जबलपुर, देशबन्धु। विद्युत मंडल पत्रोपाधि अभियंता संघ ने पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की मुख्य महाप्रबंधक से मीटिंग कर बोर्ड केडर/कंपनी केडर आदेश निकले जाने पर जताया आभार वहींविस्तार से कनिष्ठ अभियन्ताओ की अन्य मागों/समस्याओं से अवगत कराया और निराकरण की मांग की। इंजी. अशोक जैन प्रांतीय वरिष्ठ उपाधयक्ष के नेतृत्व में पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की मुख्य महाप्रबंधक नीता राठौर मानव संसाधन एवं प्रशासन को अपनी नो सूत्री मांगों से विस्तार से अवगत कराया गया। बोर्ड केडर/कंपनी कैडर कनिष्ठ अभियंताओं जिनको सहायक प उच्च वेतनमान प्राप्त हो गया है, उन कनिष्ठ अभियंताओं को सहायक अभियंताओं का चालू प्रभार दिया जाय। भिन्न सोसाइटी के कनिष्ठ अभियंताओं को सोसाइटी के समय से ही रेगुलर किया जाय , रू 2000/प्रतिमाह रिवॉल्विंग फंड सीधे वितरण केंद्र में पहुंचाए। अपात्र कर्मचारियों को तत्काल हटाया जाए एवं जिहोनेआदेश जारी किए अन पर कार्रवाही की जाए। मैदानी कर्मचारी को अधिक सुविधाएं देने का भी आग्रह किया। इस दौरान संघ के इंजी. स्वर्ण सिंह मनकोटिया, सी. के. लखेरा, के के असाटी एन पी सिंह मनीष चंद्रा, दीपक रजक एम आई बैग एम पी विशकर्मा अनूप गुप्ता अभय पटेल आदि उपस्थित थे।

निधन

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सद्गति दे भगवान

श्री राम प्रसाद गोंड़- शास्त्री ब्रिज के पास निवासी श्री राम प्रसाद गोंड़ (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मणिकान्ति सिंह- एलआई जी 9, हाथीताल कॉलोनी निवासी श्री राजेंद्र पाल सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती मणिकान्ति सिंह (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री शिव कुमार- पुराना कंचनपुर अधारताल निवासी श्री शिव कुमार (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुभद्रा बाई तंतुवाय- आजाद चौक गोरखपुर खेरमाई मंदिर के पास निवासी श्री दालचंद तंतुवाय की धर्मपत्नी श्रीमती सुभद्रा बाई तंतुवाय (87) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री नरेंद्र कुमार पाठक- टेलीग्राफ गेट नं. 4 के पास स्नेहनगर निवासी श्री नरेंद्र कुमार पाठक (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती उषा सोंधिया- कुचबंधिया मोहल्ला कांचघर पुलिस लाइन रोड निवासी श्री रामदेव सोंधिया की धर्मपत्नी श्रीमती उषा सोंधिया (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री राम दुलारे श्रीवास- पचपेढ़ी रोड निवासी श्री राम दुलारे श्रीवास का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री योगेंद्र कुरील- कोरी मोहल्ला गोरखपुर राम मंदिर के पीछे निवासी श्री राजेंद्र प्रसाद कुरील के पुत्र श्री योगेंद्र कुरील (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती बबली बाई चौधरी- ट्यूट लाइन जीसीएफ निवासी श्री श्याम राज चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती बबली बाई चौधरी (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती हिना बल्के- प्रोफेसर कॉलोनी पचपेढ़ी निवासी श्री धर्मेंद्र बल्के की धर्मपत्नी श्रीमती हिला बल्के (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्री बेड़ी लाल चौधरी- रामपुर निवासी श्री बेड़ी लाल चौधरी (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

सागौन की लकड़ी से फर्नीचर बनवाकर ले जाते 2 गिरफ्तार

4 लाख रूपये की 7 नग दरवाजा, 8 चौखट, 4 खिड़की बरामद, लोडिंग तूफान वाहन जप्त

जबलपुर, देशबन्धु। जिले में सागौन की लकड़ियों की अवैध कटाई की जा रही है। जिसमें बरेला थाना अंतर्गत आईटीबीपी के आसपास लगे वन क्षेत्रों से बीते माह सागौन के पेड़ चोरी छिपे काटे गये थे। इसी कड़ी में पनागर थाना पुलिस को अवैध सागौन की लकड़ी से बने दरवाजे, खिड़की पुलिस ने जप्त किये हैं। आरोपी इसे लोडिंग वाहन में ले जा रहे थे।

इस संबंध में प्रभारी थाना पनागर अजय बहादुर सिंह ने बताया कि रविवार दोपहर पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम बुढ़ागर तरफ से क्रेक्स तूफान फोर्स वाहन क्रमांक एमपी 20 बीए 0458 में अवैध रूप से चोरी की लकड़ी भरकर 2 व्यक्ति पनागर की ओर आने वाले हैं। पुलिस ने सूचना पर कुशनेर ब्रिज के पास घेराबंदी की। कुछ समय बाद एक चार पहिया वाहन क्रमांक एमपी 20 बीए 0458 आता दिखा। जिसे रोककर चालक से पूछताछ की गई। जिसमें उसने अपना नाम मुकेश सेन उम्र 45 वर्ष निवासी ग्राम सिलौड़ी थाना ढीमरखेड़ा जिला कटनी तथा लकड़ी के ऊपर बैठे व्यक्ति ने अपना नाम सुरेन्द्र सेन उम्र 45 वर्ष ग्राम सिलौड़ी थाना ढीमरखेड़ा जिला कटनी बताया। वाहन की तलाशी लेने पर ड्रायवर सीट के पीछे 4 लाख रूपये की सागौन के 7 नग दरवाजा, 8 नग चौखट, 4 नग खिड़की की चौखट पायी गयी। सागौन की लकड़ी के परिवहन के संबंध में पूछताछ पर युवकों के पास कोई दस्तावेज नहीं मिले। जिसके बाद पुलिस ने आरोपियों खिलाफ अपराध दर्ज कर मुकेश सेन एवं सुरेन्द्र सेन दोनों निवासी ग्राम सिलोड़ी थाना ढीमरखेड़ा जिला कटनी के कब्जे से क्रेक्स तूफान फोर्स वाहन क्रमांक एमपी 20 बीए 0458 में जप्त कर लिया है।

गांजा तस्करी करते युवक चढ़ा पुलिस के हत्थे

1 किलो 100 ग्राम गांजा बरामद

जबलपुर, देशबन्धु। संजीवनी नगर थाना पुलिस ने एक गांजा तस्कर को एक किलो से अधिक के गांजे के साथ धनवंतरी नगर क्षेत्र में पकड़ा है। संजीवनीनगर थाना प्रभारी पूर्वा चौरसिया ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि बेलबाग निवासी कपिल बेन अपने हाथ में लाल रंग का थैला लिये हुये बचखेरा तालाब मोड़ के पास धनवंतरीनगर में खड़ा है।

पुलिस ने तत्काल सूचना पर बचखेरा तालाब मोड़ के पास धनवंतरीनगर में दबिश दी। जहां एक युवक लाल रंग का थैला लिये खड़ा था। जिसे पुलिस ने समय रहते पकड़ लिया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम कपिल बेन उम्र 21 वर्ष निवासी कुम्हार मोहल्ला थाना बेलबाग बताया। पुलिस ने जब युवक के हाथ पकड़ी थैली की तलाशी ली तो उसके अंदर प्लास्टिक की पन्नी में गांजा रखा मिला। जो तौल करने पर 1 किलो 100 ग्राम पाया गया। पुलिस ने उक्त गांजा के संबंध में पूछताछ पर आंध्रप्रदेश के किसी व्यक्ति द्वारा गांजा लाकर देना एवं गांजा लाने वाले का नाम पता नहीं मालूम होना बताया। आरोपी कपिल बेन के कब्जे से मादक पदार्थ गांजा जप्त कर आरोपी के विरूद्ध धारा 8, 20 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन

जबलपुर, देशबन्धु। लगातार मीडिया कर्मियों पर हो रहे हमले से मीडिया कर्मी अपने आप को असुरक्षित महसूस करते हुए आ रहा है पर सरकार को चौथे स्तंभ की बिलकुल भी चिंता नहीं है। जहां राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद ने बिहार के अररिया जिले में युवा पत्रकार विमल यादव की अपराधियों द्वारा घर में घुसकर गोली मारकर हत्या से देश का पत्रकार जगत दुखी एवं क्षुब्ध है। पिछले कई वर्षों से भारत के चौथे स्तंभ पर लगातार हमले हो रहे हैं, जिसको लेकर राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के द्वारा पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग की जा रही है। महामहिम राष्ट्रपति से सभी पत्रकार सुरक्षा की मांग करते हुए बिहार की घटना को संज्ञान में लेकर पत्रकार सुरक्षा कानून देश भर में लागू किया जाए, अन्यथा वो दिन दूर नहीं है कि देश के पत्रकार भी धरना प्रदर्शन जैसे आंदोलन जैसा रूख अख्तियार करने बाध्य होगें।

वहीं परिषद् ने राष्ट्रपति से निवेदन किया है कि मृतक पत्रकार के परिवार को सहायता राशि प्रदान कर परिवार के किसी एक सदस्य को नौकरी दी जाए और देश में पत्रकारों के हित में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू किया जाए। इस दौरान ज्ञापन देने वालों में राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के प्रदेश सचिव राजेश दुबे, उपाध्यक्ष विलोक पाठक, सहसचिव नीलकमल तिवारी, परिषद के युवा अध्यक्ष शुभम शुक्ला, जिला अध्यक्ष रविन्द्र शर्मा, एवं शिव चौरसिया, मृणाल बोरकर, चक्रेश सूर्या अनुराग दीक्षित, सुधीर खरे, विजय सोनी, रोहित नायर, राजेन्द्र, नील तिवारी आदि अनेक सदस्य शामिल थे।

दहेज के लिये महिला को ससुरालियों ने घर से निकाला, पीड़िता थाने पहुंची

जबलपुर, देशबन्धु। चरगवां थाना में रविवार को वर्षा राय उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम धनककड़ी थाना धूमा जिला सिवनी वर्तमान पता ग्राम बिजौरी थाना चरगंवा ने लिखित शिकायत की कि उसकी शादी लगभग 2 वर्ष पूर्व लॉकडाउन में राहुल राय से हुयी थी। शादी में उसके माता पिता ने हैसितय के अनुसार दान-दहेज दिया था। शादी के लगभग 2 माह बाद से पति, सास सविता, ससुर नर्मदा प्रसाद, देवर जागेश्वर उसे शादी में कम दहेज लाने का ताना मारने लगे। तब उसके पिता ने 2 बार 50-50 हजार रूपये अगस्त 2021 में दिये थे। उसके बाद भी 30-40 हजार रूपये पति राहुल को दिये।

वह लगभग 8 माह से गर्भवती है पिछले तीन माह से मायके में रह रही है। पति उसके मायके बिजौरी आकर दहेज में पिता से 50 हजार रूपये मांग कर रहा है। तो उसके पिता ने कहा कि अभी लड़की को ले जाओ 2-3 माह में पैसे दे दूंगा, अभी पिछले तीन माह से ससुराल में रह रही है। सास, ससुर देवर और पति उससे 50 हजार रूपये की मांग कर रहे हैं। न देने पर खाना पीना नहीं देते। बाथरूम में भी ताला डाल देते हैं। शनिवार को उसके ससुराल वालों ने उससे 50 हजार रूपये की मांग करते हुये ससुराल से भगा दिया। जिसके बाद पीड़िता अपने मायके आ गई और थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज करा दी। पुलिस ने आरोपी पति राहुल, ससुर नर्मदा प्रसाद, सास सविता बाई, देवर जागेश्वर के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

चोरी की मोटर सायकिल में अय्याशी करते युवक गिरफ्तार

जबलपुर, देशबन्धु। खमरिया थाना क्षेत्र में एक वाहन चोर को चोरी की बाइक में मौज-मस्ती करते पुलिस ने पकड़ा है। जिसे चोरी की मोटर सायकिल बरामद कर ली गई है। इस संबंध में खमरिया थाना प्रभारी सतीश कुमार अंधवान ने बताया कि रविवार सुबह पैट्रोलिंग के दौरान रांझी की ओर से आ रहे एक मोटर सायकिल चालक को पुलिस ने शंका होने पर रोक लिया और मोटर सायकिल के दस्तावेज दिखाने को कहा। जिस पर चालक भयभीत हो गया और गोलमोल जवाब देने लगा। जिसके बाद पुलिस ने संदिग्ध को थाने ले जाकर सघन पूछताछ की तो उसने अपना नाम हिमांशु सोनी पिता भरत सोनी उम्र 21 वर्ष निवासी शांतिनगर रांझी बताया। पूछताछ पर उक्त मोटर सायकिल थाना खितौला बस स्टैण्ड से माह मई 2023 में चोरी कर लाना बताया। हीरो कम्पनी की एचएफ डीलक्स मोटर सायकिल जिसके पीछे नम्बर प्लेट पर रजिस्टेशन नम्बर एमपी 20 एम एल 5174 लिखा है, जप्त करते हुये पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जेल भेज दिया है।

पुलिस के काईवाई से अपराधियों में दहशत

जबलपुर, देशबन्धु। जिले में पुलिस की आदतन अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई से असमाजिक तत्व दहशत में हैं। साथ ही अपराधों का ग्राफ भी कम होते जा रहा है। इसी कड़ी में पुलिस ने पिछले 24 घंटे में आदतन अपराध करने वाले 14 आरोपियों के विरूद्ध धारा 110 के तहत, तथा वाद-विवाद करने वाले 150 युवकों के विरूद्ध 107/116 के तहत, एवं 8 आरोपियों के विरूद्ध धारा 151 के तहत की गयी है। इसी प्रकार पिछले कई वर्षो से फरार 17 गैरम्यादी, 31 म्यादी वारंटियों को गिरफ्तार किया है, तथा 30 युवकों के विरूद्ध 34 आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये 2083 पाव देशी/अंग्रेजी एवं 61 लीटर कच्ची शराब जप्त की गयी है।

शराब की तस्करी मे लिप्त 1 आरोपी गिरफ्तार

60 लीटर कच्ची शराब जप्त

जबलपुर, देशबन्धु। जिले के ग्रामीण इलाकों में शराब तस्करी का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। शहरी इलाकों में मादक पदार्थ तस्करों पर कार्रवाई के बाद पुलिस ग्रामीण इलाकों में नजर रखे हुये। जिसका नतीजा यह रहा कि कटंगी थाना क्षेत्र के देवगवा में अवैध रूप से कच्ची शराब बेचते एक युवक को पुलिस ने पकड़ लिया है। इस संबंध में कटंगी थाना प्रभारी पूजा उपाध्याय ने बताया कि रविवार को पुलिस को सूचना मिली कि रूपलाल बर्मन निवासी देवगवा, अपने घर के सामने शराब बेचने के लिये रखे है। जिसके बाद पुलिस ने सूचना पर देवगवा क्षेत्र में दबिश दी। जहां रूपलाल बर्मन उर्फ रूप्पू अपने मकान के सामने स्थित परछी में प्लास्टिक के 4 डिब्बे रखे मिला। जो पुलिस को देखकर भागने लगा जिसे पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे में रखे चारों डिब्बों का चैक करने पर कुल 60 लीटर कच्ची शराब भरी मिली। जिसे जप्त करते हुये पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

स्कूटी सवार को कार चालक ने मारी टक्कर

जबलपुर, देशबन्धु। गोराबजार थाना में दोपहर में विजय कुमार शर्मा निवासी साकार नगर तिलहरी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह यूनीवर्सिटी में रजिस्टार के पद से रिटायरा है। रविवार को वह अपने घर से अपनी स्कूटी क्रमांक एमपी 20 एस 8495 से गोरखपुर हाथीताल कॉलोनी जा रहा था, जैसे ही विजन महल होटल के सामने पहुंचा तभी पीछे से आ रही कार क्रमांक एमपी 20 सीएल 5386 का चालक तेज गति लापरवाही से चलाते हुये उसकी गाड़ी में टक्कर मार दिया। जिससे वह गिर गया। उसे हाथ पैर में गंभीर चोट आयी हैं। पुलिस ने आरोपी कार चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है।

एमपी ट्रांसको ने गंजबसोदा में स्थापित किया 160 एमव्हीए क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर

जबलपुर, देशबन्धु। एमपी ट्रांसको (म.प्र. पावर ट्रांसमिशन कंपनी) ने विदिशा जिले के 220 के.व्ही. सबस्टेशन गंजबसोदा में अतिरिक्त 160 एम.व्ही.ए. क्षमता का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया है। मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने बताया कि विदिशा क्षेत्र में एम.पी. ट्रांसको की पारेषण क्षमता को सुदृढ़ता और अधिक भरोसेमंद करने के लिये सबस्टेशन की क्षमता वृद्धि करते हुये 160 एम.व्ही.ए. क्षमता का पावर ट्रांसफार्मर ऊर्जीकृत किया है। इस ट्रांसफार्मर के स्थापित हो जाने से 220 के.व्ही. गंजबसोदा सबस्टेशन की क्षमता बढ़कर 320 एम.व्ही.ए. हो गई है।

मध्यप्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने बताया कि लगभग 14.84 करोड़ रूपये की अनुमानित लागत से स्थापित इस ट्रांसफार्मर को भोपाल स्काडा कंट्रोल सेंटर से रिमोट टेक्नालॉजी के माध्यम से ऊर्जीकृत करने में सफलता हासिल हुई है। विदिशा जिले में पहली बार इस तकनीक का उपयोग हुआ है, इस तकनीक में मानव और कम्प्यूटर मशील के तालमेल से सबस्टेशनों के उपकरणों को नियंत्रित एवं संचालित किया जाता है। इस क्षमता वृद्धि से विदिशा जिले की पारेषण क्षमता को सुदृढ़ता प्रदान हुई है, इससे गंजबसोदा से जुड़े 132 के.व्ही. के शहर्वासा, बरेथ, ग्यारसपुर सबस्टेशनों को फायदा पहुंचेगा, इसके अलावा सिरोंज, केलावा, कंजाना, मासोदपुर, सोमवारा, बासौदा, गुलाबगंज, व्योंदा, पठारी, बनवा जागीर, उदयपुर आदि क्षेत्रों के विद्युत उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध रहेगी।

78165 एम.व्ही.ए. हो गई है कुल स्थापित क्षमता

एम.पी. ट्रांसको के अधीक्षण अभियंता मोहम्मद याकूब मंसूरी ने बताया कि कुल स्थापित ट्रांसफारमेशन क्षमता बढ़कर अब 78165 एम.व्ही.ए. की हो गई है, जिसमें 400 के.व्ही. में 11095 एम.व्ही.ए., 220 के.व्ही. में 32585 एम.व्ही.ए. तथा 132 के.व्ही. में 34485 एम.व्ही.ए. क्षमता विद्यमान है। एम.पी. ट्रांसको मध्यप्रदेश में अपने 414 अति उच्चदाब सबस्टेशनों के माध्यम से विद्युत पारेषण करती है। जिसमें 400 के.व्ही. के 14, 220 के.व्ही. के 88 तथा 132 के.व्ही. के 312 सबस्टेशन शामिल है। एम.पी. ट्रांसको अपने कुल 1006 अति उच्च दाब पावर ट्रांसफार्मरों के माध्यम से प्रदेश में विद्युत आपूर्ति करती है।

रोटरी क्लब ने मनाया स्वतंत्रता दिवस

जबलपुर, देशबन्धु। रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर ईस्ट द्वारा 15 अगस्त टूलिप् परिसर, सागर कॉलोनी में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर फ्लैग होस्टिंग श्वेता अग्रवाल (Owner DNG Group) के द्वारा किया गया एवं इसके साथ-साथ वृक्षारोपण का भी कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर ईस्ट एवं टूलिप् परिसर के शरद खरे, डॉ. विकास, कविता, डॉ. राजेंद्र, डॉ. भरत, भावना, सिमर ,अतुल, डिंपल, उत्तम सिंह, अनिल ठाकुर, विनीता, मोहनी, सेनू ठाकुर, शोभा, गांगुली जी, प्रियंका, लोकेश, तरुण एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इसमें सभी का भर पूर योगदान रहा। सभी ने स्वतंत्रता दिवस पर एक दूसरे शुभकामनाएं दी।

रनिंग स्टाफ को प्रताड़ित करना बंद करो

रेल प्रशासन पर गेट मीटिंग में गरजे मजदूर संघ नेता, समाधान ना होने पर होगा उग्र आंदोलन

जबलपुर, देशबन्धु। भारतीय रेल के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले 365 दिन 24 घंटे दिन रात ड्यूटी करते रनिंग स्टाफ (लोको पायलट/ट्रेन मैनेजर) को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराने पर्याप्त रेस्ट नहीं देने पर जबलपुर रेल स्टेशन पर स्थित लॉबी के समक्ष्य रेल मजदूर संघ के नेतृत्व में रेल कर्मियों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया।

संघ के संयुक्त महामंत्री/प्रवक्ता सतीश कुमार ने बताया कि विभिन्न मांगों का समाधान नहीं होने पर ने मंडल सचिव डीपी अग्रवाल के नेतृत्व में गेट पर मीटिंग कर जमकर नारे बाजी की। श्री अग्रवाल ने निम्न समस्याओं का समाधान न होने की दशा में उग्र आंदोलन शुरू करने की चेतावनी रेल प्रशासन को दी।

प्रदर्शन के दौरान संतोष त्रवेणी, एस आर बाऊरी, सुधीर कुमार, एसके सिंह आदि उपस्थित रहे।

एम.पी. ट्रांसकों में उत्कृष्ट कार्य निष्पादित करने वाले 25 कार्मिक हुये पुरस्कृत

जबलपुर, देशबन्धु। 77वे स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एम.पी. ट्रांस्कों में नवाचार और उत्कृष्ट कार्य निष्पादन करने वाले कार्मिकों, साहित्य व खेल में विशिष्ट प्रर्दशन करने कुल 25 कार्मिकों को कंपनी के पुरस्कार दिए जाने वाले मापदण्डों के तहत् मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध संचालक इंजी. सुनील तिवारी और विशेष अतिथि सेवानिवृत्त पीएस यादव ने एक भव्य समारोह में सिल्वर मेडल, स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र तथा नगद राशि देकर पुरस्कृत किया।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध संचालक इंजी. सुनील तिवारी ने कहा कि पुरस्कृत होने वाले कार्मिकों से प्रेरणा लेकर अन्य कार्मिक भी इसी तरह के नवाचार और नये आइडिया के साथ कार्य करने के लिये प्रोत्साहित होंगे।

पुरस्कार प्राप्त कार्मिकों में सुनील कुमार यादव, दीपक कुमार पारीधी, पवन कुमार अहिरवार, लोकेश द्विवेदी, राजेश कुमार गुप्ता, देवेन्द्र गिरी गोस्वामी, सुनील कुमार पुणेवार, विकास कुमार भारिया, आशीष कुमार, मो. गुफरान खान, राजू पवार, आर.एन. पहारिया, महेन्द्र मन्डराह, जय शंकर पाल, अमसंत कुमार मर्सकोले, श्रवण सोंलकी, सुरेश भिमवत, मनीष जैन, मनीष खरे, संजीव श्रीवास्तव, प्रवीण सेन शामिल है।

इसके अलावा साहित्य, खेल, कार्मिक के पारिवारिक सदस्यों को पुरस्कार प्रदाय करने की श्रेणी में देवाशीष चक्रवर्ती, अति. मुख्य अभियंता भोपाल, खेल क्षेत्र से तरूण विजयकर, पारिवारिक सदस्यों की उपलब्धियों में कु. आरना पवया, बाह्य एजेंसी एक्सेंचर के मेसर्स इलाईट वर्कस, भोपाल के सुपरवाइजर सुजीत कुमार पाण्डेय को पुरस्कृत किया गया।

पुरस्कार वितरण समारोह नयागांव स्थित स्काडा कन्ट्रोल सेंटर में आयोजित हुआ जिसमें मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के विभागाध्यक्ष सहित मुख्यालय स्थित सभी वरिष्ठ अधिकारी व अन्य कर्मचारी शामिल थे। समारोह में कार्यपालन अभियंता हर्ष श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि पी.एस. यादव द्वारा किये गये कार्यों और उपलब्धियों का विवरण दिया।

पुरस्कार वितरण समारोह का संचालन मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी के कल्याण अधिकारी श्री राजेश कुमार दीक्षित और एच आर मैनेजर श्रीमती नुसरत सिद्धिकी ने किया व आभार प्रर्दशन मुख्य अभियंता श्री आर.के. खंडेलवाल ने अपने अनोखे अंदाज में स्वरचित कविता के माध्यम से किया।

व्यापारी संघ ने किया विधायक विनय सक्सेना का सम्मान

जबलपुर, देशबन्धु। कमला नेहरू नगर व्यापारी संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उत्तर मध्य विधायक विनय सक्सेना को उनके द्वारा किए गए विकास कार्यों के लिए सम्मानित किया गया, साथ ही गणेश नगर पुष्प नगर पत्रकार कॉलोनी गढ़ा मुख्य मार्ग से क्रॉसिंग कछपुरा ब्रिज मार्ग से जोड़ा जाए अवगत कराया। धनंजय बाजपेई ने बताया विकास कार्य आज के युग की प्राथमिकता हैं, इस श्रृंखला में पी,एन,टी की 26 एकड़ जमीन खेल उद्यान चिड़ियाघर बनाकर विकास किया जा सकता है। विनय सक्सेना ने कहा मैं सदैव विकास का पक्षधर हूं। जब भी आपको लगता है आप कार्यालय में आकर मुझे अवगत करायें, 100 प्रतिशत काम करूंगा। जनता मेरी भगवान है। इस अवसर पर धनंजय बाजपेई, विजय गुप्ता, विनय शर्मा, संदीप, अंकित गुप्ता, योमेश चौधरी, विजय साहू, रमेश कोहली आदि उपस्थित थे।

अखिल भारतीय बार कौसिंल की 18वी परीक्षा 29 अक्टूबर से

16 अगस्त से 30 सितंबर तक भरे जायेंगे ऑनलाईन फॉर्म

जबलपुर, देशबन्धु। अखिल भारतीय बार कौसिंल की 18वी परीक्षा की तिथि 29 अक्टूबर 2023 बार कौसिंल ऑफ इंडिया द्वारा निर्धारित कर दी गई है एवं ऑनलाईन फॉर्म 16 अगस्त 2023 से 30 सितंबर 2023 तक भरे जायेंगे।

मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद के वाईस चेयरमेन एवं जिला अधिवक्ता संघ जबलपुर के अध्यक्ष आर. के. सिंह सैनी एवं परिषद के मानद सचिव राधेलाल गुप्ता ने बताया कि अखिल भारतीय बार कौसिंल की 18वी परीक्षा की तिथि 29 अक्टूबर 2023 बार कौसिंल ऑफ इंडिया द्वारा निर्धारित कर दी गई है। जिन नवनामांकित अधिवक्ताओं एवं जिन अधिवक्ताओं ने पूर्व में अखिल भारतीय बार परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पाये थे, वह सभी अधिवक्तागण ऑनलाईन फॉर्म भर सकते है एवं परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। अखिल भारतीय बार परीक्षा के फॉर्म भरने की तिथि 16 अगस्त 2023 से 30 सितंबर 2023 तक निर्धारित की गई है। उक्त समय सीमा में सभी अधिवक्तागण फॉर्म भर दे एवं परीक्षा में उत्तीर्ण होकर अपनी वकालत निरंतर रूप से कर सके।

म.प्र. तृतीय वर्ग शास. संघ के लिए कैथ लैब का शुभारंभ

जबलपुर,देशबन्धु। म.प्र. तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ ने बताया कि जबलपुर संभाग में आशा वाली अर्चना पैथोलाजी लैब का उद्घाटन हुआ, जिसमें संभाग के दूर दूर से आने वाले मरीजों की इम्युनोलाजी रोगों से संबंधित जांचों के संबंध में सारी मशीनरी हाईटेक लगाई गई है, जिसमें मरीजों की जांच एक ही दिन में उपलब्ध हो सके और दूर दूर से आने वाले मरीजों की जांचों में बार बार भटकाव न हो सके। समस्त रिपोर्ट उसी दिन मिल सके जिससे डॉक्टर भी आसानी से उनका इलाज कर सके। आशा वाली लैब की सीईओ डॉक्टर अपर्णा जयराम, डॉक्टर अमित जैन एवं डॉ. अमित गुप्ता की उपस्थिति में यह लैब का उद्घाटन किया गया, जिसमें समस्त लैब स्टाफ उपस्थित रहा।

संघ के वीरेन्द्र तिवारी, योगेन्द्र दुबे अर्वेन्द्र राजपूत, अटल उपाध्याय, आलोक अग्निहोत्री, ब्रजेश मिश्रा, दुर्गेश पाण्डेय, वीरेन्द्र चंदेल, एस पी बाथरे, घनश्याम पटेल, रमेश उपाध्याय, संतराम मरावी आदि समस्त पदाधिकारियों के कैथ लैब के शुभारंभ अवसर पर खुशी जताई।

नागपंचमी में आज : गांधीग्राम में पान बरेजों में नागबेली की करेंगे पूजा

गांधीग्राम, देशबन्धु। गाँधीग्राम में परंपरा अनुसार चौरसिया समाज के पान कृषक नागपंचमी पर पान बरेजों में नागबेली अर्थात पान की पूजा विधि विधान से करेंगे।गांधीग्राम में लगभग 200 परिवार के चौरसिया परिवार की आय का मुख्य स्रोत पान बरेजे बनाकर पान की खेती करना है। समाज के भूपेन्द्र चौरसिया,खेमचंद चौरसिया, रवि चौरसिया,विशाल,नरबद चौरसिया, बंटू चोरसिया, ओमप्रकाश चौरसिया ने बताया की वे पान को नागबेली भी कहते है। प्रतिवर्ष पान बरेजों में नागबेलि के रूप में पान के पौधे की पूजा करते हैं। सुबह बेला में पारियों में लगे पान के पौधे को सुंदर वस्त्रों से आच्छादित कर उसमें पवित्र नदियों के जल से स्नान व गाय का दूध चढ़ाया जाता है। इसके बाद स्वादिष्ट व्यंजनों का भोग लगाकर हवन आदि करते हैं। परिवार सहित इस नागबेली पूजा में शामिल होकर नागदेवता से फसल

को सुरक्षित कर वृद्धि की याचना करते हैं।चौरसिया समाज का मानना है कि पूजा से न केवल पान बरेजे सुरक्षित रहते हैं अपितु बरेजों में वर्ष भर हरियाली बनी रहती है।

*इन पान बरेजों में होगी पूजा

चौरसिया समाज नागपंचमी पर नागबेली की पूजा गांधीग्राम के मुख्य पान बरेजे तालाब वाले, बड़ेथर, गुरही, पंडित वारे, बाबा वारे,शहरा,खपरहिया,माह्ला,बंगरा आदि बरेजों में करेगा।

सिहोरा व आसपास के क्षेत्र में बढ़ रहा अपराध

पुलिस की मिलीभगत से पनप रहा सट्टे का अवैध धंधा

सिहोरा, देशबन्धु। सिहोरा थाना क्षेत्र में लगातार सट्टे का कारोबार बढ़ रहा हैं जिससे आम आदमी परेशान हैं वहीं पुलिस की निष्क्रियता से अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। माना जा रहा है कि सिहोरा आस पास के थाना क्षेत्र में जो आरक्षक कर्मचारी वर्षों से सिहोरा और उप संभाग के थाना क्षेत्रों में वर्षों से जमे हुए हैं जो अपराधियों तथा आपराधिक प्रवृत्ति में लिप्त लोगों को सह पर इस तरह के कामों को अंजाम तक पहुँचाकर उनसे मोटी रकम एंठ रहे हैं जिससे इन क्षेत्रों में अपराध लगातार चरम पर है माना जा रहा है कि सिहोरा थाना क्षेत्र में कुछ पुलिस आरक्षक अपराधियों को शरण देकर इस तरह के काम कराए जा रहे हैं।जिसके चलते सट्टा खुलकर चल रहा है लेकिन पुलिस मूक दर्शक बनी हुई है जिससे अपराधियों में पुलिस के नाम का कोई खोफ नहीं है।

जिला न बनने से व्यथित आरएसएस के पूर्व प्रचारक ने मीसाबंदी सम्मान लौटाने की घोषणा की

क्रमिक भूख हड़ताल पर बैठे युवा, सिहोरा जिला की मांग पर जनाक्रोश

सिहोरा, देशबन्धु। सिहोरा जिला की मांग पर चल रहा आंदोलन अब भाजपा को वोट न देने के संकल्प की घोषणा और सरकार से मिले सम्मान वापसी तक पहुँच गया। पिछले दो दिनों से आक्रोशित सिहोरा वासियों ने सोशल मीडिया पर भाजपा को वोट न देने के संकल्प की सार्वजनिक घोषणा की झड़ी लगा दी तो नगर के आर एस एस के दमदार नागरिक ने मीसाबंदी के सम्मान को वापस करने के ऐलान ने भूजाल ला दिया।

ये बैठे भूख हड़ताल पर- आंदोलन में क्रमिक भूख हड़ताल के क्रम में मानस तिवारी,अमित बक्शी,प्रकाश मिश्रा और अजय विश्वकर्मा दिन भर भूख हड़ताल पर बैठे।शाम को नगर के प्रबुद्ध जनों पवन सोनी,संतोष पांडे ने जूस पिलाकर भूख हड़ताल से उठाया।

भाजपा को वोट न देने की सार्वजनिक घोषणा - पहले 20 वर्षों से जिला बनने के बाद भी अंतिम अधिसूचना जारी न करना और अब दो वर्षों के लगातार आग्रह के बाद भी अनदेखी से सिहोरा वासियों में सत्ता के प्रति गहरा आक्रोश है। कल तक सार्वजनिक रूप से भाजपा की सदस्यता त्यागने और भाजपा को वोट न देने की अनेक नगरवासियों ने सार्वजनिक घोषणा की।आने वाले समय में यह क्रम और बढ़ सकता है।

मीसाबंदी सम्मान लौटाने की घोषणा - सिहोरा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पूर्व प्रचारक प्रमोद जी साहू ने अपने संपूर्ण बुजुर्गों द्वारा सिहोरा एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में दिए गए समय का जिक्र करते हुए अपने पिता स्व पुरुषोत्तम लाल जी साहू को मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान किए गए स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मीसाबंदी सम्मान और सम्मान निधि को 5 सितंबर 2023 को लौटाने की सार्वजनिक घोषणा की है ।सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि उनके पिता एवं काका 21 महीनों तक इमरजेंसी के दौरान जेल में रहे और वे स्वयं 25 वर्षों तक महाकौशल प्रांत में प्रचारक के रूप में अपना दायित्व निभाया। उन्होंने अपनी मातृभूमि जन्मभूमि सिहोरा के साथ हुए अन्याय को सामने लाते हुए पीड़ा व्यक्ति की है कि मध्य प्रदेश की सरकार सिहोरा का ध्यान नहीं दे रही है सिहोरा को जिला ना बनाए जाने पर व्यथित होते हुए उन्होंने सम्मान में दिए गए ताम्र पत्र और सम्मान निधि को 5 सितंबर 2023 को सरकार को लौटाने का ऐलान किया है।

सार-समाचार

ग्रामवासियों ने स्वामीजी व स्नेह यात्रा का किया भव्य स्वागत

कुंडम, देशबन्धु। आज दिनांक 19/08/23 को पूज्य गुरुदेव महामंडलेश्वर अखलेशानंद गिरी महाराज जी की स्नेह यात्रा कुंडेश्वर, जनपद पंचायत सभा ग्रह, वंशकार मुहल्ला, जैतपुरी, बैरागी, खिन्हा, जुझारी, तिलसानी, नवरगवा, बटई, हंसापुर, पडरिया पहुंची,ग्रामवासियों द्वारा स्वामी जी व स्नेह यात्रा का भव्य स्वागत किया गया, इस अवसर पर श्रीमती नंदनी मरावी विधायक सिहोरा, जितेंद्र जामदार उपाध्यक्ष जन अभियान परिषद मध्यप्रदेश, सुरेंद्र सिंह धुर्वे अध्यक्ष जनपद पंचायत कुंडम, कमलेश साहू, मंडल अध्यक्ष राजेश साहू, खिलाड़ी सिंह आर्मो, रघुवीर सिंह मरावी एस डी एम कुंडम, पी एल यादव सी ई ओ कुंडम, गोरेलाल मरावी नायब तहसीलदार कुंडम,रवि बर्मन संभाग समन्वयक, प्रदीप तिवारी जिला समन्वयक, विवेक मिश्रा ब्लाक सन्मायक, रमेश विश्वकर्मा, श्रीमति सरला देवी धुर्वे, एवम सभी जनता जनार्दन की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ,

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती सद्भावना दिवस के रूप में मनाई गई

पाटन देशबन्धु। विस क्षेत्र पाटन मझौली के कांग्रेसजनों के द्वारा कटंगी सामुदायिक भवन में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गाँधी जी की जयंती को सद्भावना दिवस के रूप में मनाया गया जिसमें प्रमुख रूप से विस क्षेत्र के वरिष्ठ जनों का सम्मान किया गया उक्त कार्यक्रम में शामिल रहे जिला कांग्रेस कमेटी,ब्लॉक कांग्रेस कमेटी,महिला कांग्रेस,यूथ कांग्रेस,एनएसयूआई के पदाधिकारी बड़ी संख्या में शामिल रहे। कांग्रेसजनों के द्वारा राजीव गांधी पार्क बस स्टैंड कटंगी में विस क्षेत्र के बुजुर्गों का सम्मान ठा.विक्रम सिंह, राजेश तिवारी (गुरु) दुर्गेश पटेल, प्रदीप पटेल, बब्बू यादव सहित अन्य कांग्रेस नेताओं ने किया।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व जनपद अध्यक्ष ठा.विक्रम सिंह ने अपने उद्बोधन में बताया कि स्व गांधी भारत के छठे प्रधान मंत्री थे। उन्होंने 1984 में अपनी मां और तत्कालीन प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 40 साल की उम्र में पीएम का पद संभालने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय प्रधानमंत्री बने थे। उन्होंने भारत में विदेशी निवेश

और मुक्त अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित किया। वह इसे इक्कीसवीं सदी में आगे बढ़ाने के बारे में मुखर थे। उन्होंने 2 दिसंबर,1989 तक भारत के प्रधान मंत्री के रूप में कार्य किया। कांग्रेस के युवा नेता दुर्गेश पटेल अपने उद्बोधन में बताया कि जब भारत आज़ाद हुआ तब राजीव गांधी की उम्र महज तीन साल थी और उनके दादा जवाहरलाल नेहरू प्रधान मंत्री बने थे। उनकी शिक्षा की बात करे तो देहरादून के वेल्हम प्रेप में स्कूल गए फिर हिमालय की तलहटी में आवासीय दून स्कूल में पढ़ाई की उसके बाद ट्रिनिटी कॉलेज कैम्ब्रिज गए,लेकिन जल्द ही इंपीरियल कॉलेज (लंदन) चले गए।उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग का कोर्स किया। उनके सहपाठियों के अनुसार उनकी किताबों की अलमारियाँ विज्ञान और इंजीनियरिंग की पुस्तकों से भरी रहती थीं। शास्त्रीय संगीत के साथ-साथ शौकिया फोटोग्राफी भी करते थे हालाँकि उनका सबसे बड़ा जुनून उड़ना था। इसलिए उन्होंने दिल्ली फ्लाइंग क्लब की प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करके वाणिज्यिक पायलट का लाइसेंस प्राप्त किया इसके अलावा अन्य वक्ताओं ने राजीव गांधी के जीवन पर चर्चा कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विवाष जैन, नीलेश जैन जिला ग्रामीण अध्यक्ष,राधेश्याम चौबे, विष्णु शंकर पटेल पूर्व जिला ग्रामीण अध्यक्ष इसके अलावा कांग्रेस के विशिष्ट अतिथि राम विनय कारसोलिया, सोनेलाल पटेल,रमजान खान,मुन्नू यादव, संजय यादव, जमील खान सहित अन्य मौजूद रहे।

सुदामा का नाम सुनते ही भगवान श्रीकृष्ण सिंहासन छोड़ मिलने दौड़े

आंसुओं की धार से सुदामा की पग धोए

गांधीग्राम, देशबन्धु। अनगढ़ धाम बड़े हनुमान मंदिर बुढ़ान सागर नामक तालाब के तट पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिवस सुदामा चरित्र प्रसंग पर श्रीमद्भागवत पुराण कथा मे सिया बल्लभ दास वेदांती महाराज ने श्रीकृष्ण-सुदामा की आदर्श मित्रता की कथा सुनाते हुए कहा कि सुदामा से परमात्मा ने मित्रता का धर्म निभाया।

राजा के मित्र राजा होते हैं रंक नहीं, पर परमात्मा ने कहा कि मेरे भक्त जिसके पास प्रेम धन है वह निर्धन नहीं हो सकता। कृष्ण और सुदामा दो मित्र का मिलन ही नहीं जीव व ईश्वर तथा भक्त और भगवान का मिलन था।आज मनुष्य को ऐसा ही आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए। कथावाचक वेदांती महाराज ने आगे कहा कि कृष्ण और सुदामा जैसी मित्रता आज कहां है। यही कारण है कि आज भी सच्ची मित्रता के लिए कृष्ण-सुदामा की मित्रता का उदाहरण दिया जाता है। द्वारपाल के मुख से पूछत दीनदयाल के धाम, बतावत आपन नाम सुदामा, सुनते ही द्वारिकाधीश नंगे पांव मित्र की अगवानी करने पहुंच गए। लोग समझ नहीं पाए कि आखिर सुदामा में क्या खासियत है कि भगवान खुद ही उनके स्वागत में दौड़ पड़े। श्रीकृष्ण ने स्वयं सिंहासन पर बैठाकर सुदामा के पांव पखारे। कृष्ण-सुदामा चरित्र प्रसंग पर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे।

उन्होंने आगे कहा कि श्रीकृष्ण को सत्य के नाम से पुकारा गया। जहां सत्य हो वहीं भगवान का जन्म होता है। भगवान के गुणगान श्रवण करने से तृष्णा समाप्त हो जाती है। इस अवसर पर भगवान श्री कृष्ण एवं सुदामा के सुसज्जित पात्रों का सजीव चित्रण वा मंचन भी किया गया।संगीत मंडली व महिला मण्डल द्वारा श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता के संगीतमय भजनों की सुमधुर प्रस्तुति की गई।जिससे श्रोता व दर्शक मंत्रमुग्ध हो उठे।भगवान श्रीकृष्ण-सुदामा की नयनाभिराम झाँकी की आरती व श्रीमद्भागवत पुराण की आरती के अवसर पर मोहनलाल चौरसिया, मनीष त्रिपाठी, प्रकाश मिश्रा,नत्थू लाल चौरसिया, राजेश त्रिपाठी,कृष्ण गोपाल पाठक , योगेन्द्र मिश्रा,मुकेश असाटी , प्रकाश मिश्रा,शिवदत्त मिश्रा, सुधीश त्रिपाठी ने की।

स्व. राजीव गांधी की जयंती पर सरिता सिंह ने विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की

कुंडम, देशबन्धु। स्वर्गीय राजीव गांधी जी की जयंती पर सिहोरा पूर्व जनपद अध्यक्ष सरिता सिंह ने विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी जी को 20 अगस्त का जन्मदिन को याद करते हुए अपने साथियों के साथ उनके छायाचित्र मैं माल्या अर्पण किया है इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी सिहोरा विधानसभा 102 के वरिष्ठ कार्यकर्ता सिहोरा के समस्त कार्यकर्ताओं ने भी उनके जन्मदिन पर माल अर्पण किया है

बट्टूआ माध्यमिक स्कूल में फैला कीचड़, नहीं लग पा रहीं कक्षाएं

कुंडम, देशबन्धु। बदुआ मिडिल स्कूल में बांध में पानी भर जाने से स्कूल में आ गई जिल्कन स्कूल के अंदर से पानी निकल रहा है जिसमें छात्र-छात्राएं 1 से 8 क्लास नहीं लग पा रही हैं और दलान में कीचड़ और पानी बह रहा है इतना तक की जो संडास का पानी ओवर फ्लोर बह रहा और बाहर मल मूत्र निकलकर फैल गया है प्रदूषण वहां फैल चुका है ग्रामीण जनों से मिली जानकारी के अनुसार हमारे बेटा बेटी स्कूल में नहीं पढ़ पा रहे स्कूल की दुर्दशा बिगड़ चुकी है पानी से भरा हुआ है रिशव ओवरफ्लो संडास का पानी बाहर आ गया है वहीं पर स्कूल के प्रांगण में जल हेड पंप है जो उसे पानी को भी बच्चे लोग उपयोग कर रहे हैं हमारी और हमारे बदुआ ग्राम के स्कूल में शासन प्रशासन का कोई भी आदमी पहुंच नहीं पाया और हम लोग लगभग 20 दिन से अधिक समय हो गया जो इस तरह से आज हमारे बच्चे लोग संकट में है वहीं पर शिक्षक बंधुओ से पूछा गया।

कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री स्व राजीव गांधी की जयंती मनाई

गोसलपुर,देशबन्धु। लॉक कांग्रेस गोसलपुर द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गाँधी की जयंती मनाई गई। कांग्रेस ब्लॉक संगठन मंत्री मुकेश तिवारी ने बताया कि श्री राजीव गांधी जी ने 21 वीं सदी के भारत का रोडमैप देश के सामने रखा था, एक ऐसा भारत जिसमें युवाओं की ताकत, गांवों की शक्ति, महिलाओं की क्षमता, नई तकनीकियों के प्रयोग को अभिव्यक्ति मिले।

सूचना क्रांति, संचार क्रांति, पंचायती राज, 18 वर्ष में वोटिंग का अधिकार जैसे कदम इसी अभिव्यक्ति को मजबूती देने के कदम थे। श्री राजीव जी का सपना 21 वीं सदी में भारत को सबसे ऊंचे पायदान पर पहुंचाने का था ,उन्होंने उस सपने को लेकर दिन-रात काम किया और भारत को एक नई दिशा दी।

कांग्रेस के ब्लॉक संगठन मंत्री मुकेश तिवारी ने कहा कि हमारा रास्ता चुनौतियों से भरा जरूर है , लेकिन आज श्री राजीव गांधी जी

की जयंती पर हम सबको भारत को सबसे ऊंचे पायदान पर ले जाने के सपने को पूरा करने के संकल्प को दोहराना होगा।

कार्यक्रम में ब्लाक संगठन मंत्री मुकेश तिवारी, किशोर अग्रवाल, वीरेन्द्र खरे, कृष्ण कुमार सेनी, उदय श्रीवास, करीम खान, राकेश तिवारी, सजीव तिवारी, प्रमोद शुक्ला, जागेश्वर चौधरी, अशोक गौटिया, मोहित पटेल. सचिन विश्वकर्मा, जय कुमार ,विवेक त्रिपाठी, अकील खान आदि काफी संख्या में लोग उपस्थित हुए।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जयंती पर किया याद

पनागर, देशबन्धु। देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी जी की जयंती ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कार्यालय में मनाई गई ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने जारी विज्ञप्ति मैं बताया राजीव गांधी देश में आई टी के जनक रहे और उन्हें ने 18 वर्ष की आयु में युवाओं को मतदान का अधिकार दिया कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता सम्मति सैनी विनोद श्रीवास्तव विधानसभा प्रभारी विमल जैन ब्लॉक अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव विवेक पटेल नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप पटेल महेंद्र चक्रवर्ती तुलसीराम कुशवाहा दास बैरागी राजा श्रीवास्तव जितेंद्र कुशवाहा अंकित पटेल मनोज बंशकार धरमू राय सीताराम कुशवाहा धर्मेंद्र यादव सुशील केवट रामू मिश्रा बहादुर राय स्वप्निल ठाकुर सुनील प्रजापति शानू खरे संजय कुशवाहा सपना पिल्ले रत्ना पटेल आदि कांग्रेस जन उपस्तिथ रहे ।

पूर्व प्रधानमंत्री को राजीव गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित किए

सिहोरा, देशबन्धु। रविवार 20 अगस्त को अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सिहोरा के संयोजन में पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष सिहोरा की आरा मशीन में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी जी की जयंती मनाई गई।इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने श्रद्धासुमन अर्पित किये। कार्यक्रम में सुश्री कौशिल्या गोटिया पूर्व राज्य मंत्री मध्य प्रदेश शासन, सरिता सिंह पूर्व जनपद अध्यक्ष सिहोरा,अशोक खरे,सुरेंद्र मिश्रा,लाल बहादुर पाठक राजेश चौबे पार्षद श्रीमती ममता पार्षद प्रवीण पाठक, घनश्याम बडगैया,मंसूर मंसूरी पूर्व पार्षद,गणेश दहिया पूर्व पार्षद विजयंत साहू, नवीन शुक्ला,कौशल पटेल, पवन सोनी,कमलेश सोनी एडवोकेट,शील कुमार पटेल, कमलेश सोनी,डॉ रमेश पटेल,अतुल त्यागी,डॉक्टर दिनेश पटेल, फैज आलम शाह,गुल्लू खान,दिलीप जैन,पापे यादव, सुभाष ठाकुर, युसूफ खान सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसजनों ने इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर अपने प्रिय नेता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

भारतीय किसान यूनियन सर्व आज तहसीलदार को सौंपेगा ज्ञापन

पनागर, देशबन्धु। भारतीय किसान यूनियन सर्व के तत्वाधान में किसानों की उपज मूंग एवं उड़द का शीघ्र भुगतान कराने एवं खाद की कालाबाजारी रोकने के लिए आज 21 अगस्त को दोपहर 12 बजे पनागर तहसीलदार को कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। किसान संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सम्मति सैनी जिला पंचायत के उपाध्यक्ष विवेक पटेल एवं भारत कृषक समाज के विमल जैन गोकल पटेल जगन्नाथ शर्मा वीरेंद्र बैरागी के अलावा बहुत संख्या में किसान साथ में होंगे श्री सैनी ने समस्त किसानों से उपस्थित होने की अपील की है।

सीएम हेल्पलाइन एवं लाडली बहना योजना में उत्कृष्ट कार्य करने पर सीएमओ नीलम चौहान हुए सम्मानित

पाटन, देशबन्धु। 15 अगस्त 2023 स्वतंत्रता दिवस की 77 वीं वर्षगाँठ जिले के शहर एवं ग्रामीण इलाकों में बड़े हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाई गई। जिले का मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह 15 अगस्त को पुलिस ग्राउण्ड पर नगरीय आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ

था जहां प्रदेश के नगरीय निकाय मंत्री भूपेन्द्र सिंह ने ध्वजारोहरण कर मुख्यमंत्री का संदेश वाचन किया था। उन्होंने प्रदेश की खुशहाली और विकास की योजनाओं की जानकारी देते हुए जनहित से जुड़े मुद्दों पर उपस्थित जन समूह को विस्तार से बताया उसके पश्चात् जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पाटन निकाय के सीएमओ नीलम गोवर्धन चौहान को मुख्यमंत्री हेल्पलाइन एवं लाडली बहना योजना में सर्वोत्तम प्रदर्शन करने के लिए नगरीय आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह के द्वारा सम्मानित किया गया जिस पर निकाय के अध्यक्ष आचार्य जगेंद्र सिंह,उपाध्यक्ष श्रीमती शक्ति देवकुमार यादव एवं निकाय क्षेत्र के सभी 15 वार्डों के पार्षद-गण सहित निकाय के समस्त स्टाप के द्वारा श्री चौहान को शुभकामनाएं दी गई।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती सद्भावना दिवस पर किया याद

बरेला, देशबन्धु। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में कांग्रेस कार्यालय भारत रत्न सूचना प्राद्योगिकी के जनक पूर्व प्रधानमंत्री स्व.राजीव गांधी जी के तैल चित्र पर दीप प्रज्वलित, माल्यार्पण कर नमन करते हुए उनके बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया और याद किया इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि अरविंद तिवारी,ब्लॉक अध्यक्ष सतेन्द्र गर्ग, बरेला मंडलम से नरेश पटेल, रामजी रैकवार, जहीर अहमद, बद्रीपांडे,विजय जैन,विपिन झारिया, , मुन्ना झारिया,सुनील सोनकर, शेख सलीम, दिनेश

सोनी,योगेश पटेल, , सागर सिंह गौर, संजू पटेल, सुमन बर्मन,कपिल पटेल, शहीद खान, सुनील चक्रवर्ती, दलवीर झारिया,राजीव गौतम,राजू पाठक, अशोक विश्वकर्मा, सागर नामदेव, मुल्लू विश्वकर्मा, सोरव विश्वकर्मा,सोनू झारिया, आदि कांग्रेस जन मौजूद रहे।

चीन में अगले तीन दिनों में भारी बारिश होने के आसार

बीजिंग। चीन के उत्तरपूर्वी प्रांत हेइलोंगजियांग और जिलिन में अगले तीन दिनों में भारी बारिश होने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, तिब्बत के कुछ हिस्सों के साथ-साथ सिचुआन, हुनान और शनाक्सी प्रांतों में भी अगले तीन में बारिश होने के अनुमान हैं। चीन के मध्य प्रांत हुबई के कुछ हिस्सों में अगले तीन दिनों में तापमान में बढ़ोत्तरी होने के आसार हैं। मौसम विभाग ने खराब मौसम को लेकर सावधानी बरतने की सलाह दी है।

कौन हैं विलियम लाई, जिनके अमेरिका जाने पर भड़का चीन और छोड़ दिए 25 लड़ाकू विमान

ताइवान पर अकसर हेकड़ी दिखाने वाले चीन ने एक बार फिर से उसके आसमान में एयरफोर्स के 25 विमानों को उड़ाया है। रविवार को ताइवानी रक्षा मंत्रालय ने बताया कि चीन के 25 प्लेन ताइवान की खाड़ी को पार कर उसके क्षेत्र में घुस आए। रक्षा मंत्रालय की ओर से शेयर किए गए नक्शे के मुताबिक चीन के एसयू-30 और जे-11 लड़ाकू विमानों ने उसके इलाके में उड़ान भरी। इसे ताइवान के लिए एक धमकी के तौर पर देखा जा रहा है। अकसर चीन ताइवान पर अपना हक जताता रहा है और उसे वन चाइना पॉलिसी के तहत अपना हिस्सा बताता है।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक यह नया विवाद ताइवान के उपराष्ट्रपति विलियम लाई के हालिया अमेरिका दौरे को लेकर शुरू हुआ है। विलियम लाई ताइवान के राष्ट्रपति बनने की रेस में हैं और सबसे प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। ऐसे में उनकी अमेरिका यात्रा से चीन बौखला गया है। शिन्हुआ न्यूज एजेंसी की ही रिपोर्ट के मुताबिक चीनी सेना ने यह ड्रिल इसलिए की है ताकि यह दिखाया जा सके कि वह ताइवान के आसमान और समुद्र क्षेत्र को सीज कर सकती है। ताइवान की अकसर नाकेबंदी करने की कोशिश चीनी

सेना करती है। कुछ महीने पहले भी उसने कई दिनों तक मिसाइलों और भारी हथियारों के साथ ताइवान की खाड़ी के पास युद्धाभ्यास किया था।

तब अमेरिकी नेता नैन्सी पेलोसी ताइवान पहुंची थीं और चीन ने देख लेने तक की धमकी दी थी। उसके बाद काफी दिनों तक माहौल तनावपूर्ण बना रहा था। इस बार फिर चीन ने ऐसी ही हिमाकत की है, जिस पर ताइवान भी भड़क गया है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय का कहना है कि हम भी इस पर ऐक्शन लेंगे और फोर्स को तैनात करेंगे। इस बीच विलियम लाई ने कहा है कि आखिर ताइवान में चुनाव का फैसला करने वाला चीन कौन होता है। उन्होने टेलीविजन पर प्रसारित एक भाषण में कहा कि यह तो तानाशाही बनाम लोकतंत्र का चुनाव है।

उन्होंने कहा कि आखिर ताइवान के नेताओं की यात्राओं से चीन को इतनी परेशानी क्यों होती है। उन्होंने दोटूक कहा, %मेरा साफ स्टैंड है कि ताइवान चीन का हिस्सा नहीं है। हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय से बात करना चाहते हैं। उससे जुड़ना चाहते हैं। सुरक्षा की शर्त के साथ हम चीन से भी जुड़ने के लिए तैयार हैं। इस बीच अमेरिका ने भी चीन को नसीहत दी है कि वह दबाव बनाने की बजाय बातचीत करे। हम चाहते हैं कि चीन की ओर से ताइवान की आर्थिक, कूटनीतिक और सैन्य नाकेबंदी न की जाए। अमेरिकी प्रवक्ता ने कहा कि हम तो नजर बनाए हुए हैं।

आज का इतिहास

1689 - स्कॉटलैंड में डंकल्ड का युद्ध हुआ।
1718 - तुर्की और वेनिस के बीच शांति संधि हुई।
1772 -स्वीडन में गुस्ताव तृतीय ने 50 वर्ष पुराने संसद के शासन को समाप्त कर तानाशाही स्थापित की।
1790 - जनरल मेडोस के नेतृत्व में ब्रिटिश सेना ने डिंडिगुल पर कब्जा जमाया।
1842 - तस्मानिया के शहर होबर्ट की स्थापना हुई।
1915 -पहले विश्व युद्ध के दौरान इटली ने तुर्की के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
1938 -इटली के हाई स्कूलों में यहूदी शिक्षकों पर प्रतिबंध लगा।
1944 -अमरीका, ब्रिटेन,रूस और चीन के प्रतिनिधियों ने संयुक्त राष्ट्र के संगठन की योजनाओं को लेकर मुलाकात की
1963 - बुद्ध मंदिर पैगोडा में छापे के विरोध में दक्षिण वियतनाम में मार्शल लॉ की घोषणा की गई।
1965 -यूरोपीय देश रोमानिया में संविधान को अंगीकार किया गया।

सुडोकू 6292

	8		6				5	
					2	3		
3	2					6	1	
			9	2		7		
			1		7			
		4		6	3			
	9	7					4	3
		8	7					
	4				1		2	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

आज ही के अंक में

एसआईयू ने कश्मीर के अवंतिपोरा में की छापेमारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस की विशेष जांच इकाई (एसआईयू) ने शनिवार को आतंकवाद से संबंधित एक मामले में अवंतिपोरा उप-जिले में छापेमारी की। एसआईयू ने इस साल सरकारी रेलवे पुलिस अवंतिपोरा द्वारा दर्ज मामले के सिलसिले में वोपलवान गांव में छापेमारी की और बाद में इस मामले को जांच के लिए ले लिया। उन्होंने अवंतिपोरा के वोपलवान निवासी आरोपी शेख सयुरल निसार के आवास पर छापेमारी की और उचित मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का पालन किया गया।

बेंगलुरु में ट्रेन के दो डिब्बों में लगी आग

बेंगलुरु। कर्नाटक में केएसआर बेंगलुरु सिटी रेलवे स्टेशन पर खड़ी एक ट्रेन के दो वातानुकूलित डिब्बों में शनिवार की सुबह आग लग गई, इस हादसे में हालांकि कोई जनहानि नहीं हुई। दक्षिण-पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अनीश हेगड़े ने बताया कि आग लगने की घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकलकर्मी सुबह 07:35 बजे मौके पर पहुंचे और आग पर काबू लिया।

बिहार में बस ने ऑटो को मारी टक्कर, चार की मौत

पूर्णिया। बिहार के पूर्णिया जिले के के नगर थाना क्षेत्र में शनिवार को एक बस और ऑटो की हुई टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। एक बस पूर्णिया से धमदाहा की ओर जा रही थी। इसी दौरान एथेनॉल फैक्ट्री के पास चालक का वाहन पर से नियंत्रण हट गया और विपरीत दिशा से आ रहे एक ऑटो को टक्कर मार दी। आमने - सामने की हुई इस टक्कर में ऑटो के परखच्चे उड़ गए। नगर थाना के प्रभारी दिनेश मिश्र ने बताया कि पूर्णिया-धमदाहा रोड पर घटी इस दुर्घटना में घटनास्थल पर ही तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि एक ने इलाज के क्रम में अस्पताल में दम तोड़ दिया।

मच्छर भगाने वाली मशीन के कारण लगी आग

चेन्नई। तमिलनाडु के चेन्नई में एक दर्दनाक हादसा हो गया। चेन्नई के मनाली इलाके के एक घर में मच्छर भगाने वाली मशीन से कथित तौर पर लगी आग के बाद एक बुजुर्ग महिला और उसकी तीन पोतियों की दम घुटने से मौत हो गई। घर से धुंआ निकलता देख आग की खबर पुलिस को दी गई। पुलिस जल्द ही मौके पर पहुंच गई और जब घर में देखा कि चार लोग बेहोश पड़े हैं जिनको तत्काल अस्पताल ले जाया गया जहां पर डॉक्टरों ने मृत लाया गया घोषित कर दिया। तीनों बच्चियां दादी के घर रात में सोने आई थीं क्योंकि उनकी मां अस्पताल में भर्ती पिता की देखभाल के लिए वहां रुकी थी।

दुनिया को जानें

कैंसर रोगियों में ब्लड क्लोटिंग का खतरा बढ़ाता है कोविड

न्यूयॉर्क। एक अध्ययन के अनुसार, कोविड-19 के कारण अस्पताल में भर्ती कैंसर रोगियों और कैंसर रोधी दवाएं लेने वालों में शिराओं से संबंधित थ्रोम्बोएम्बोलिज्म (वीटीई) विकसित होने का खतरा बढ़ सकता है - जो नसों में संभावित रूप से गंभीर खून के थक्के बना सकते हैं। जेएएमए ऑन्कोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन से पता चला है कि सिस्टमिक एंटी-कैंसर उपचार लेने वालों में वीटीई का जोखिम यह उपचार नहीं लेने वालों की तुलना में 33 प्रतिशत अधिक था। कैलिफोर्निया, सिनसिनाटी, टेक्सास विश्वविद्यालयों के शोधकर्ताओं ने कहा, हालांकि, दवाएं धमनी से संबंधित थ्रोम्बोम्बोलिज्म के उच्च जोखिम से जुड़ी नहीं थीं। उन्होंने पेपर में लिखा, ये निष्कर्ष कैंसर के रोगियों में कोविड-19 संबंधित थ्रोम्बोएम्बोलिज्म से जुड़ी रुग्णता और मृत्यु दर को रोकने के लिए करीबी निगरानी और शायद व्यक्तिगत थ्रोम्बोप्रोफिलैक्सिस की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हैं। अध्ययन के लिए, पूरे अमेरिका की टीम ने दुनिया भर के 4,988 कैंसर रोगियों के डेटा का विश्लेषण किया, जिनमें मार्च 2020 से दिसंबर 2021 तक कोविड संक्रमण की पुष्टि हुई थी।

ब्रिटिश कोलंबिया में फैली जंगल की आग

15 हजार घरों को खाली करने का आदेश

ओटावा,(एजेंसियां)। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में जंगल की आग से प्रभावित 15 हजार घरों को खाली करने का आदेश दिया गया है। बीबीसी की शनिवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार अधिकारियों ने ब्रिटिश कोलंबिया में शुक्रवार दोपहर को चार हजार से बढ़ाकर 15 हजार घरों को खाली करने का आदेश दिया है जबकि 20 हजार घर अलर्ट पर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक पूरे प्रांत में आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी गई है, जहां सैकड़ों जगह आग लगी हुई हैं। 36 हजार की आबादी वाले शहर वेस्ट केलोना में 'बड़ी संख्या में' इमारतों में आग लग गई और 2,400 से अधिक घरों को खाली करा लिया गया। उन्होंने बताया कि विशाल क्षेत्र में लगी आग येलोनाइफ़ शहर की ओर बढ़ रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कनाडा के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र की राजधानी शहर को खाली करने की आधिकारिक समय सीमा समाप्त हो गई है।

वहां रहने वाले करीब सभी लोग कार या विमान से वहां से चले गए है। पर्यावरण और सामाजिक मंत्री शेन थॉम्पसन ने कहा कि शहर के 20 हजार में करीब 19 हजार लोगों ने घरों को खाली कर दिया हैं। श्री थॉम्पसन ने कहा, कुछ लोगों ने दूसरी जगह आश्रय लिया हैं।

अमेरिका ने एक दिन में 21 भारतीय छात्र वापस भेजे वीजा में गड़बड़ी का आरोप

अमेरिका से एक दिन में 21 भारतीय छात्रों को वापस भेजने की खबरें सामने आ रही हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसकी वजह वीजा और डॉक्यूमेंट्स में गड़बड़ी बताई गई है। ये छात्र आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से हैं। इन स्टूडेंट्स ने दावा किया है कि उनके सभी डॉक्यूमेंट्स पूरे थे और ये कॉलेज में एडमिशन मिलने के बाद अमेरिका जा रहे थे।

इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक, एटलांटा, शिकागो और सैन फ्रांसिस्को के एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन ऑफिसर ने छात्रों के डॉक्यूमेंट्स चेक किए। इसके बाद उन्हें कुछ देर के लिए हिरासत में भी लिया गया और फिर वापस जाने के लिए कहा गया। छात्रों ने बताया कि उन्हें वापसी की कोई वजह नहीं बताई गई। इस वजह से छात्रों को लगा कि उनके दस्तावेजों में कुछ कमी थी।

छात्रों को मिली कानूनी कार्रवाई की चेतावनी

अमेरिका या भारत सरकार की तरफ से इस मुद्दे पर कोई बयान जारी नहीं किया गय है। द हिन्दू के मुताबिक, ये घटना 12 से 16 अगस्त के बीच की है। बिना किसी वजह की जानकारी के वापस भेजे गए छात्रों ने बताया कि अधिकारियों ने उनके मोबाइल फोन और व्हॉट्सऐप चैट्स भी चेक किए गए थे। साथ ही उनके लैपटॉप और सोशल मीडिया अकाउंट्स की भी जांच की गई थी। इसके अलावा छात्रों को चुपचाप देश से वापस जाने और विरोध करने पर गंभीर कानूनी कार्रवाई की भी चेतावनी दी गई थी। जिन छात्रों को वापस भेजा गया है उनमें से ज्यादातर पढ़ाई के लिए मिसूरी और साउथ डकोटा की यूनिवर्सिटी में जाने वाले थे। एयरपोर्ट पर छात्रों से उनकी पढ़ाई, वीजा इंटरव्यू, लोन और एडमिशन के लिए जिन कंसल्टेंट्स से मदद ली गई उनसे जुड़े सवाल पूछे गए थे। इसके बाद उन्हें अगले दिन दिल्ली की फ्लाइट से वापस भेजने तक हिरासत में रखा गया।

इमिग्रेशन ऑफिसर पर सही व्यवहार नहीं करने का आरोप

फिलहाल ये छात्र भारत लौट चुके हैं। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने बताया कि अमेरिका से तुरंत वापस भेजे जाने वाले विदेशी छात्रों पर अगले 5 साल का प्रतिबंध लगा दिया जाता है। ऐसे में इन स्टूडेंट्स को अपने भविष्य की चिंता हो रही है। एटलांटा से वापस भेजी गई एक छात्रा ने बताया कि इमिग्रेशन अधिकारी अजीब ढंग से व्यवहार कर रहे थे और कई बार सवालों का जवाब भी नहीं दे रहे थे।

द हिन्दू के मुताबिक, छात्रा ने दावा किया कि ऐंबैसी और यूनिवर्सिटी की तरफ से सभी डॉक्यूमेंट्स पूरे होने के बावजूद ये कार्रवाई की गई। राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पिछले हफ्तों हजारों छात्र विदेश में पढ़ाई करने के लिए रवाना हुए थे। एयरपोर्ट के अधिकारी और पुलिस ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस पर छात्रों की भीड़ की वजह से उनके साथ जाने वाले पैसेंजर्स को लेकर एक एडवाइजरी भी जारी की गई थी।

भारतीयों के लिए रिकॉर्ड वीजा प्रोसेस करेगा अमेरिका

इससे पहले अमेरिकी ऐंबैसी ने इस साल भारतीयों के लिए रिकॉर्ड वीजा प्रोसेस करने की घोषणा की थी। दूतावास फर्स्ट-टाइम बी1 और बी2 टूरिस्ट और बिजनेस ट्रैवल वीजा में बैकलॉग को कम करना चाहता है। इसके तहत पूरे भारत में 2.5 लाख बी1/बी2 वीजा अपॉइंटमेंट बुक हुए हैं। साथ ही फर्स्ट-टाइम बी1/बी2 वीजा के इंटरव्यू के लिए दुनियाभर के दूतावासों और वॉशिंगटन डीसी से खासतौर पर अधिकारियों को बुलाया गया है।

वर्ग पहेली 6292

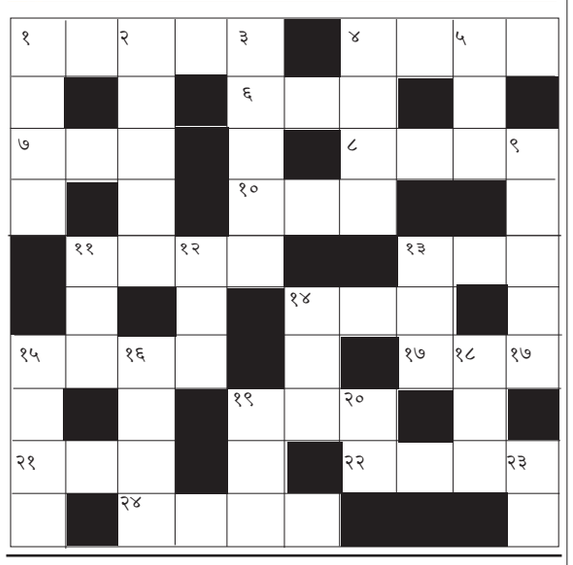

बायें से दायें:-

१. खुशामद पसंद
४. छाती, सीनी
६. दूध देने या बोझ ढोने के काम आने वाले पालतू पशु (उर्दू)
७. कर्मचारी, नौकर (उर्दू)
८. इंद्र के बगीचे का एक वृक्ष जो भी मांगो वह देता है
१०. वह जिसे फैसले के लिए हाकिम के पास पेश किया गया हो (उर्दू)
११. परिमाण, मात्रा, मापतौल (उर्दू)
१३. अच्छा, श्रेष्ठ, उत्तम
१४. बगावत
१५. दुर्दशाग्रस्त (उर्दू)
१७. अकस्मात
१९. व्यर्थ, बेकार (उर्दू)
२१. एक प्रकार का वाद्य यंत्र
२२. मसाले और दवा के काम आने वाला एक सुगंधित फल (उर्दू)
२४. मुस्तैदी

ऊपर से नीचे:-

१. चमड़े का काम करने वाला, मोची
२. फायदेमंद
३. बुद्धिमान (उर्दू)
४. वश में करने वाला
५. रोका हुआ, कुछ समय के लिए आगे बढ़ाया हुआ, ढाक या छिपा हुआ
९. धन-दौलत
११. भौंरा, भ्रमर
१२. प्रविष्ट (उर्दू)
१३. विवाद, हुज्जत
१४. शादी
१५. वर्षा
१६. वह गाना जो हास्यप्रधान हो
१८. शपथ (उर्दू)
१९. वह जख्म जो कभी न भरे (उर्दू)
२०. मृत्यु, नियति, भाग्य (उर्दू)
२३. शर्म, हया

वर्ग पहेली-6291

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

राजनीति *कर्नाटक में धूमिल होती दिख रहीं भगवा पार्टी की संभावनाएं*

भाजपा को 2024 से पहले सता रहा रिवर्स ऑपरेशन लोटस का डर

बेंगलुरु, (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2024 के लिए चुनावी बिगुल फूंके जाने के बावजूद, कर्नाटक में भगवा पार्टी की संभावनाएं धूमिल होती दिख रही हैं, जिसे पार्टी के लिए दक्षिण भारत का प्रवेश द्वार माना जाता था। भाजपा की राज्य इकाई 10 मई को चुनाव नतीजे घोषित होने के तीन महीने बाद भी विधानसभा और विधान परिषद।

में विपक्ष के नेता की नियुक्ति का इंतजार कर रही है। कांग्रेस ऑपरेशन लोटस का बदला लेने के लिए पूरी तरह तैयार है, जिसके माध्यम से भाजपा सबसे पुरानी पार्टी के नेतृत्व को हथिया कर राज्य में सत्ता में आई थी।

भाजपा नेतृत्व अपने नेताओं को अपने पाले में बनाए रखने के लिए पूरी कोशिश कर रहा है। उपमुख्यमंत्री और कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा है कि

■ **विस चुनाव में हार के बाद आलाकमान अभी भी नेताओं से नाराज**

राजनीति में कुछ भी हो सकता है और कुछ भी स्थाई नहीं है। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस पार्टी ने भाजपा से नेताओं को तोड़ने के लिए एक खास टास्क दिया है। पार्टी ने 13 से 15 ऐसे प्रमुख नेताओं की पहचान की है जो अपने दम पर चुनाव जीत सकते हैं और उन्हें कांग्रेस में लाने की कोशिश हो रही है। अगर ऐसा हुआ तो भाजपा को बड़ा झटका लगेगा।

भाजपा के सूत्रों ने बताया कि विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद आलाकमान अभी भी राज्य के नेताओं से नाराज है। कर्नाटक में अपनी सफलता से उत्साहित कांग्रेस ने यूपीए का एक नया वर्जन इंडिया लॉन्च किया है और राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा को चुनौती दे रहा है। मुख्यमंत्री सिद्दारमैया प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साध रहे हैं और उन्होंने लाल किले की प्राचीर से दिए गए स्वतंत्रता दिवस के भाषण के दौरान परिवार की राजनीति पर कटाक्ष करने के उनके प्रयास की आलोचना की। सिद्दारमैया ने यह भी घोषणा की है कि कांग्रेस आगामी लोकसभा चुनाव में राज्य में 20 सीटें जीतेगी। सिद्दारमैया और डीके शिवकुमार के संयुक्त हमलों का मुकाबला करने के लिए कर्नाटक भाजपा में कोई आवाज नहीं है। कर्नाटक में भाजपा को सत्ता में लाने वाले पार्टी के पुराने योद्धा, पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा कभी-कभार बयान देते हैं। कांग्रेस नेता बीजेपी को फटकार लगा रहे हैं क्योंकि राज्य विधानसभा के इतिहास में कभी भी कर्नाटक में विपक्ष के नेता के बिना बजट सत्र आयोजित नहीं किया गया है।

कांग्रेस भाजपा के अंदरुनी कलह पर भी उंगली उठा रही है। राज्य के राजनीतिक हलकों में रिवर्स ऑपरेशन लोटस या ऑपरेशन हस्त की अफवाहें गर्म हैं।

सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस भाजपा के बड़े नेताओं की हार सुनिश्चित करने के लिए नेताओं को खींचने की योजना बना रही है। सूत्रों ने कहा कि बेंगलुरु दक्षिण सीट से भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या को हराने के लिए कांग्रेस ने वरिष्ठ भाजपा नेता वी.सोमन्ना से संपर्क किया था।

खेल जगत

विश्व कप कार्यक्रम में जो भी समस्या आयेगी, उसका निदान करेंगे: शुक्ला

लखनऊ। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने हैदराबाद के उप्पल स्टेडियम में नौ और 10 अक्टूबर को होने वाले विश्व कप मैचों की तारीख में बदलाव की अटकलों पर विराम लगाते हुए रविवार को कहा कि आगे आने वाली किसी भी समस्या के समाधान का पूरा प्रयास किया जायेगा। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) ने बीसीसीआई को सूचित किया था कि नौ और 10 अक्टूबर को लगातार दो दिन मैचों की मेज़बानी करने से सुरक्षा संबंधी समस्याएं सामने आ सकती हैं। उप्पल स्टेडियम में नौ अक्टूबर को नीदरलैंड और न्यूजीलैंड का मुकाबला होना है, वहीं 10 अक्टूबर को पाकिस्तान और श्रीलंका आमने-सामने होंगे। शुक्ला ने एक बयान में कहा, 'मैं विश्व कप में हैदराबाद स्थल का प्रभारी हूं। अगर कोई भी समस्या पेश आयेगी, तो उसके निदान की कोशिश करूंगा।'

हॉकी इंडिया ने सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कैंप के लिए 39 संभावितों का किया ऐलान

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने बेंगलुरु के एसएआई सेंटर में 21 अगस्त से 18 सितंबर तक आयोजित होने वाले सीनियर पुरुष राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए 39 सदस्यीय मुख्य संभावित समूह की रविवार को घोषणा की। यह शिविर खिलाड़ियों के लिए चीन में 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक होने वाले महत्वपूर्ण हांगझाऊ एशियाई खेलों के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता करने और टीम में जगह बनाने का एक बड़ा मौका होगा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम हांगझाऊ एशियाई खेलों में अपने अभियान की शुरुआत 24 सितंबर को उज्बेकिस्तान के खिलाफ करेगी। भारत को पाकिस्तान, जापान, बांग्लादेश, सिंगापुर और उज्बेकिस्तान के साथ पूल ए में रखा गया है। हाल ही में चेन्नई में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद भारतीय टीम आत्मविश्वास के साथ एशियाई खेलों में उतरेगी।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत अजेय रहा, उसने अपना पहला गेम चीन के खिलाफ 7-2 से जीता। जापान के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेला और मलेशिया को 5-0 से हराया, साथ ही दक्षिण कोरिया के खिलाफ 3-2 से जीत दर्ज की। सबसे रोमांचक मुकाबला पाकिस्तान के खिलाफ रहा, जहां भारत ने ग्रुप-स्टेज गेम में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 4-0 से हराया।

नॉकआउट राउंड में भारत ने सेमीफाइनल में जापान को 5-0 से हराया और फाइनल में शानदार वापसी करते हुए मलेशिया के खिलाफ 4-3 से जीत दर्ज की। आगामी राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के बारे में बात करते हुए मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, 'पिछले कुछ महीनों में, हमने दिखाया है कि हम एक टीम के रूप में आगे बढ़ रहे हैं और लगातार सीख रहे हैं। शिविर हमारे लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि हम हांगझाऊ एशियाई खेलों के लिए अपनी तैयारियों को

मजबूत कर रहे हैं, जो पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए स्थान सुरक्षित करने का हमारा मार्ग हो सकता है। इस बीच, भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा, 'शिविर हमारे लिए कुछ क्षेत्रों में काम करने और एक टीम के रूप में मिलकर काम करने का अवसर होगा। हमने हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में ठोस टीम प्रदर्शन किया और हमारे लिए उसी गति को जारी रखना महत्वपूर्ण है।

भारत के 39 सदस्यीय मुख्य-संभावित समूह में खिलाड़ियों की सूची

गोलकीपर: कृष्ण बहादुर पाठक, पीआर श्रीजेश, सूरज करकेरा, पवन, प्रशांत कुमार चौहान

डिफेंडर: जरमनप्रीत सिंह, सुरेंदर कुमार, हरमनप्रीत सिंह, वरुण कुमार, अमित रोहिदास, गुरिंदर सिंह, जुगराज सिंह, मनदीप मोर, नीलम संजीप ज़ेस, संजय, यशदीप सिवाच, दिपसन टिर्की, मंजीत

मिडफील्डर: मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, मोइरांगथेम रबीचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, नीलकंठ शर्मा, राजकुमार पाल, सुमित, आकाशदीप सिंह, गुरजंत सिंह, मो.राहील मौसीन, मनिंदर सिंह

फॉरवर्ड: एस कार्ति, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक, दिलप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, सिमरनजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, पवन राजभर।

जर्मनी के खिलाफ 2-3 से हारी भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम

डसेलडोर्फ (जर्मनी)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम 4 देशों के टूर्नामेंट, डसेलडोर्फ-2023 में मेजबान जर्मनी से 2-3 से हार गई। सुदीप चिरमाको (7%, 60%) ने भारत के लिए दो गोल किए, जबकि मिशेल स्ट्रथॉफ (41%), बेन हस्बैक (53%) और फ्लोरियन स्पलिंग (55%) ने जर्मनी के लिए गोल किए। स्पेन पर 6-2 की जीत के साथ भारतीय टीम मैदान पर जर्मनी के खिलाफ उतरी। इस मैच में भी भारत ने शुरुआती बढ़त बना ली थी। मैच के सातवें मिनट में सुदीप ने भारत को बढ़त दिला दी। जर्मनी की लाख कोशिशों के बावजूद भारत पहले क्वार्टर के अंत तक अपनी बढ़त बनाए रखने में सफल रहा। जहां जर्मनी दूसरे क्वार्टर में बराबरी की तलाश में था, वहीं भारत ने भी अपनी बढ़त मजबूत करने के लिए एक और गोल करने का इरादा दिखाया। लेकिन दोनों टीमों ने अच्छा बचाव किया और भारत ने हाफ टाइम तक अपनी 1-0 की बढ़त बरकरार रखी। दूसरे हाफ की शुरुआत में जर्मनी ने मैच का अपना पहला गोल हासिल करने के लिए तेजी दिखाई, लेकिन भारत अच्छी तरह से बचाव करने में सफल रहा। हालांकि, मिशेल स्ट्रथॉफ ने 41वें मिनट में भारत के डिफेंस को तोड़ते हुए अपनी टीम के लिए पहला गोल किया। तीसरे क्वार्टर के अंत में स्कोर 1-1 से बराबर रहा। जब मैच में 15 मिनट बचे थे और स्कोर बराबरी पर था। तो, दोनों टीमों ने आक्रामक रुख अपनाया। लेकिन मैच के अंतिम मिनटों में जर्मनी ने दमदार कमबैक किया। 53वें मिनट में बेन हसबैक ने दूसरा गोल करके जर्मनी को आगे कर दिया और दो मिनट बाद फ्लोरियन स्पलिंग ने तीसरा गोल करके जर्मनी की बढ़त को और बढ़ा दिया।

'यह रजत था, मेरे समर्पण का चमकता प्रतीक: सिंधु

नई दिल्ली। इन दिनों पीवी सिंधु अपनी खोई हुई फॉर्म हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही हैं। इस बीच उन्होंने अपने जीवन, संघर्ष और उपलब्धि को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (X) पर दिल की बात लिखी है। 20 अगस्त, 2016 का जिक्र करते हुए पीवी सिंधु ने अपने सबसे खास मैच को याद किया, जब उन्होंने रियो ओलंपिक में महिला एकल फाइनल में स्पेन की कैरोलिना मारिन से हारने के बाद रजत पदक जीता था। इस टूर्नामेंट में भारतीय शटलर का प्रदर्शन शानदार रहा और फाइनल मैच में भी सिंधु ने मारिन को कड़ी टक्कर दी थी। निश्चित रूप से यह मैच सिंधु के लिए बेहद खास है क्योंकि उन्होंने अपना पहला ओलंपिक मेडल जीता था।

इसके बाद वो 2019 में भारत की पहली विश्व चैंपियन बनीं। धीरे-धीरे उनके मेडलों की गिनती आगे बढ़ती रही। सिंधु ने X पर लिखा, 'सात साल पहले, मैंने एक ऐसी यात्रा शुरू की जिसने मेरे जीवन को हमेशा के लिए बदल दिया। पीछे मुड़कर देखने पर, यह विश्वास करना कठिन है कि उस महत्वपूर्ण दिन को सात साल हो गए हैं जब मैंने गर्व से रियो में अपना पहला ओलंपिक पदक जीता था। यह एक रजत पदक था, जो मेरे समर्पण, कड़ी मेहनत और मेरे कोचों, टीम के साथियों और प्रशंसकों के अटूट समर्थन का एक चमकता प्रतीक था।' रियो में फाइनल मैच में, 21 वर्षीय सिंधु ने शुरुआती गेम जीतने के बाद एक गेम की बढ़त बना ली थी। लेकिन मारिन ने एक गेम से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी की और भारतीय खिलाड़ी ने अंततः इस बेहद रोमांचक मैच में 21-19, 12-21, 15-21 के स्कोर के साथ स्पेनिश

खिलाड़ी के सामने घुटने टेक दिए।

28 वर्षीय खिलाड़ी के नाम पांच विश्व चैंपियनशिप पदक हैं, जिनमें विश्व चैंपियनशिप में दो कांस्य (2013, 2014), दो रजत पदक (2017, 2018) और एक स्वर्ण पदक (2019) शामिल हैं। उन्होंने 2018 एशियाई खेलों में रजत, टोक्यो ओलंपिक में कांस्य और 2022 में राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक भी जीता।

हालांकि, इस सीज़न में चीज़ें उनके मुताबिक़ नहीं रहीं क्योंकि अब तक उनका सीज़न ख़राब रहा है और वह बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर एक भी खिताब जीतने में असफल रहीं। बर्मिंघम में राष्ट्रमंडल खेल 2022 में स्वर्ण पदक जीतने के उपरान्त लंबी चोट के बाद वापसी करने के बाद से शीर्ष भारतीय ने अपनी फॉर्म को हासिल करने के लिए काफी संघर्ष किया है।

यूपीटी20 की ट्रॉफी, जर्सियों का हुआ अनावरण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में क्रिकेट के एक नये युग की शुरुआत करते हुए यूपीटी20 लीग को आधिकारिक तौर पर रविवार को लॉन्च किया गया। यहां आयोजित समारोह में प्रतिष्ठित ट्रॉफी के अनावरण के अलावा छह शहर-आधारित फ्रेंचाइजियों की टीम जर्सी और लीग का एंथम भी लॉन्च किया गया।

इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के निदेशक आईपीएस डीएस चौहान सहित विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। इस समारोह में गोरखपुर लायंस, कानपुर सुपरस्टार, काशी रुद्र, लखनऊ फाल्कन्स, मेरठ मैवरिक्स और नोएडा सुपर किंग्स सहित सभी

फ्रेंचाइजियों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। शुक्ला ने लीग के लिए अपना उत्साह और प्रत्याशा व्यक्त करते हुए कहा, 'मैं रोमांचित और प्रसन्न हूं कि यूपीटी20 लीग लॉन्च हो गयी है।

हम लंबे समय से अपनी खुद की लीग शुरू करने की योजना बना रहे हैं क्योंकि इसकी भारी मांग है। उत्तर प्रदेश में विशाल आबादी के साथ अधिक से अधिक खिलाड़ियों को समायोजित करना और उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देना हमारे लिये एक चुनौती रही है। प्रत्येक फ्रेंचाइजी में लगभग 25 खिलाड़ी होने की शर्त के साथ हमारा मानना है कि यह लीग उत्तर प्रदेश से सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को सामने लाने और भारतीय टीम को नयी प्रतिभाएं देने का एक बेहतरीन मंच है।' चौहान ने कहा, 'यह लीग ऐसे समय में उत्तर प्रदेश में आ रही है जब हमारा राज्य कई मोर्चों पर फल-फूल रहा है और खेल उस विकास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह लीग कई महत्वाकांक्षी क्रिकेटरों को अपनी क्षमता दिखाने का मौका देगी, जिनमें साधारण घरों से आने वाले लोग भी शामिल हैं। मुझे विश्वास है कि हम उत्तर प्रदेश के लोगों के लिये एक उच्च गुणवत्ता वाला टूर्नामेंट खड़ा कर सकेंगे।

'यूपीटी20 लीग 30 अगस्त को शुरू होकर 16 सितंबर को कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में समाप्त होगा। आईपीएल नीलामी में बचे हुए कुछ महीनों को देखते हुए यह लीग उभरती हुई प्रतिभाओं को अपना कौशल दिखाने के लिये एक मंच देगी।

यूएई की न्यूजीलैंड पर शानदार टी20 जीत पर अश्विन ने कहा, 'यह एक बड़ी उपलब्धि है'

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने तीन मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मैच में न्यूजीलैंड पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की सात विकेट की शानदार जीत की सराहना करते हुए कहा कि यह एक बड़ी उपलब्धि है। शक्तिशाली ब्लैककैप्स पर खाड़ी पक्ष की जीत में फ्रेंचाइजी क्रिकेट के प्रभाव को दर्शाता है। मैच में, अयान अफ़ज़ल खान (3-20) और मुहम्मद जवादुल्लाह (2-16) की शानदार गेंदबाजी से यूएई ने न्यूजीलैंड को 142/8 पर रोक दिया। जवाब में, कप्तान मुहम्मद वसीम ने 29 गेंदों में 55 रनों की पारी खेली, जबकि आसिफ खान ने 48 रन बनाए, जिससे यूएई ने 15.4 ओवर में लक्ष्य का पीछा करते हुए शृंखला 1-1 से बराबर कर ली और सभी अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों में पर्यटकों पर अपनी पहली जीत हासिल की। अश्विन ने सोशल

मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'यूएई का न्यूजीलैंड को हराना एक बड़ी उपलब्धि है और यह हमें यह भी दिखा रहा है कि फ्रेंचाइजी क्रिकेट क्या करने में सफल रहा है। उन देशों से आने वाले अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों के लिए उम्मीद है जो मुख्यधारा के टेस्ट देश नहीं हैं और यह खेल के लिए अच्छी खबर है।'

सार संक्षेप

भारत की अनहत सिंह ने एशियाई जूनियर स्क्वैश में अंडर-17 वर्ग में स्वर्ण जीता

मुंबई। भारत के राष्ट्रमंडल खेलों की स्क्वैश स्टार अनहत सिंह ने रविवार को चीन के डालियान में आयोजित 30वीं एशियाई जूनियर स्क्वैश व्यक्तिगत चैंपियनशिप के लड़कियों के अंडर-17 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। 16 से 20 अगस्त तक आयोजित प्रतियोगिता में 15 वर्षीय अनहत ने हांगकांग की एना क्वांग को 3-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इससे पहले, दिल्ली की स्क्वैश खिलाड़ी ने क्वार्टरफाइनल में मलेशिया की डॉयस ली और सेमीफाइनल में मलेशिया की व्हिटनी इसाबेल विल्सन को हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। यह उनका दूसरा स्वर्ण और अनहत का अब तक का तीसरा पदक है, जो एशियाई जूनियर में पूर्व भारतीय स्टार ऋत्विक भट्टाचार्य से प्रशिक्षित हैं। उन्होंने 2022 में थाईलैंड में एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में लड़कियों के अंडर -15 वर्ग में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता और 2019 में मकाऊ में आयोजित एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में लड़कियों के अंडर -13 वर्ग में कांस्य पदक जीता। इनके बीच कोविड के कारण प्रतियोगिता आयोजित नहीं हुई।

इंटर मियामी को मेसी ने जिताई ट्रॉफी, नैशविले को पेनल्टी शूटआउट में 10-9 से हराया

वाशिंगटन (यूएसए)। अर्जेंटीना के स्टार लियोनेल मेसी ने अपनी शानदार फॉर्म कायम रखते हुए शनिवार को इंटर मियामी को लीग्स कप फाइनल जिताया। लीग्स कप-2023 का फाइनल मैच शनिवार को खेला गया। इस मुकाबले में लियोनेल मेसी की इंटर मियामी और नैशविले के बीच टक्कर हुई। मैच काफी ज्यादा रोमांचक रहा और पेनल्टी शूटआउट में गया, जहां जीत 10-9 से इंटर मियामी की हुई। अर्जेंटीना विश्व कप विजेता ने नैशविले के खिलाफ पहला गोल 23वें मिनट में किया। इसके करीब 30 मिनट बाद मेजबान टीम ने फाफा पिकॉल्ट के माध्यम से गोल दागा और इंटर मियामी की बराबरी की।

पाकिस्तान के मैच तटस्थ देश में होते तो कार्यक्रम न बदलना पड़ता : सेठी

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पूर्व अध्यक्ष नजम सेठी ने कहा है कि अगर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) उनकी सलाह पर पाकिस्तान के विश्व कप मैच तटस्थ देश में आयोजित करता तो कार्यक्रम में बार-बार बदलाव करने से बचा जा सकता था। सेठी ने रविवार को एक्स किया, 'बीसीसीआई को पाकिस्तान के विश्व कप मैच तटस्थ देश में खेलने के संबंध में मेरी सलाह लेनी चाहिए थी।

वे अब हर कुछ दिनों में कार्यक्रम में प्रस्तावित बदलावों से परेशान हैं।' उल्लेखनीय है कि जिस तरह भारत अपने सभी एशिया कप मैच श्रीलंका में खेल रहा है, उसी तरह पीसीबी के पूर्व अध्यक्ष सेठी ने अपने कार्यकाल के दौरान सलाह दी थी कि पाकिस्तान को अपने सभी विश्व कप मैच किसी

तटस्थ देश में खेलने चाहिये। भारत और पाकिस्तान के बीच बहुप्रतीक्षित विश्व कप मुकाबला अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम पर 15 अक्टूबर को होना था, लेकिन यह नवरात्रि का पहला दिन होने के कारण अहमदाबाद पुलिस ने सुरक्षा संबंधी चिंताएं व्यक्त कीं और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को इस मैच की तिथि बदलकर 14 अक्टूबर करनी पड़ी। इसी तरह पाकिस्तान और इंग्लैंड 12 नवंबर को कोलकाता के ईडन गार्डन में भिड़ने वाले थे। बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन (सीएबी) ने स्थानीय सुरक्षा एजेंसियों के अनुरोध पर बीसीसीआई को सूचित किया कि 12 नवंबर काली पूजा का दिन होने के कारण सुरक्षा संबंधी दिक्कते पेश आ सकती हैं और मैच की तारीख बदलकर 11 नवंबर करनी पड़ी।

सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में भिड़ेंगे अल्काराज़, जोकोविच

मेसन। स्पेन के युवा सनसनी खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज़ और सर्बियाई दिग्गज नोवाक जोकोविच ने सिनसिनाटी ओपन में अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर फाइनल का टिकट कटा लिया है। टॉप सीड अल्काराज़ ने शनिवार को खेले गये रोमांचक सेमीफाइनल में पिछड़कर वापसी करते हुए पोलैंड के ह्यूबर्ट हर्काज़ को 2-6, 7-6(4), 6-3 से हराया। दूसरी वरीयता प्राप्त जोकोविच ने जर्मनी के एलेक्ज़ेंडर ज़्वेरेव को 7-6(5), 7-5 से मात दी। अल्काराज का सफर सेमीफ़ाइनल में ही ख़त्म हो सकता था लेकिन उन्होंने दूसरे सेट में 4-5 पर मैच पॉइंट बचाया और टाईब्रेकर में लगातार छह पॉइंट अर्जित करते हुए मैच को तीसरे सेट में पहुंचा दिया। तीसरे सेट के चौथे गेम में अल्काराज़ ने महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल किया और अंततः दो घंटे 16 मिनट में हर्काज़ को मात दी। अल्काराज़ ने मैच के बाद कहा, 'यह मानसिक तौर पर कठिन सेमीफाइनल था।

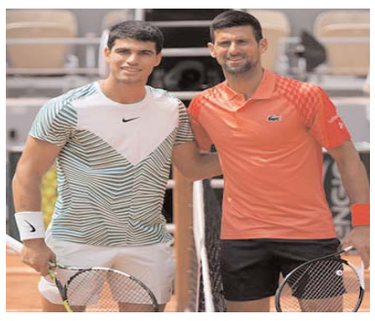

मुझे वहां डटे रहने की ज़रूरत थी। मुझे कई ब्रेक पॉइंट मिले लेकिन मैं उनका फायदा नहीं उठा सका। मैच प्वाइंट बचाना कभी आसान नहीं होता लेकिन मेरे कोच के साथ हर समय सकारात्मक रहने और वहां बने रहने के बारे में बात हो रही थी। हमें पता था कि मुझे मौके मिलने वाले हैं। हुबी (हर्काज़) के खिलाफ हर मैच बहुत कठिन होता है लेकिन मैं बहुत खुश हूं कि मैं जीत सका।' दूसरी ओर, 23 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच ने दो घंटे चार मिनट में ज़्वेरेव को हराने के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि कुछ चीजें हैं जो मैं बेहतर कर सकता था, लेकिन कुल मिलाकर यह फॉर्म में चल रहे ज़्वेरेव जैसे खिलाड़ी के खिलाफ सीधे सेटों में मिली जीत है। इसलिए मैं सही मायने में खुश हूं।' अपने करियर की 1,068वीं जीत के साथ, जोकोविच सर्वाधिक जीत के मामले में राफेल नडाल और इवान लेंडल के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गये हैं। वह अब केवल रोजर फेडरर (1,251) और जिमी कॉनर्स (1,274) से पीछे हैं। करीब एक महीने पहले 15 जुलाई को अल्काराज़ ने जोकोविच को विंबलडन फाइनल में हराया था और सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में दोनों खिलाड़ी एक बार फिर आमने-सामने होंगे। साल 2021 के बाद पहली बार अमेरिकी सरज़मीन पर खेल रहे जोकोविच ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी सेट नहीं गिराया है और वह अल्काराज़ के सामने भी इसी फॉर्म को बरकरार रखते हुए अपने करियर का तीसरा सिनसिनाटी ओपन खिताब जीतना चाहेंगे।

राष्ट्रीय चैंपियनशिप के बाद एशियाड पर वैष्णवी की नज़र

नई दिल्ली। दस साल की उम्र में पांव में कांच चुभने के कारण बैडमिंटन करियर लगभग खत्म होने से लेकर पैरा-बैडमिंटन राष्ट्रीय चैंपियन बनने तक वैष्णवी पुनेयानी ने अपने छोटे से जीवन में लंबा सफर तय किया है, और अब उनकी नज़रें एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक पर जम गयी हैं।

राष्ट्रीय राजधानी में रहने वाली 17 वर्षीय पैरा-बैडमिंटन एथलीट वैष्णवी ने सोचा नहीं था कि वह पेशेवर तौर पर बैडमिंटन खेलेंगी। अपने पिता और भाई के साथ मैदान जाते-जाते बैडमिंटन में उनकी रूचि पैदा हुई, हालांकि 2015 में पैर में कांच लगने से उनके पेशेवर शटलर बनने के सपने को एक बड़ा झटका लगा। यह चोट वैष्णवी का मनोबल नहीं तोड़ सकी, लेकिन वह कोर्ट पर पहले की तरह नहीं खेल पा रही थीं।

वैष्णवी ने यूनीवार्ता से बातचीत में कहा, 'पैर में कांच लगने से जख्म इतना गहरा था कि चोट पर प्लास्टर करवाना पड़ा और मैं दो-तीन महीने चल भी नहीं पाई। मैं उस चोट के बाद से अपना दायां पैर नहीं उठा पाती हूं। पैर की इस दिव्यांगता के बाद मैंने बैडमिंटन खेलना चाहा लेकिन ठीक से पैर न उठा पाने के कारण मैं प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाई।' यहां वैष्णवी का सफर खत्म हो सकता था अगर उन्हें पैरा बैडमिंटन के बारे में न पता चला होता। उन्होंने कई कोचों से संपर्क किया और प्रशिक्षण हासिल करने के बाद अप्रैल 2022 में पैरा बैडमिंटन में एसएल4 श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया। लखनऊ में गौरव खन्ना पैरा बैडमिंटन अकादमी में एक साल तक प्रशिक्षण लेने के बाद वैष्णवी ने अप्रैल 2022 में उत्तर प्रदेश राज्य चैंपियनशिप में दो पदक जीते, जबकि सितंबर में पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उतरते हुए उन्होंने युगांडा पैरा बैडमिंटन 2022 में एक स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य पदक हासिल किया।

वैष्णवी ने उत्तर प्रदेश से युगांडा तक अपनी छाप छोड़ दी थी, लेकिन उनके करियर का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव 2023 पैरा-बैडमिंटन राष्ट्रीय चैंपियनशिप थी जहां उन्हें देश के धुरंधरों का

सामना करना था। वह इस परीक्षा में खरी उतरीं और राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उन्होंने महिला एकल, महिला युगल और मिश्रित युगल सहित तीनों प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक हासिल किये। वैष्णवी ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप के अपने अनुभव पर कहा, 'राष्ट्रीय चैंपियनशिप में मैंने तीन गोल्ड मेडल जीते और महिला एकल में जो स्वर्ण आया वह पांच साल की राष्ट्रीय चैंपियन को हराकर आया। राष्ट्रीय चैंपियन बनना मेरे जीवन में एक अहम मोड़ साबित हुआ। इसके बाद कई अकादमियों ने मुझसे संपर्क किया। कई प्रायोजक भी संपर्क में हैं। यह मेरे करियर का एक अहम पड़ाव था।' गतिशीलता खोने से लेकर राष्ट्रीय चैंपियनशिप बनने तक वैष्णवी के माता-पिता ही थे जो लगातार उनके साथ खड़े रहे और उन्हें संबल देते रहे। वैष्णवी बताती हैं कि लखनऊ में गौरव खन्ना अकादमी में प्रशिक्षण के दौरान उनके माता-पिता उनके साथ रहे और अब वे उन्हें हैदराबाद में स्थित 'भारतीय बैडमिंटन का मक्का' कही जाने वाली पुलेला गोपीचंद अकादमी जाने के लिये भी प्रोत्साहित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'मेरे परिवार ने हमेशा मेरा समर्थन किया। जब मैंने लखनऊ में प्रशिक्षण लिया तब मेरे मां और पिता दिल्ली छोड़कर मेरे साथ रहे। वे हमेशा मुझे आगे बढ़ते रहने के लिये प्रेरित करते हैं और कहते हैं कि रुकना नहीं है। मैं अभी सिर्फ 17 साल की हूं इसलिये माता-पिता के मन में थोड़ा डर भी रहता है लेकिन जीवन में कुछ भी अपने आप नहीं मिल जाता। अगर आपको कुछ पाना है तो डर से आगे बढ़ना पड़ता है। अगर मैं हैदराबाद भी जाऊंगी तो मेरे माता-पिता मेरे साथ नहीं आ पायेंगे।

सुडोकू 6292 का हल

7	8	1	6	3	9	4	5	2
4	5	6	8	1	2	3	7	9
3	2	9	4	7	5	6	1	8
5	1	3	9	2	8	7	6	4
8	6	2	1	4	7	9	3	5
9	7	4	5	6	3	2	8	1
1	9	7	2	8	6	5	4	3
2	3	8	7	5	4	1	9	6
6	4	5	3	9	1	8	2	7

कृषि जगत

मशरूम की खेती की संपूर्ण जानकारी

मशरूम की खेती के लिए जरूरी तैयारी और जलवायु

मशरुम की खेती के लिए स्थाई और अस्थाई दोनों ही प्रकार के शेड का प्रयोग किया जा सकता है। जिन किसानों के पास धन की कमी है, वह बांस व धान की पुआल से बने अस्थाई शेड का प्रयोग कर सकते हैं। बांस व धान की पराली से 30 2212 (लम्बाई चौड़ाई ऊंचाई) फीट आकार के शेड बनाने का खर्च लगभग 30 हजार रुपए आता है। जिसमें मशरूम उगाने के लिए 4 ? 25 फीट आकार के 12 से 16 स्लैब तैयार की जा सकती हैं।

मशरूम की खेती के लिए कम्पोस्ट तैयार करने की विधि

कम्पोस्ट बनाने के लिए अच्छी गुणवत्ता वाला नया भूसा जो बारिश में भीगा हुआ न हो प्रयोग में लाया जाना चाहिए। धान की पराली अथवा गेहूं के भूसे के स्थान पर सरसों का भूसा भी प्रयोग कर सकते हैं, लेकिन सरसों के भूसे के साथ मुर्गी खाद का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। अधिक कम्पोस्ट बनाने के लिए सभी सामग्रियों की मात्रा अनुपात में बढ़ाई जा सकती हैं। किसान खाद (कैल्शियम अमोनियम नाइट्रेट) उपलब्ध न होने की अवस्था में यूरिया की मात्रा अनुपात के अनुसार बढ़ा सकते हैं। लेकिन ताजे या कच्चे

कम्पोस्ट में नाइट्रोजन की मात्रा लगभग 1.6-1.7 प्रतिशत होनी चाहिए। 100 किलोग्राम कम्पोस्ट खाद की बीजाई के लिए 500-750 ग्राम बीज पर्याप्त रहता है।

मशरूम की उन्नत किस्में

ढिंगरी मशरूम- इस किस्म की मशरूम की खेती को करने के लिए सर्दियों के मौसम को उचित माना जाता है। सर्दियों के मौसम में इसे भारत के किसी भी क्षेत्र में ऊगा सकते है, किन्तु सर्दियों के मौसम में समुद्रीय तटीय क्षेत्रों को इसकी खेती के लिए अधिक उपयुक्त माना जाता है। क्योंकि ऐसी जगहों पर हवाओ में नमी की 80त्न मात्रा पाई जाती है। मशरूम की इस किस्म को तैयार होने में 45 से 60 दिन का समय लगता है।

दूधिया मशरूम- दूधिया मशरूम की इस प्रजाति को केवल मैदानी इलाको में उगाया जाता है। मशरूम की इस किस्म के बीजों के अंकुरण के समय 25 से 30 डिग्री तापमान को उपयुक्त माना जाता है। इसके अलावा मशरूम के फलन के समय इसी वक्त 30 से 35 तापमान की आवश्यकता होती है। इस किस्म की फसल को तैयार होने के लिए 80 प्रतिशत हवा में नमी होनी चाहिए।

बटन मशरूम - मशरूम की इस किस्म का इस्तेमाल खाने में सबसे अधिक किया जाता है। श्वेत बटन मशरूम की फसल को तैयार होने के लिए आरम्भ में 20 से 22 डिग्री तापमान की आवश्यकता होती है।

मशरूम फलन के दौरान उन्हें 14 से 18 डिग्री तापमान की आवश्यकता होती है। इसकी खेती को अधिकतर सर्दियों के मौसम में किया जाता है, क्योंकि इसके क्यूब को 80 से 85त्न वायु नमी की आवश्यकता होती है। इसके क्यूब सफेद रंग के दिखाई देते है, जो कि आरम्भ में अर्धगोलाकार होते है।

मशरूम की खेती में लागत और कमाई

मशरूम की खेती का बिजनेस काफी बढ़िया मुनाफे वाला है। इसमें लागत का 10 गुना तक का फायदा हो सकता है। मतलब 1 लाख रुपए लगाकर शुरू किए गए बिजनेस से 10 लाख रुपए तक की कमाई हो सकती है। पिछले कुछ सालों में मशरूम की डिमांड में भी तेजी आई है। ऐसे में मशरूम की खेती का बिजनेस काफी फायदेमंद हो सकता है।

फायदे का सौदा है जैस्मिन फूल की खेती

चमेली या जैस्मिन काफी मशहूर फूल है जो अपने बेहतरीन सुगंध के लिए जाना जाता है। इसलिए उद्योगों में विशेष रूप से उनकी उत्कृष्ट सुगंधित क्षमता के लिए बाजार में इनकी मांग काफी ज्यादा होती है। इस वजह से चमेली की खेती किसानों के लिए फसल और सब्जी की खेती से बेहतर विकल्प हो सकता है। साथ ही अन्य फूलों की खेती के मुकाबले चमेली फूल की खेती ज्यादा बेहतर होती है।

कमर्शियल तौर पर जैस्मिन के उन्नत किस्म की खेती विशेष रूप से कॉस्मेटिक और इत्र उद्योगों के लिए की जाती है। वर्तमान में, जैस्मीन की 75 से अधिक किस्में हैं, जिनकी भारत में व्यापक रूप से खेती की जाती है। इसके अलावा कुछ हर्बल कंपनियां अपने हर्बल महत्व के कारण चमेली के फूल से चाय तैयार करने की कोशिश कर रही हैं।

चमेली का आर्थिक महत्व

चमेली की खेती मुख्य रूप से जैस्मीन तेल प्राप्त करने के लिए की जाती है। इसके बाद उनके फूल को बाजार में भी बेचा जाता है। इसका उपयोग साबुन, क्रीम, तेल आदि बनाने के लिए भी किया जाता है। एक बार चमेली के पौधे लगाने के बाद दस साल तक उन पौधे से फूल तोड़े जा सकते हैं। इसके कारण मुनाफा खूब होता है।

कहां कर सकते हैं खेती

चमेली के पौधे एक झाड़ीदार और चढ़ाई वाली बेल होते हैं। इन्हें खुले मैदान के साथ-साथ ग्रीनहाउस और पॉली हाउस स्थितियों में भी उगाया जा सकता है। जैस्मिन को घर के अंदर, गमले, घर के बगीचों, बालकनियों, कंटेनरों और छत और यहां तक कि बेडरूम में भी उगाया जा सकता है।

चमेली की खेती के लिए मौसम

चमेली की खेती उष्णकटिबंधीय और हल्के जलवायु परिस्थितियों में सबसे अच्छी तरह से होती है। हालांकि बेहतरीन क्वालिटी के लिए अच्छी बारिश का होना भी जरूरी है। चमेली फूल को ग्रीनहाउस और पॉली हाउस में उगाना किसानों द्वारा अधिक पसंद किया जाता है क्योंकि गुणवत्ता वाले फूलों की अधिक उपज होती है।

चमेली की खेती के लिए मिट्टी की आवश्यकता

चमेली की खेती लगभग सभी प्रकार की मिट्टी में की जा सकती है। हालांकि, अच्छी तरह से सूखी और रेतीली दोमट मिट्टी में इसका उत्पादन बेहतर होता है। चमेली की खेती के लिए जमीन का पीएच मान 6.5 से 7.5 के बीच होना चाहिए। चमेली की खेती में खाद का भी इस्तेमाल करना चाहिए।

चमेली के फूल की फसल कैसे उगाए

चमेली के फूलों की खेती के लिए सबसे पहले खेत की दो से तीन बार जुताई करना जरूरी है। साथ ही खेत से सभी खरपतवार भी अच्छे से साफ कर देना चाहिए। इसके बाद खेत में 30 सेमी लंबा ,चौड़ा आर गहरा गड्ढा तैयार करना चाहिए। मिट्टी जनित बिमारी के लिए गड्ढों को 15 से 20 दिन धूप में छोड़ दें। इसके बाद सभी गड्ढों को गोबर के खाद से भरें। इसमें चमेली के पौधें की रोपाई करें। इस फूल की फसल को बारिश शुरू होने से ठीक पहले मुख्य खेत में लगाना चाहिए। पौधे से पौधे के बीच की दूरी 1.5 मी ङ्क 1.5 मी होनी चाहिए।

चमेली की खेती में सिंचाई

चमेली के पौधों की जड़ के पास हमेशा नमी बनी रहनी चाहिए। इसलिए इस फसल की समय पर सिंचाई करनी चाहिए ताकि फूलों की क्वालिटी बेहतर आ सके। इसलिए ड्रीप इरिगेशन प्रणाली को अपनाया जा सकता है। क्योंकि पानी और समय की बचत होती है। जलवायु परिस्थितियों और मिट्टी के प्रकार के आधार पर और पौधों की पानी की आवश्यकताओं को को देखते हुए 5-6 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करनी चाहिए। इसके अलावा बारिश में यह ध्यान देना चाहिए की फूल की जड़ के पास पानी जमा नहीं हो।

चमेली की खेती में खाद और उर्वरक

उपयुक्त खाद और जैविक उर्वरकों का सही समय पर उपयोग करने से चमेली फूल का उत्पादन काफी बेहतर होता है।

चमेली की खेती में प्लानिंग

फूलों के पौधों को एक बेहतर आकार देने के लिए पौधे का प्रशिक्षण नियमित अंतराल पर किया जाना चाहिए। पौधे की वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए पौधे की छंटाई की जानी चाहिए। छंटाई से ठीक पहले पानी की आपूर्ति बंद कर देना चाहिए। उन्हें पौधे के आधार से कम से कम 40 सेमी ऊपर तक काटा जाना चाहिए। इस तरह से खेती कर किसान मुनाफा कमा सकते हैं।

सेब की खेती कैसे होती है

सभी फलो में सेब को एक निरोग फल के रूप में जाना जाता है, यदि आप रोज एक सेब का सेवन करते है, तो आप अनेक प्रकार की बीमारियों से छुटकारा पा सकते है । सेब दिखने में सामान्य रूप से लाल और हरे रंग का होता है । वैज्ञानिक भाषा में सेब को मेलस डोमेस्टिका कहा जाता है । यह मुख्य रूप से मध्य एशिया में उगाये जाते है, किन्तु इन्हे अब यूरोप में भी उगाया ज सेब की खेती में पौधों पर सेब गुच्छो के रूप में लगते है । सेब का पौधा आरम्भ में झाड़ीनुमा दिखाई देता है । सेब हरे, लाल और पीले रंगो में पाए जाते है । सेब की खेती में दोमट मिट्टी को सबसे उपयुक्त माना जाता है । समुद्रीय तल से 1500 से 2 100 मीटर की ऊंचाई पर सेब के पौधों को उगाया जाता है ।

उपयुक्त मिट्टी जलवायु और तापमान- सेब की खेती को करने में गहरी उपजाऊ और दोमट मिट्टी की आवश्यकता होती है । इसकी खेती करने के लिए खेत ऐसा होना चाहिए, जहाँ जलभराव न होता हो, क्योकि जलभराव की स्थिति पौधों को कई तरह के रोगो से ग्रसित होने का दर होता है । इसके अतिरिक्त भूमि में डेढ़ से दो मीटर की गहराई तक चट्टानी मिट्टी नहीं होनी चाहिए, क्योकि इससे पौधों का विकास रुक जाता है । सेब की खेती में भूमि का पी.एच. मान 5 से । के मध्य होना चाहिए । सेब की खेती में जलवायु का भी ध्यान रखना होता है, ठंडी जलवायु वाले प्रदेशो को सेब की खेती के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है । इसके पौधों को अच्छे से वृद्धि करने के लिए अधिक ठण्ड की आवश्यकता होती है। सर्दियों के मौसम में फलो के अच्छे विकास के लिए पौधों को लगभग 200 घंटे सूर्य की धूप की आवश्यकता होती है, किन्तु फूल निकलने के दौरान सर्दियों के मौसम में गिरने वाला पाला और बारिश दोनों ही इसकी फसल के हानिकारक होते है । ऐसी परिस्थितियों में फूलो पर फफूंदी जनित रोग लगने का खतरा होता है । इन्हे अधिक बारिश की भी आवश्यकता नहीं होती है । सेब के पौधों को अच्छे से विकास करने के लिए ठन्डे तापमान की आवश्यकता होती है जिसमे 20 डिग्री तापमान पौधे के विकास के लिए काफी उपयुक्त माना जाता है । फलो के पकने के दौरान इन्हे । डिग्री तापमान की आवश्यकता होती है । **सेब की उन्नत किस्में** वर्तमान समय में सेब की कई किस्मो को उगाया जाने लगा है । जिन्हे अलग -अलग जगहों की जलवायु के हिसाब से पैदावार के लिए तैयार किया गया है । सेब की उन्नत किस्में कुछ इस प्रकार है- **सन फ्यूजी किस्म के सेब**- इस किस्म में फलो का रंग काफी आकर्षक होता है । इसमें धारीदार गुलाबी रंग के सेब पाए जाते है । सेब की इस किस्म का गूदा स्वाद में मीठा, ठोस और थोड़ा कुरकुरा होता है । वह स्थान जहा पर फसल को पकने में काफी समय लगता है उस जगह के लिए इस किस्म के पौधों को तैयार किया गया है । सेब की इस किस्म में पौधा आकार में थोड़ा छोटा होता है । यह पौधे 5 फ़ीट की दूरी पर लगाए जाते है । यह गहरे लाल रंग के होते है, जिनपर सफ़ेद रंग के बारीक़ धब्बे दिखाई देते है । सेब के फलो की यह किस्म जल्दी पैदावार देने के लिए तैयार की गई है। **ऑरिगन स्पर**- इस किस्म के पौधों में फल लाल रंग के होते है, तथा फलो पर धारिया बनी हुई भी नजर आती है । यदि फलो का रंग और गहरा लाल हो जाता है, तो यह धारिया मिट जाती है।

रॉयल डिलीशियस किस्म के पौधे- इसमें भी फलो का रंग लाल ही पाया जाता है, तथा इसमें फल गोल आकृति के होते है, किन्तु फल का ऊपरी भाग डंठल के पास हरे रंग के होते है । यह फल पकने में अधिक समय लेते है, लेकिन इसमें पैदावार काफी अच्छी होती है । इसमें फल पौधों पर गुच्छे की तरह लगते है। फलों की यह एक संकर किस्म है, जिसमे फल अगस्त माह के मध्य तक बाजार में आना शुरू हो जाते है । इसमें फल लाल रंग और धारीदार होते है । फलो की इस किस्म को कम सर्दी पड़ने वाली जगहों पर भी उगाया जा सकता है, तथा इन फलो को अधिक समय तक रखकर भी उपयोग में ला सकते है । सेब की इस किस्म को रेड डिलिशियस और विंटर बनाना संकरण से तैयार किया गया है। इसके अतिरिक्त भी सेब की कई किस्मे पायी जाती है, जिनमे टाप रेड, रेड स्पर डेलिशियस, रेड जून, रेड गाला, रॉयल गाला, रीगल गाला, अर्ली शानबेरी, फैनी, विनौनी, चौबटिया प्रिन्सेज, ड फ्यूजी, ग्रैनी स्मिथ, ब्राइट-एन-अर्ली, गोल्डन स्पर, वैल स्पर, स्टार्क स्पर, एजटेक, राइमर जैसी किस्मे मौजूद है जिन्हे अलग ङ्क अलग जगहों और अलग ङ्क अलग जलवायु में उगाया जाता है । **सेब के खेत और पौधों को कैसे तैयार करे**- सेब के पौधों को खेत में लगाने से पहले खेत की अच्छी तरह से दो से तीन गहरी जुताई कर लेनी चाहिए । इसके बाद खेत में रोटावेटर चलवा दे, जिससे खेत की मिट्टी भुरभुरी हो जाएगी । इसके बाद ट्रैक्टर में पाटा लगवा कर चलवा दे, जिससे खेत बिल्कुल समतल हो जायेगा और जलभराव जैसी समस्या नहीं होगी । इसके बाद 10 से 15 फ़ीट की दूरी रखते हुए गड्ढों को तैयार कर ले । गड्ढे एक फ़ीट गहरे और दो फ़ीट चौड़े होने चाहिए, इस तरह से गड्ढो की पंक्तिया तैयार कर ले और प्रत्येक पंक्ति के बीच में 10 फ़ीट की दूरी होनी चाहिए । इसके बाद तैयार किये गए गड्ढो में गोबर और रासायनिक खाद को डालकर मिट्टी में अच्छे से मिला दे ।

मुनाफे के लिए अंगूर कैसे उगाएं व्यावसायिक अंगूर उत्पादक के लिए आवश्यक मार्गदर्शक

अंगूर उत्पादन -उचित तरीके से और बड़े पैमाने पर अंगूर की खेती करने पर यह लम्बे समय तक आय का अच्छा स्रोत हो सकता है। हालाँकि, कच्चा खाने के लिए या वाइन बनाने के लिए, अंगूरों की खेती करना एक ऐसा विकल्प है जो कम से कम दो दशक तक आपको और आपके खेत को व्यस्त रखेगा। इसलिए, यह निर्णय लेने से पहले आपको अच्छी तरह से शोध करने की और एक स्पष्ट व्यावसायिक योजना बनाने की जरूरत होती है। अंगूर उगाने की बहुत अच्छी तकनीकों वाला, एक सदाबहार पौधा है। एक सामान्य नियम के अनुसार, वाइन बनाने के लिए प्रयोग की जाने वाली अंगूर की किस्में रोपाई के लगभग 7-8 साल बाद परिपक्व होती हैं और अच्छी उपज देती हैं।

दूसरी ओर, समकालीन सेवन योग्य अंगूरों की किस्में (अंगूर के कच्चे सेवन के लिए उगाई जाने वाली) रोपाई के केवल दो साल बाद ही परिपक्वता तक पहुंच सकती हैं और अधिकतम उपज दे सकती हैं। ये लगभग 15-17 वर्षों तक अच्छी उपज दे सकती हैं, और इसके बाद सेवन के लिए अंगूर उगाने वाले ज्यादातर उत्पादक खेत जोतकर फसल नष्ट कर देते हैं क्योंकि इसके बाद यह अच्छी उपज नहीं दे सकती।

अंगूर की खेती करने वाले ज्यादातर व्यावसायिक किसान ग्राफ्टेड पौधों से खेती शुरू करते हैं। हालांकि, कुछ देशों की मिट्टी फिलॉक्सेरा से मुक्त होने पर, वे ऑटोजेनस पौधे लगाना पसंद कर सकते हैं। हाल ही हटाए गए पुराने अंगूर के खेत की जगह नया अंगूर का खेत नहीं लगाया जाना चाहिए। क्योंकि वहां की मिट्टी क्षीण और संक्रमित हो सकती है। दोबारा रोपाई करने के बीच का समयांतराल 2-5 वर्ष हो सकता है (किसी स्थानीय लाइसेंस प्राप्त कृषि विज्ञानी से पूछें)। किस्म का चयन बहुत महत्वपूर्ण होता है। प्रत्येक अंगूर की किस्म में विशिष्ट गुण होते हैं, जो केवल विशेष जलवायु और मिट्टी की स्थितियों और उगाने की तकनीकों के अंतर्गत ही बाहर आ सकते हैं। अंगूर की खेती करते समय किस्म का चुनाव एक प्रतिबंधात्मक कारक होता है। रूटस्टॉक और साइअन की किस्में सुसंगत होनी चाहिए और जाहिर तौर पर अपनी जलवायु के लिए सही किस्म का चुनाव करना महत्वपूर्ण है। सामान्य तौर पर, अंगूर की बेलों को गर्म और शुष्क ग्रीष्मकाल और ठंडी सर्दियां (पाला नहीं), 25 प्रतिशत से कम मात्रा में चिकनी मिट्टी और थोड़ी मात्रा में बजरी पसंद होती है, हालांकि ये रूटस्टॉक की किस्म पर निर्भर करता है। पर्याप्त मात्रा में कार्बनिक पदार्थ भी आवश्यक हैं। गर्मियों के दौरान उच्च आर्द्रता का स्तर फफूंदी संक्रमण बढ़ा सकता है। वसंत ऋतु के दौरान – 3 एष्ट (27 ए एफ) से कम के तापमान या निष्क्रियता अवधि के दौरान 15 एष्ट (5 ए एफ) से कम के तापमान की वजह से लकड़ी, नयी डंठलों, और कलियों को नुकसान पहुंच सकता है। इसके अलावा, मिट्टी से जैविक सामग्री की अधिकतम मात्रा लेने के लिए अंगूर के लिए मिट्टी का तापमान 5 एष्ट (41 ए स्र) से अधिक होना चाहिए।। उपयुक्त पीएच और आरएच स्तर किस्म पर निर्भर करते हैं। आमतौर पर, उपयुक्त पीएच स्तर 6,5 और 7,5 के बीच होता है। हालांकि, ऐसी किस्में भी हैं जो 4,5 या यहां तक कि 8,5 स्तर के पीएच में भी अच्छी तरह से बढ़ती हैं।

नौकरशाही की प्रक्रिया और किस्म का चयन पूरा करने के बाद, आपको रोपाई से पहले की प्रक्रियाएं शुरू करने की जरूरत होती है।

उस समय के दौरान अंगूर उत्पादक भूमि की जुताई करते हैं और पिछली फसल के अवशेषों को हटाते हैं। हालाँकि, ढलान वाले खेत में बहुत भारी जुताई से अपक्षरण जैसे अप्रिय परिणाम सामने सकते हैं।

अत्यधिक ढलान वाले खेतों को समतल करने की आवश्यकता होती है। ऐसा न करने पर, ऊपरी स्तरों से पानी बहकर निचले स्तरों में इकट्ठा हो जायेगा, जिससे जलभराव की स्थिति पैदा होगी।

इसके बाद, अंगूर के खेतों की सिंचाई की बात आने पर उत्पादक ड्रिप सिंचाई प्रणाली स्थापित करते हैं। रोपाई के लिए तैयार होने पर, वे जमीन में छोटे गड्ढे बनाते हैं, जहां वो पौधे लगाते हैं। ज्यादातर मामलों में उर्वरीकरण, ड्रिप सिंचाई और जंगली घास पर नियंत्रण की प्रक्रिया लागू होती है।

रोपाई के बाद, बेल का आकार और प्रशिक्षण विधि लागू करने का समय होता है। बेल की किस्म, पर्यावरण और मिट्टी की स्थिति, कटाई की तकनीक और निश्चित रूप से प्रत्येक अंगूर के किसान के अनुभव के आधार पर चुनने के लिए कई प्रशिक्षण प्रणालियां मौजूद हैं। उत्पादक सहारे और छंटाई का प्रयोग करके अपनी बेलों को मनचाही आकृति देते हैं। ज्यादातर मामलों में वाइन बनाने के लिए प्रयोग की जाने वाली किस्मों के लिए इस प्रक्रिया में 2-3 साल और सीधे खायी जाने वाली किस्मों में 1-2 साल का समय लगता है।

सलाखें लगाने और उन्हें आकार देने के बाद, वे वार्षिक कार्य की सूची शुरू करते हैं, जिसमें छंटाई, डेडहेडिंग (सूखे फूलों को हटाना), पत्तियां हटाना, और खराब आकृति वाले अंगूर के गुच्छों को हटाना शामिल है। कुछ अंगूर उत्पादक उगने की संपूर्ण अवधि के दौरान, ज्यादातर विकसित होने वाले अंकुरों को हटा देते हैं ताकि पौधा अपनी सारी ऊर्जा कम लेकिन ज्यादा उच्च गुणवत्ता वाले फलों में लगा सके। जाहिर तौर पर, यह विधि सभी अंगूर उत्पादकों द्वारा पसंद नहीं की जाती है।

बीमारियों और अन्य नकारात्मक परिस्थितियों के प्रसार को रोकने के लिए उगने के मौसम के दौरान लगभग रोजाना फसल की निगरानी करना जरूरी होता है। कैंची या चाकू का प्रयोग करके हाथों से कटाई की जा सकती है, या यांत्रिक रूप से ट्रैक्टरों से भी फसल काटी जा सकती है। हालाँकि, सीधे खाये जाने वाले अंगूर केवल हाथ से ही काटे जा सकते हैं। प्रत्येक विधि के अपने फायदे और नुकसान हैं। यूरोप में पारंपरिक अंगूर के खेतों की कटाई हाथ से की जाती है जो उच्च-गुणवत्ता वाली वाइन का उत्पादन करते हैं लेकिन उनकी उपज की मात्रा कम होती है। अंगूर की कटाई का कोई निश्चित समय बताना मुश्किल है। यह जलवायु की स्थितियों, मिट्टी की विशेषताओं, उगाने की तकनीकों सहित अंगूर की किस्म पर निर्भर करता है। ऐसा शायद ही कभी होता है जब हम पिछले साल कटाई किये गए समय के दौरान दूसरे साल भी अंगूर की कटाई कर पाएं। यहाँ तक कि समान खेत पर, बेलों की समान किस्मों के साथ भी, बेलों की कटाई का समय अलग-अलग होता है। आमतौर पर, हम यह कह सकते हैं कि उत्तरी गोलार्ध में, अधिकांश किस्में अगस्त से नवंबर तक पकती हैं, जबकि दक्षिणी गोलार्ध में मार्च से अगस्त तक। कटाई के बाद, अंगूर उत्पादक सावधानीपूर्वक स्वस्थ अंगूरों को रोगग्रस्त अंगूरों से अलग करते हैं, उन्हें ध्यान से साफ करते हैं, और या तो उन्हें कच्चा बेचने के लिए किसी ठंडी जगह रखते हैं या वाइन बनाने की प्रक्रिया शुरू करते हैं। कटाई और पत्ते गिरने के बाद, बेलें समय-समय पर निष्क्रियता अवधि में प्रवेश करना शुरू करती हैं।

जहां तक उपज की बात आती है, सामान्य तौर पर, सीधे खाने के लिए उगाई जाने वाली किस्मों की कटाई पर हम वाइन वाली किस्मों की तुलना में ज्यादा बड़ी उपज पा सकते हैं। लेकिन वाइन बनाने के लिए प्रयोग की जाने वाली किस्मों की उपज में भी बहुत अंतर होता है। हर किसान को जागरूक और तथ्य पर आधारित निर्णय लेने की और मात्रा एवं गुणवत्ता के बीच उचित संतुलन पाने की जरूरत होती है। कुछ यूरोपीय अंगूर उत्पादकों (सॉविनन या कैबरनेट किस्में) का दावा है कि वे प्रति हेक्टेयर 6 टन से ज्यादा अंगूर की फसल नहीं पाना चाहते हैं, क्योंकि ज्यादा उपज से उत्पाद की गुणवत्ता में बहुत ज्यादा कमी आ जाएगी। हालाँकि, यह उपज अन्य किस्मों की तुलना में बहुत ज्यादा कम लग सकती है, लेकिन यह उत्पादक का आर्थिक रूप से समर्थन करने के लिए काफी पर्याप्त है, क्योंकि उत्पाद को प्रीमियम मूल्य पर बेचा जा सकता है। दूसरी ओर, मध्यम और निम्न-गुणवत्ता वाली वाइन बनाने वाली अंगूर की किस्में प्रति हेक्टेयर 20-40 टन या इससे भी अधिक पैदावार दे सकती हैं, लेकिन उन्हें ज्यादा मूल्य पर बेचा नहीं जा सकता है। सीधे खाने के लिए प्रयोग की जाने वाली किस्में प्रति हेक्टेयर 20-50 टन की पैदावार दे सकती हैं।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

जंगल से भटककर रेलवे ट्रेक पर पहुंचा चीतल, ट्रेन से टकराकर हुई मौत

पोस्टमार्टम के बाद डुमना के जंगल में किया अंतिम संस्कार

जबलपुर, देशबन्धु। जीसीएफ स्टेट के सतपुला रेलवे पुल में रविवार को सुबह लगभग 10 बजे जंगल से भटक कर रेलवे ट्रेक पर अचानक एक चीतल आ गया और ट्रेन से टकरा कर उसकी मौत हो गई। राहगीरों ने मृत पड़े चीतल को देखा तो तत्काल वन विभाग को सूचना दी, जिसके बाद वन विभाग के अमले ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा किया और चीतल के शव का पोस्टमार्टम के लिए वेटनरी कॉलेज भेजा। हालांकि अभी तक यह पता नहीं चला है कि चीतल किस ट्रेन से टकराया था। घमापुर थाना पुलिस भी सूचना पर सतपुला पुल पहुंची जहां वन विभाग और पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। पीएम के बाद डुमना के जंगल में चीतल का अंतिम संस्कार किया जाएगा। दरअसल सतपुला रेलवे ब्रिज के आसपास जंगल है जहां पर कि जंगली जानवर रहा करते हैं। पास ही पाट बाबा की पहाड़ी है। यहां पर बहुतायत में हिरण, चीतल सहित कई जंगली जानवर हैं। अनुमान लगाया जा रहा है कि जंगल से भटकते-भटकते चीतल रेलवे ट्रैक तक पहुंच गया और ट्रेन से टकराने से उसकी मौत हो गई। फिलहाल वन विभाग और पुलिस घटना की जांच कर रही है।

कंटेनर की टक्कर से कार के परखच्चे उड़े, महिला की मौत

जबलपुर, देशबन्धु। लखनादौन जिला सिवनी रोड पर रविवार को एक तेज गति से जा रहे कंटेनर ने कार को टक्कर मार दी। कंटेनर की टक्कर से कार के परखच्चे उड़े गए। वहीं कार सवार महिला जया दुबे की मौके पर ही मौत हो गई, पति सिद्धांत दुबे के शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। जिन्हें उपचार के लिए लखनादौन के शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां पर सिद्धांत की हालत अत्यंत नाजुक बनी हुई है।

पुलिस के अनुसार ग्राम टुरिया तहसील कुरई जिला सिवनी निवासी सिद्धांत दुबे अपनी कार से पत्नी जया को लेकर जबलपुर के लिए रवाना हुए। सिद्धांत जब बम्होड़ी बायपास लखनादौन से आगे बढ़ रहे थे, इस दौरान सामने से आए कंटेनर के चालक ने टक्कर मार दी। कंटेनर की टक्कर लगते ही कार के परखच्चे उड़े गए। वहीं कार में आगे की सीट पर बैठी जया दुबे के शरीर पर गंभीर चोटें आने के कारण मौके पर ही मौत हो गई। वहीं कार चला रहे सिद्धांत के गंभीर चोटें आई।

सिद्धांत व जया दुबे कार के अंदर ही फंसे रहे, राहगीरों ने देखा तो तत्काल घटना स्थल पर पहुंच गए, तब तक पुलिस भी पहुंच गई जिन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से मृतक जया व घायल सिद्धांत को निकालकर तत्काल ही लखनादौन के शासकीय अस्पताल पहुंचाया। जहां पर सिद्धांत की हालत को देखते हुए भरती कर लिया गया है। हादसे के बाद इस रोड पर जाम के हालात निर्मित हो गए थे। हादसे की खबर मिलते ही परिजन व रिश्तेदार भी मौके पर पहुंच गए थे।

पति भी गंभीर रूप से घायल अस्पताल में हालत नाजुक

मंदिर जीर्णोद्धार का मामला : अवमानना मामले में हाईकोर्ट सख्त

जबलपुर, देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट ने एक आदेश का अक्षरश: पालन न होने के मामले को गंभीरता से लिया। जस्टिस संजय द्विवेदी की एकलपीठ ने मामले में कलेक्टर और एसडीओ को तलब करते हुए कहा है कि अब आगे कोई भी निर्माण या जीर्णोद्धार का काम न किया जाए। एकलपीठ ने अवमानना मामले में सुनवाई करते हुए उक्त निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही अगली सुनवाई 22 अगस्त को निर्धारित की है। यह अवमानना का मामला रीवा निवासी विंधेश्वरी प्रसाद और इंद्रकली सहित अन्य की ओर से दायर किया गया है, जिसमें कहा गया कि रीवा के बसामन मामा मंदिर से लगी करीब साढ़े पांच एकड़ जमीन पर पहले कलेक्टर का नाम वित्तीय प्रबंधक के रूप में दर्ज था। इस मामले में पहले प्रथम अपील दायर की गई थी, जिसमें यथास्थिति के निर्देश हुए थे, जिसके बाद शासन की ओर से अपील पेश कर कहा गया कि मंदिर का जीर्णोद्धार करना है। कोर्ट ने केवल मंदिर के जीर्णोद्धार की अनुमति दी थी। इसके बावजूद अधिकारियों ने पूरे परिसर के विकास की योजना बनाकर वहां बड़े स्तर पर निर्माण शुरू कर दिया। इतना ही नहीं याचिकाकर्ताओं की दुकानें और घर भी तोड़ दिए गए। पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने जिला न्यायाधीश को मामले की जांच करने के निर्देश दिए थे। जिला न्यायाधीश ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि मंदिर के जीर्णोद्धार के नाम पर वहां वृहद स्तर पर निर्माण कार्य जारी है। रिपोर्ट में कहा गया अधिकारियों ने पूर्व आदेशों का उल्लंघन किया है, जिसके बाद न्यायालय ने अधिकारियों को तलब करते हुए उक्त निर्देश दिए। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता समदर्शी तिवारी ने पक्ष रखा।

रीवा कलेक्टर और एसडीओ तलब

नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में रैगिंग, 4 सीनियर पर गिरी गाज

जबलपुर, देशबन्धु। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में दो दिनों पहले एंटी रैगिंग दिवस की शाम हॉस्टल के चार सीनियर छात्रों ने वर्ष 2022 के जूनियर छात्र की रैगिंग ले डाली। शिकायत होने पर कॉलेज प्रबंधन ने तत्काल उन चारों छात्रों को हॉस्टल से निलंबित कर दिया है। जानकारी के अनुसार कॉलेज के हॉस्टल नंबर-2 में 4 सीनियर छात्रों द्वारा एक जूनियर छात्र के साथ रैगिंग की शिकायत सामने आयी है। इसके बाद जूनियर छात्र ने इसकी शिकायत वॉर्डन डॉ. आफताब खान से की थी।

15 अगस्त के शुभ और पावन अवसर पर

राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोधक एवं मानव अधिकार संस्थान

एम.एल. डीडवाना श. अध्यक्ष

सतीश मेहरा प्रदेश अध्यक्ष

सुनील मनोहर झारिया राष्ट्रीय महासचिव एवं नाड़ी वैद्य

कलम के सिपाही बनाते और मिटा देते हैं इतिहास
फिर हम तो खार हैं जिसमें समंदर भी डूब जाते हैं

सुनीता चड़ार जिला अध्यक्ष जबलपुर

विशाल खुल्लर जिला अध्यक्ष गुना

जगदीश यादव जिलाध्यक्ष नरसिंहपुर (युवा प्र.)

शक्तिनगर स्थित घर में घुसा 5 फिट लंबा अजगर

सर्प मित्र ने पकड़कर जंगल में छोड़ा

जबलपुर, देशबन्धु। शक्ति नगर में रहने वाले संग्राम सिंह मरावी के घर में उस समय हड़कंप मच गया जब उनके घर की बनी बाउंड्री वॉल से लगे पाइप के सहारे एक अजगर घर के भीतर घुस रहा था। पड़ोसियों ने जैसे ही विशालकाय अजगर को घर में जाते हुए देखा तो तुरंत ही संग्राम सिंह मरावी को फोन करके बताया कि उनके घर में करीब 5 फीट लंबा अजगर घुस गया है। सूचना मिलते ही संग्राम सिंह का पूरा परिवार घर के बाहर निकल आया और तुरंत ही सर्प विशेषज्ञ को इसकी सूचना दी। अजगर के घर में जाने की सूचना मिलते ही सर्प विशेषज्ञ गजेंद्र दुबे अपने साथी आमिर खान के साथ मौके पर पहुंचे और करीब 5 फीट लंबे अजगर को पकड़कर वन विभाग की रेस्क्यू टीम को सौंपा। रेस्क्यू प्रभारी गुलाब सिंह ने अजगर को बरगी के घने जंगल में छोड़ दिया। गजेंद्र दुबे ने बताया कि बारिश के समय अक्सर पानी में रहने वाले अजगर खुले में आ जाते हैं। हालांकि इस अजगर ने किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया। सर्प विशेषज्ञ गजेंद्र दुबे ने सभी लोगों से अपील की है, कि अगर बारिश के समय कोई सांप या अजगर घर में घुस जाता है तो उस पर हमला न करें। क्योंकि कोई भी सर्प हो वह तब तक हमला नहीं करता है जब तक कि उसे परेशान ना किया जाए। गजेंद्र दुबे ने बताया कि महज चंद सांप ही ऐसे होते हैं जो कि जहरीले होते हैं। इसलिए जब कभी भी किसी के घर में अगर सांप दिखाई देता है तो सर्प विशेषज्ञ को फोन कर जानकारी दे सकते हैं।